ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

जिला प्रभारी मंत्री एचसी महादेवप्पा और अन्य कांग्रेस नेताओं की उड़ाई नींद @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 05 अक्टूबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-276

पश्चिम एशिया के हालात पर कैबिनेट की बैठक में विचार

भारत पर पड़ने वाले असर से निपटने की चिंता

वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतें बढ़ने की आशंका

नई दिल्ली, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में बढ़ते संकट का असर भारत पर भी हो सकता है। पश्चिम एशिया संकट के चलते वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतें बढ़ने की आशंका पैदा हो गई है। अगर ऐसा हुआ तो इसका सीधा असर भारत के खजाने पर पड़ेगा। शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति ने इस मसले पर गंभीरता से विचार किया। बैठक में पश्चिम एशिया के संकट और उसके भारत पर संभावित असर को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

हाल ही में इज़राइली हवाई हमले में ईरान समर्थित हिजबुल्ला प्रमुख हसन नसरल्ला की मौत हो गई थी। इसके जवाब में ईरान ने बीते मंगलवार को इज़राइल पर मिसाइलों और रॉकेट्स से हमला किया। ईरान के हमले के बाद इज़राइल ने भी जवाबी कार्रवाई करने की धमकी दी थी। हाल ही में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा है कि इज़राइल, ईरान के तेल ठिकानों पर हमला कर सकता है। इसके बाद दुनियाभर में तेल की कीमतों में इजाफा होने की आशंका पैदा हो गई है। अगर ऐसा हुआ तो भारत पर इसका विपरीत असर पड़ेगा।

भारत अपनी जरूरत का 85 फीसदी से ज्यादा तेल आयात करता है। पेट्रोलियम मंत्रालय के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत ने 2 करोड़ 94 लाख टन कच्चे तेल का उत्पादन किया। ▶10पर

कच्चे तेल का आयात प्रभावित होने की आशंका

नई दिल्ली, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)। इज़राइल और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष का भारत के कच्चे तेल के आयात पर कोई खास असर पड़ने की उम्मीद नहीं है। विशेषज्ञों के अनुसार ईरान से भारत का कच्चा तेल आयात लगभग नगण्य है। भारत वर्तमान में रूस, इराक, सऊदी अरब, अबू धाबी और अमेरिका सहित लगभग 40 अलग-अलग देशों से तेल आयात करता है, जिससे इसकी आपूर्ति से जुड़ी जरूरतें पूरी होती हैं। जानकार यह भी कह रहे हैं कि इस संघर्ष से वैश्विक तेल बाजारों में मूल्य अस्थिरता पैदा होने का खतरा बढ़ गया है। ▶10पर

तिरुपति प्रसादम षडयंत्र: सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

तिरुपति प्रसाद मामले की जांच एसआईटी करेगी

नई दिल्ली, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश के तिरुमाला में श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में प्रसाद के रूप में परोसे जाने वाले लड्डू बनाने में पशु चर्बी के इस्तेमाल के आरोपों की जांच के लिए एक नई स्वतंत्र एसआईटी गठित करने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक, एसआईटी में सीबीआई के दो अधिकारी, आंध्र प्रदेश पुलिस के दो अधिकारी और एफएसएसएआई का एक वरिष्ठ अधिकारी होगा। सीबीआई निदेशक एसआईटी जांच की निगरानी करेंगे।

सीबीआई निदेशक की निगरानी में होगी जांच

इससे पहले मामले की सुनवाई के दौरान केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि अगर आरोप में कोई भी सच्चाई है तो यह अस्वीकार्य है। सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि एसआईटी की निगरानी किसी वरिष्ठ केंद्रीय अधिकारी की ओर से की जाए, इससे लोगों में ▶10पर

सनातन धर्म सर्टिफिकेट बनाने का प्रस्ताव

अमरावती, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)। तिरुपति लड्डू विवाद के बीच आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री पवन कल्याण ने सनातन धर्म के रक्षण को लेकर कहा है कि भारत के सभी मंदिरों में प्रसाद और प्रसाद में इस्तेमाल की जाने वाली सामग्री की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए सनातन धर्म सर्टिफिकेट प्रणाली अपनाने का प्रस्ताव रखा है।

डिप्टी सीएम पवन कल्याण गुरुवार को तिरुपति में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित कर रहे थे। उसी दौरान उन्होंने कहा कि कल्याण ने ऐसे व्यक्तियों या संगठनों का साथ मत दीजिए जो सनातन धर्म को बदनाम करने की कोशिश करते हैं। इसके साथ ही सनातन धर्म को बदनाम करने या उसके खिलाफ नफरत भड़काने का प्रयास करते हैं। उप मुख्यमंत्री पवन कल्याण कहते हैं कि देश के सभी मंदिरों में दिए जाने वाले प्रसादों की शुद्धता को सुनिश्चित करने के लिए सनातन धर्म प्रमाणन प्रक्रिया को लागू करने की आवश्यकता है। पवन कल्याण का मानना है कि सनातन धर्म सर्टिफिकेट मंदिरों को प्रथाओं की पवित्रता ▶10पर

नवनियुक्त वायुसेना प्रमुख अमर प्रीत सिंह ने कहा

भारत को भी चाहिए इज़राइल जैसा आयरन डोम एयर डिफेंस सिस्टम

नई दिल्ली, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने कहा है कि भारत के लिए भी इज़राइल जैसा आयरन डोम एयर डिफेंस सिस्टम जरूरी है। उन्होंने कहा कि पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर कोई बदलाव नहीं हुआ है। लेकिन दोनों देशों के बीच तनाव बरकरार है। उन्होंने कहा कि चीन अपनी सीमा पर तेजी से इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ा रहा है और हमारे सामने दुश्मन की तैयारियों से बराबरी करने की चुनौती है और वह हम अपने इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाकर और अन्य तरीकों से कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूर्वी लद्दाख में ज्यादा एडवांस लैंडिंग ग्राउंड और नए एयरबेस बना रहे हैं। वहीं, इज़राइल के आयरन डोम एयर डिफेंस सिस्टम को लेकर उन्होंने कहा कि अगर भारत पर इज़राइल की तरह मिसाइल हमला हुआ, तो भारत सभी मिसाइलों को नहीं रोक पाएगा, क्योंकि इज़राइल के मुकाबले हमारा क्षेत्रफल ज्यादा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि रूस जल्द ही बाकी दो एस400 एयर डिफेंस सिस्टम की डिलीवरी करेगा।

92वें वायु सेना दिवस के वर्षगांठ समारोह पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए भारतीय वायुसेना के नव नियुक्त प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने शुक्रवार को आयोजित अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि ऐसी दुनिया में जहां युद्ध और एयर पावर का महत्व लगातार बढ़ता जा रहा है, भारतीय वायु सेना अपनी रक्षा प्रणालियों और क्षमताओं को मजबूत करने ▶10पर

नारायणपुर और दंतेवाड़ा जिले की सीमा पर मुठभेड़

सुरक्षाबलों के हाथों मारे गए 14 माओवादी

नारायनपुर, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित नारायणपुर और दंतेवाड़ा जिले की सीमा पर सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में 14 नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। पुलिस ने सात नक्सलियों के शव बरामद के हैं। पुलिस ने कहा कि मारे गए नक्सलियों की संख्या इससे अधिक है। मौके से बड़ी संख्या में ऑटोमेटिक हथियार बरामद किए गए हैं। मुठभेड़ जारी है। फिलहाल पूरे इलाके में सर्चिंग जारी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मुठभेड़ में 14 नक्सली मारे गए हैं।

सुरक्षाबल नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना वाली जगह पर पहुंचे तो वहां नक्सलियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घटना के बाद सुरक्षाबल के जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई की। उन्होंने बताया कि नारायणपुर और दंतेवाड़ा जिले के संयुक्त बल और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ जारी है। क्षेत्र में रुक-रुक कर गोलीबारी हो रही है। अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ में सभी जवानों के सुरक्षित होने की जानकारी मिली है।

जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव बाद की बदली सियासत

हिंदू मुख्यमंत्री बनाने की रणनीति पर चल पड़े सारे दल!

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 04 अक्टूबर।

तीन चरणों के मतदान के बाद जम्मू कश्मीर में खिचड़ी विधानसभा की संभावना के चलते भाजपा हिंदू मुख्यमंत्री बनाने की रणनीति पर चलते हुए अन्य दलों से बात कर रही है। लेकिन इससे अधिक हैरानी की बात यह है कि हिंदू मुख्यमंत्री वाली रणनीति पर नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस गठजोड़ भी अन्य सहयोगी दलों को न्यौता देने लगे हैं।

प्रदेश के चुनावी इतिहास पर नजर डालें तो अब तक कभी भी हिंदू मुख्यमंत्री नहीं बना है। अधिकांश समय राज्य की बागडोर कश्मीर क्षेत्र से आने वाले मुस्लिम नेताओं के हाथों में रही है। हालांकि 2002, 2008 और 2014 के चुनावों में अलग-अलग गठबंधनों ने सरकार बनाई, लेकिन इस बार माहौल कुछ अलग नजर आ रहा है। भाजपा ने इस बार चुनाव प्रचार के दौरान खुलकर कहा है कि यदि पार्टी पूर्ण बहुमत से जीतती है तो मुख्यमंत्री जम्मू क्षेत्र से होगा, और यह भी संभव है कि वह एक हिंदू हो।

राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो यदि कांग्रेस को जम्मू क्षेत्र में ज्यादा सीटें मिलती हैं, तो संभावनाएं बन सकती हैं कि नेकां और कांग्रेस, दोनों मिलकर भाजपा को कमजोर करने के लिए किसी हिंदू नेता को मुख्यमंत्री बनाने का समर्थन करें। 2011 की जनगणना के अनुसार, जम्मू कश्मीर की कुल जनसंख्या में 68.8 परसेंट मुस्लिम और 28.8 प्रतिशत हिंदू हैं। ऐसे में, यदि हिंदू विधायकों की संख्या ज्यादा होती है, तो राजनीतिक समीकरण बदल सकते हैं।भाजपा का फोकस इस बार जम्मू संभाग की 43 विधानसभा ▶10पर

वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुशील कुमार शिंदे का महत्वपूर्ण बयान

वीर सावरकर सम्माननीय, कांग्रेस अपना विचार सुधारे

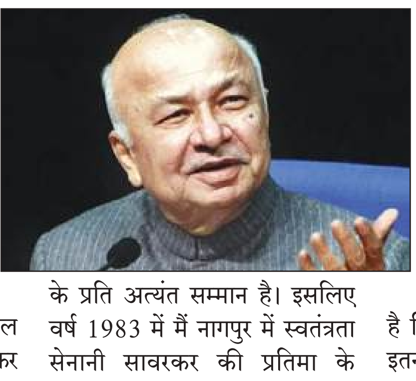

मुंबई, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व गृहमंत्री सुशील कुमार शिंदे ने स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने हाल ही में प्रकाशित अपनी आत्मकथा फाइव डेकेड्स इन पॉलिटिक्स में छुआछूत का जिक्र करते हुए वीर सावरकर के काम की सराहना की। साथ ही कांग्रेस को अपनी विचारधारा में सुधार करने की जरूरत पर बल दिया।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री रह चुके शिंदे ने कहा, वीर सावरकर का मुख्य प्रयास छुआछूत और जातिवाद को समाप्त करना था। वह एक वैज्ञानिक थे और सावरकर की सोच एक चुनौती है। कांग्रेस को अपनी सोच बदलने की जरूरत है। आत्मकथा में सुशील शिंदे ने लिखा है, मेरे मन में सावरकर के प्रति अत्यंत सम्मान है। इसलिए वर्ष 1983 में मैं नागपुर में स्वतंत्रता सेनानी सावरकर की प्रतिमा के कार्यक्रम में शामिल हुआ। मैं सावरकर के समर्थन वाले मुद्दों पर अडिग रहा। उन्होंने छुआछूत और जातिवाद को खत्म करने के लिए बहुत प्रयास किए। चूंकि मैं स्वयं पिछड़े वर्ग से हूं, इसलिए सावरकर के प्रयासों का विशेष महत्व महसूस करता हूं। सावरकर के मुद्दे पर आते हुए मुझे आश्चर्य है कि उनकी हिंदुत्व विचारधारा पर इतना जोर क्यों ▶10पर

एससीओ समिट के लिए पाकिस्तान जाएंगे जयशंकर

नई दिल्ली, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक के लिए विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर पाकिस्तान दौरे पर जाएंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि डॉ जयशंकर पाकिस्तान दौरे पर एससीओ समिट में शामिल होंगे। विदेश मंत्री जयशंकर के पाकिस्तान दौरे पर एक प्रतिनिमंडल उनके साथ पाकिस्तान जाएगा। इस्लामाबाद में एससीओ समिट आगामी 15-16 अक्टूबर को प्रस्तावित है। शंघाई सहयोग संगठन की इस बैठक में भारत और पाकिस्तान के अलावा कजाकिस्तान, चीन, किर्गिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान के शीर्ष नेता भी शरीक होंगे।

मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्ज़ू सात को भारत आएंगे

दूसरी तरफ, मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्ज़ू पदभार ग्रहण करने के बाद पहली बार तीन दिवसीय दौरे पर भारत आ रहे हैं। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज़्ज़ू 7 से 10 अक्टूबर 2024 तक भारत की राजकीय यात्रा पर रहेंगे। यह उनकी भारत की पहली द्विपक्षीय यात्रा होगी। इससे पहले जून 2024 में भी मुइज्ज़ू प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए भारत आए थे। मुइज्ज़ू बेंगलुरु और मुंबई भी जाएंगे। ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 78,030/- (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 93,950/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30^0
न्यूनतम : 22^0

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले जारी, ढाका से न्यूयॉर्क तक गूंज रहा विरोध

दुर्गा पूजा से पहले कट्टरपंथियों ने तोड़ी देवी-देवताओं की मूर्तियां

ढाका, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में जबसे शेख हसीना सरकार का पतन हुआ तबसे लगातार हिंदुओं के दमन और अत्याचार की घटनाएं सामने आ रही हैं। मोहम्मद यूनुस की अगुवाई में बांग्लादेश की कार्यवाहक सरकार आंखें मूंदे बैठी है और हिंदुओं के उत्पीड़न के मामलों को दबाने में लगी हुई है। जबकि बांग्लादेश से लेकर अमेरिका तक हिंदुओं पर ढाए जा रहे जुल्म के खिलाफ आवाजें गूंज रही हैं।

बांग्लादेश में हिंदुओं से घृणा की ताजा घटनाओं में, 28 सितंबर और 1 अक्टूबर को बांग्लादेश के राजशाही डिवीजन के पबना जिले के सुजानगर उपजिला में स्थित ऋषिपारा बरवारी पूजा मंडप और मानिकदी पालपारा बरवारी पूजा मंडप में दुर्गा और अन्य हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियों को क्षतिग्रस्त कर दिया गया। ऋषिपारा मंडप में 4 मूर्तियां और मानिकदी मंडप में 5 मूर्तियां तोड़ी गईं। इन हमलों की वजह से स्थानीय हिंदुओं में भय का माहौल है। उन्होंने बांग्लादेशी सुरक्षा एजेंसियों और स्थानीय प्रशासन से तुरंत हस्तक्षेप की मांग की है। हैरानी की बात है कि घटनाओं के घटने के समय लाख बुलावे के बावजूद कोई सुरक्षाबल नहीं पहुंचा, बल्कि बाद में पुलिस ही नहीं रैपिड एक्शन बटालियन और सेना के अधिकारियों ने भी घटनास्थलों का दौरा किया और इतिश्री कर ली।

इस साल दुर्गा पूजा का त्यौहार 9 अक्टूबर से शुरू होने वाला है, जिसमें अकेले सुजानगर उपजिला में ही 51 मंदिरों में मनाया जाना है, लेकिन हिंदुओं पर हमलों की घटनाओं से उनमें डर का माहौल है। मानिकदी पालपारा पूजा मंडप के अध्यक्ष बिजन पाल ने बताया कि 1 अक्टूबर की रात जब ▶10पर

हिंदुओं पर अत्याचार : न्यूयॉर्क के आसमान पर दिखा विशाल बैनर

न्यूयॉर्क, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका के न्यूयॉर्क में आज सुबह लोग आसमान में एक विशाल बैनर को देखकर चौंक गए। इस बैनर में लिखा था कि बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा बंद होनी चाहिए। यह विशाल बैनर हडसन नदी के ऊपर और विश्व प्रसिद्ध स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी के ऊपर हवा में लहराते देखा गया। बांग्लादेश मूल के हिंदू समुदाय के सितांशु गुहा ये बैनर लहराने वाले लोगों में शामिल हैं। सितांशु ने कहा कि लोगों में बांग्लादेशी हिंदुओं की मुश्किलों के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से ऐसा किया गया था।

यह विशाल बैनर एक हवाई जहाज के पीछे बांधा गया था, जैसे ही हवाई जहाज न्यूयॉर्क के ऊपर से उड़ा तो आसमान में हिंदुओं पर अत्याचार का विशाल बैनर हवा में लहराता दिखाई दिया। अमेरिकी कांग्रेस के ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

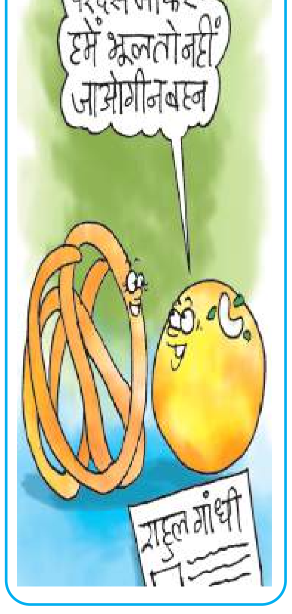

संघ ने आचार्य श्री महाश्रमण जी के दर्शन वंदन का लिया लाभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ सभा हनुमंत नगर (एचबीएसटी) बेंगलूरु के तत्वावधान में आयोजित गुरु दर्शनार्थ एक संघ ने सूरत में आचार्य श्री महाश्रमण जी के दर्शन वंदन का लाभ लिया। संघ में लगभग 150 सदस्य शामिल थे। एक विशाल रैली के रूप में गुरुदेव प्रवास स्थल होते हुए निकली विशाल जन मेदिनी को गुरुदेव ने स्वयं बाहर आकर आशीर्वाद प्रदान किया एवं मंगलपाठ का श्रवण कराया। तत्पश्चात रैली महावीर समवसरण पंडाल में पहुंची और गुरुदेव के मुखारविंद से प्रवचन श्रवण किया। गुरुदेव ने कृपा कर संघ को सेवा का समय दिया। अध्यक्ष गौतम दक ने गुरुदेव को हनुमंतनगर तेरापंथ भवन में जारी अनेक गतिविधियों के बारे में बताया। ज्ञानशाला, जैन विद्या,

अध्यन, तत्वज्ञान की परीक्षाएं, शनिवार की सामयिक, पखी-प्रतिक्रमण एवं विभिन्न संस्थाओं के विभिन्न आयोजनों के बारे में बताया। उन्होंने कहा मुनि श्री सुधाकर जी के चातुर्मास के बाद हनुमंतनगर को पिछले 4 साल से कोई चातुर्मास नही मिला है। हम पूरे हनुमंतनगर वासी आपसे करबद्ध निवेदन करते है कि हनुमंतनगर को इस बार चातुर्मास फरमाने की कृपा करावें। यह सुनते ही सभी सदस्यों में हर्ष की लहर दौड़ गई। तत्पश्चात मंत्री हेमराज मांडोत द्वारा पुनः एक बार चातुर्मास की अर्जी की गई। महिला मंडल द्वारा गीतिका की प्रस्तुति दी गयी। तेयुप अध्यक्ष कमलेश झाबक ने भी गुरुदेव के समक्ष अपनी भावों की अभिव्यक्ति दी। संघ ने साध्वी प्रमुखा श्री जी, मुख्य मुनि महावीर कुमार जी एवं साध्वी वर्या संबुद्ध यशा जी आदि साधु-साध्वियों के भी दर्शन-सेवा का लाभ लिया। सेवा इत्यादि का संपूर्ण लाभ लेकर संघ धर्मपुर श्रीमद राज चंद्रा आश्रम की यात्रा कर पुनः बेंगलूरु पहुंचा। संघ में तेरापंथ युवक परिषद एवं महिला मंडल के सदस्यों ने भी अपनी सक्रिय भूमिका निभाई। संघ को सफल बनाने में सभा उपाध्यक्ष प्रकाश बोल्या, उपाध्यक्ष गौतम कातरेला, कोषाध्यक्ष नाथुलाल बोल्या, परामर्शक रोशन मांडोत, बाबुलाल कटारिया, महिला मंडल पूर्व अध्यक्ष मंजु दक, पूर्व मंत्री लाजवंती कातरेला, संयोजक आर महावीर देरासरिया, गौतम खाब्या, गौतम बोल्या, बंटी देसरला, ललित बोहरा, मुकेश बोल्या, राकेश खटेड, कमलेश श्रीश्रीमाल, महावीर बोल्या, धवल बोल्या और मनोज पोरवाड़ का विशेष श्रम रहा।

अणुव्रत के माध्यम से भीतर के प्रदूषण को मिटाएं: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के निर्देशन में अणुव्रत समिति, बेंगलूरु द्वारा अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह का चतुर्थ दिवस पर्यावरण दिवस तेरापंथ सभा भवन, गांधीनगर में साध्वीश्री उदितयशा जी के सानिध्य में आयोजित किया गया।

साध्वीजी द्वारा नमस्कार महामंत्रोचार के पश्चात समिति अध्यक्ष देवराज रायसोनी ने स्वागत भाषण दिया। साध्वी उदितायशा जी ने कहा कि हमारे चारों ओर पृथ्वी, पानी, वृक्ष आदि का आवरण है। अगर हम इनके साथ छेड़खानी करते हैं तो प्रकृति अवश्य बदला लेती है। लोभ के कारण व्यक्ति पर्यावरण से छेडखानी कर रहा है। आचारंग सूत्र में पर्यावरण को सुरक्षा का सूत्र बताया है। जो पर्यावरण की सुरक्षा करता हैं वह अपनी सुरक्षा करता है। आडंबर के कारण अतिरिक्त अपव्यय हो रहा है। शादिया, बर्थडे भी आकर्षण का केंद्र बन ई हैं, जिसमें कागज, बिजली, प्लास्टिक, पानी आदि का अपव्यय हो रहा है। अणुव्रत के माध्यम से भीतर के प्रदूषण को मिटाएं। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष माणकचंद संचेती, मंत्री हरकचंद ओस्तवाल, संघठन मंत्री निर्मली पोकरणा, माणकचंद बरलोटा, राकेश चौरड़िया, कविता पोरवाल, पवन संचेती, मीना रायसोनी, महावीर मुथा ने लाभ लि। सभी का आभार उपाध्यक्ष शांति सकलेचा ने व्यक्त किया।

सत्य की जीत का संदेश देता है नवरात्र: राजेशमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शांतिनगर स्थित लुणावत जैन स्थानक भवन में आयोजित धर्मसभा में राजेश मुनि जी ने फरमाया कि भारत धर्म प्रधान देश है। यहां सभी धर्मों को सम्मान दिया जाता है। नवरात्र नौ दिनों का पर्व है जिसे पूरे देश में उत्साह से मनाया जाता है। यह सत्य की जीत एवं असत्य की हार का संदेश देता है। मुनि ने कहा कि ज्ञान, दर्शन, चरित्र यह तीन रत्न हैं। सही दृष्टि और सही सोच से हमें सही मार्ग मिलता है और सत्य को पहचानने में मदद मिलती है। इस मौके पर ऋषभ मुनि ने भी विचार व्यक्त किए। धर्मसभा में दिल्ली से अनिल परिवार, विल्सन गार्डन से संघ के अध्यक्ष मीठालाल मकाना आदि उपस्थित थे। सभा का संचालन संघ के चेयरमैन महावीर चंद मुथा ने किया। संघ के अध्यक्ष धनरूप चंद मेहता ने स्वागत किया।

जप अनुष्ठान अत्यंत मंगलकारी: डॉ. वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्वावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में विश्व शांतिप्रदायक और संकट निवारक उवसग्गहरं जप अनुष्ठान का आयोजन किया गया।

डॉ. वरुणमुनि ने कहा कि इस स्त्रोत में 23वें जैन तीर्थंकर प्रभु पार्श्वनाथ भगवान की स्तुति की जाती है। इस प्रभावशाली स्त्रोत की रचना आचार्य भद्रबाहु स्वामी ने की थी। आचार्य भद्रबाहु स्वामी ने जैन शासन की प्रभावना और सुरक्षा के लिए अनंत अनंत भक्ति भाव से उवसग्गहरं स्त्रोत की रचना की। जैन दर्शन साहित्य में इसके अलग अलग पदों का उल्लेख मिलता है। उन्होने बताया की

सच्चे हृदय से उवसग्गहरं स्त्रोत का जाप करने से सभी बाधाएं अपने आप दूर होती चली जाती है। 51 दिन तक इस स्त्रोत के बीज मंत्र की प्रतिदिन माला करनी चाहिए और श्रद्धा पूर्वक 27 बार इस स्तोत्र का शुद्धता से पाठ करना चाहिए। जिससे सभी प्रकार के विघ्न दूर होते है। इस मंत्र के जाप से व्यक्ति संकट मुक्त होता है और यह मंत्र मंगल दायक है। जहां विधिवत रूप से इस मंगलकारी जाप का उच्चारण होता है, उस घर से दरिद्रता सदा के लिये चली जाती है और वहां धन धान्य की कोई कमी नही रहती है। रूपेशमुनि ने उवसग्गहरं स्त्रोत का बीज मंत्र के साथ जप करवाया। अंत में मंगलपाठ पंकजमुनि ने प्रदान किया। संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

काव्य कलश कार्यक्रम का आयोजन कल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अग्रवाल समाज कर्नाटक द्वारा रविवार को महाराजा अग्रसेन जयंती के उपलक्ष्य में समाज बंधुओं के लिए जेपी नगर स्थित आरवी कॉलेज के ऑडिटोरियम में काव्य कलश कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस काव्य कलश कार्यक्रम में दोपहर 3.30 बजे से देश के जाने माने कवि पद्मश्री सुरेन्द्र दुबे, पद्मश्री डॉ सुनील जोगी, महेश दुबे, राजेश चेतन एवं डॉ कीर्ति काले, डॉ रुचि चतुर्वेदी अपने हास्य रंग से सभी को कविता व वीर रस के माध्यम से मनोरंजन कराएंगे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए समाज कमेटी के साथ युवा संघ की पूरी टीम जोरशोर के साथ सुन्दर आयोजन की तैयारी में जुटी हुई है। सभी समाज परिवारों को कार्यक्रम स्थल पर प्रवेश पत्र द्वारा ही प्रवेश दिया जाएगा।

डांडिया रास में खेला गरबा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। यशवंतपुर नवरात्रि युवा मंडल द्वारा यशवंतपुर स्थित मुनिस्वामियप्पा कल्याण मंडप में 10 दिवसीय नवरात्रि महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर माता रानी का भव्य पंडाल व दरबार सजाया गया। इस नवरात्रि महोत्सव में रात्रि डांडिया रास व गरबा का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें बड़ी संख्या में पुरुष, महिलाएं व बच्चे डांडिया व गरबा खेल कर आनन्द ले रहे हैं।

गुजरात अहमदाबाद की महशूर गायक एंड पार्टी द्वारा प्रस्तुती पर लोगों ने झूम झूम कर गरबा रास व डांडिया खेल का आनंद लिया। इस अवसर पर मंडल के सदस्य भरत दक, राहुल गांधी, सुनील पितलिया, कृष्णा, ललित और श्रीकांत ने पूरी व्यवस्था संभाली।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। नवचेतना चैरिटेबल ट्रस्ट फॉर डिसेबल्ड द्वारा रामनगर स्थित गुरु भवन में टोयोटा किर्लोस्कर ऑटो पार्ट प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से दिव्यांग जनों में सिलाई मशीने वितरित की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में महेंद्र मुणोत उपस्थित थे। ट्रस्ट के अध्यक्ष मंजूनाथ ने टोयोटा के प्रतिनिधि एवं मुणोत को सम्मानित किया।

मुडा मामले का नतीजा

खड़गे के साथ जारकीहोली की बैठक से राज्य में अटकलें तेज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक में लोक निर्माण मंत्री और पिछड़ा वर्ग के जन नेता सतीश जारकीहोली की एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ बैठक ने राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की चर्चाओं को हवा दे दी है। सतीश जारकीहोली ने गुरुवार शाम एआईसीसी अध्यक्ष खड़गे से मुलाकात की और लोकायुक्त और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा सीएम सिद्धरामैया के खिलाफ एफआईआर दर्ज किए जाने के बाद राज्य में हुए घटनाक्रम के बारे में नई दिल्ली में उनके साथ 30 मिनट तक बंद कमरे में बैठक की। मंत्री सतीश जारकीहोली सीएम सिद्धरामैया के करीबी सहयोगी हैं और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार का विरोध करते हैं। सूत्रों ने बताया कि सतीश ने बेंगलूरु में दलित मंत्रियों की एक गुप्त बैठक की और इस बात पर चर्चा की कि सत्ता परिवर्तन की स्थिति में किसी भी कीमत पर राज्य में एक दलित नेता को सीएम बनना चाहिए। गृह मंत्री जी. परमेश्वर और सहकारिता मंत्री के.एन. राजन्ना, दोनों ही उत्पीड़ित समुदायों के अग्रणी नेता बैठक में शामिल हुए। सूत्रों ने बताया कि जारकीहोली ने खड़गे से इस बात पर चर्चा की कि अगर सिद्धरामैया को पद से इस्तीफा देने के लिए कहा जाता है तो दलित नेता के सीएम बनने की संभावना क्या है। उन्होंने इस बात पर भी चर्चा की कि ऐसी स्थिति में दलित नेता को सीएम बनाया जाना

चाहिए। सीएम सिद्धरामैया खेमे ने पहले कहा था कि राज्य में सत्ता परिवर्तन की स्थिति में दलित को सीएम बनाया जाना चाहिए। सूत्रों ने पुष्टि की है कि घटनाक्रम के बीच, आलाकमान ने स्थिति की निगरानी करने और कर्नाटक में जमीनी हकीकत की रिपोर्ट देने के लिए 15 अक्टूबर को एआईसीसी महासचिव और कांग्रेस सांसद के.सी. वेणुगोपाल को कर्नाटक भेजने का फैसला किया है। मुडा मामला सामने आने के बाद वेणुगोपाल ने एआईसीसी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला के साथ केवल एक बार राज्य का दौरा किया था। वेणुगोपाल पार्टी नेताओं द्वारा अलग-अलग बयानों से बचने और यह सुनिश्चित करने का संदेश देने जा रहे हैं कि मुडा से संबंधित घटनाक्रम का राज्य में पार्टी के संगठन पर असर न पड़े। फिलहाल, सीएम सिद्धरामैया जोरदार तरीके से दावा कर रहे हैं कि वे पद पर बने रहेंगे और उनके इस्तीफे का कोई सवाल ही नहीं है। पुलिस विभाग द्वारा केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के साथ ही राज्य में राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता बढ़ गई है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, ईडी अधिकारियों और राज्य भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र और अन्य के खिलाफ दर्ज एफआईआर की जांच पर अदालत ने रोक लगा दी है।

हालांकि हाईकमान और कांग्रेस नेता यह दोहरा रहे हैं कि वे मुख्यमंत्री के साथ हैं, लेकिन यह अब कोई रहस्य नहीं है कि कांग्रेस पार्टी में मुख्यमंत्री पद के लिए लॉबिंग शुरू हो गई है।

आपकी सोच से असंभव भी संभव: मुनि

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री राजस्थान जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ के तत्वावधान में पार्श्वनाथ जैन मंदिर के सभा भवन में चातुर्मास विराजित वज्ररत्न सागरजी ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा हमें स्वयं को पूर्णतया सही नही मानना चाहिए। ऐसा सोचना गलत है कि हम शत-प्रतिशत सही हैं। हर व्यक्ति कभी ना कभी गलती करता ही है। गलतियों से सिख लेने का ही दूसरा नाम जीवन है। मगर अधिकांश मामलों में यही देखा जाता है कि व्यक्ति अपनी गलती को मानने के लिए तैयार नही होता। वह अपने प्रत्येक निर्णय को उचित प्रतिपादित करना चाहता है। मनुष्य सुख समृद्धि की कामना के साथ कर्म करता है, यदि कर्म करने के बाद भी वंचित फल की प्राप्ति नही होती तो तनाव पैदा होता है, तनाव से बचने के लिए आवश्यकता है कि आप स्वयं की क्षमताओं का आकलन कर ऐसे परिणाम की कल्पना करें जिसे हासिल करना आपके लिए संभव हो। आप कल्पना ऐसी करें जिसे साकार करना आपके वश में हो। असंभव कल्पना को साकार करने की कोशिश में आप तनाव के शिकंजे में फंस सकते हैं। जब आप की कल्पना साकार नही होगी तो आपकी मानसिक तकलीफ बढ़ जाएगी और तनाव उत्पन्न हो जाएगा। मुनि आगमरत्न सागरजी और प्रशमरत्न सागरजी ने भी धर्म सभा को सम्बोधित किया।

मुख्यमंत्री कांग्रेस हाईकमान से मिलेंगे और मुडा मामले पर चर्चा करेंगे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) मामले से जुड़े घटनाक्रमों के बारे में जानकारी देने के लिए कांग्रेस हाईकमान से मिलेंगे, जिसमें उन्हें लोकायुक्त और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा आरोपी नंबर एक के रूप में नामित किया गया है। सूत्रों ने शुक्रवार को पुष्टि की कि सीएम ने नई दिल्ली में हाईकमान के नेताओं से मिलने के लिए 27-28 अक्टूबर की तारीख तय की है।

सीएम पहले उनसे मिलना चाहते थे, लेकिन गांधी जयंती पर पार्टी द्वारा आयोजित कई कार्यक्रमों और हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में चुनावों के कारण

वे बैठक का समय निर्धारित नहीं कर सके। दो दिवसीय बैठक के दौरान, सीएम सिद्धरामैया लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और सोनिया गांधी से मिलेंगे और उन्हें मुडा मामले के संबंध में राज्य के घटनाक्रमों के बारे में जानकारी देंगे। सूत्रों ने यह भी संकेत दिया है कि अगर उनके खिलाफ ईडी की जांच में तेजी से प्रगति होती है, तो सीएम सिद्धरामैया इंडिया ब्लॉक के नेताओं से भी मिलेंगे। इस कदम ने राज्य के भीतर अटकलों को हवा दे दी है, पार्टी नेताओं ने स्वीकार किया है कि यह बैठक सीएम के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण होगी। उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के बाद हाईकमान ने सार्वजनिक रूप से सीएम के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया है। भाजपा और जेडीएस सीएम सिद्धरामैया के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं और राज्य में जल्द ही खाली हुई तीन एमएलए सीटों और एक एमएलसी सीट के लिए उपचुनाव होने वाले हैं। भाजपा और जेडीएस मिलकर चुनाव लड़ रहे हैं और सभी सीटें जीतने के लिए काफी प्रयास कर रहे हैं। राज्य में इस समय कांग्रेस और विपक्षी भाजपा-जेडीएस गठबंधन के बीच कड़ी राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता चल रही है। इस तनाव के बीच सीएम सिद्धरामैया विवादित जाति जनगणना रिपोर्ट को कैबिनेट के सामने पेश करने की तैयारी कर रहे हैं। सीएम सिद्धरामैया की नई दिल्ली यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण हो गई है क्योंकि राज्य के कांग्रेस नेता कथित तौर पर सीएम पद के लिए सक्रिय रूप से पैरवी कर रहे हैं, अगर सीएम को इस्तीफा देने के लिए कहा जाता है।

स्नेहमई कृष्णा ने अब प्रवर्तन निदेशालय को महत्वपूर्ण दस्तावेज देकर

जिला प्रभारी मंत्री एचसी महादेवप्पा और अन्य कांग्रेस नेताओं की उड़ाई नींद

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुडा भूमि आवंटन घोटाले में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की नाक में दम करने वाले स्नेहमई कृष्णा ने अब प्रवर्तन निदेशालय को महत्वपूर्ण दस्तावेज देकर जिला प्रभारी मंत्री एचसी महादेवप्पा और अन्य कांग्रेस नेताओं की नींद उड़ा दी है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने मुडा मामले में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप के बारे में ईडी अधिकारियों को जानकारी दे दी है। उन्होंने कहा कि उन्होंने पुख्ता सबूत भी दिये हैं। उन्होंने करोड़ों रुपये की रिश्वत का इस्तेमाल किया और बंदोबस्ती के माध्यम से जमीन हासिल की। मैंने इसे ईडी अधिकारियों के संज्ञान में भी लाया है। मैंने जिला प्रभारी मंत्री एचसी महादेवप्पा, उनके भाई के बेटे नवीन बोस के नाम पर समझौता पत्र और मुडा अध्यक्ष मारी गौड़ा और उनके भाई शिवन्ना के नाम पर पंजीकृत दस्तावेज दिए हैं। उन्होंने कहा कि इसके खिलाफ भी उन्होंने जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि एचसी महादेवप्पा के भाई के बेटे नवीन बोस को मंजूनाथ से समझौता पत्र मिला और इन्हीं मंजूनाथ से मारी गौड़ा को अपने भाई शिवन्ना के नाम पर समझौता पत्र दिया। मैंने गुरुवार को प्रवर्तन निदेशालय कार्यालय का दौरा किया और 500 पन्नों के दस्तावेज दिये। चूँकि अधिकांश दस्तावेज कन्नड़ में हैं, इसलिए अधिकारियों ने पूछा और जानकारी प्राप्त की और इसे लिखा।

मुडा के मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने ईसीआईआर दर्ज कर लिया है। ईडी के अधिकारियों ने करीब छह घंटे तक उनसे स्पष्टीकरण और बयान लिया। अधिकारियों ने वादा किया है कि आपकी उम्मीदों के अनुरूप न्याय किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इससे उन्हें संतुष्टि मिली है। पार्वती द्वारा अधिग्रहित 14 भूखण्डों का महाजरू हुआ। उन्होंने इसमें भाग लिया और संबंधित अधिकारियों व पंचायत की उपस्थिति में पंचनामा किया गया। प्रथम चरण में लोकायुक्त पुलिस ने मुडा से दस्तावेज प्राप्त किये। आगे के दस्तावेज प्राप्त किए जाने हैं। उन्होंने कहा कि इसके बाद आरोपी को नोटिस दिया जा सकता है और पूछताछ की जा सकती है। उनका इरादा अवैज्ञानिक अधिसूचना के बहाने 2015 से मुडा में अवैध रूप से बसे लोगों को दंडित करना और विभिन्न अधिकारियों के साथ सहयोग करना है। कुछ अधिकारियों और जन प्रतिनिधियों ने अवैध तरीके से भूखंडों का आवंटन कर अपने परिवार के सदस्यों के नाम पर कब्जा भी कर लिया है। सिद्धरामैया का मामला तो महज एक उदाहरण है। मामले में सबसे मजबूत सबूत 14 प्लॉटों की वापसी है। इससे जांच को कोई झटका नहीं लगेगा। उन्होंने कहा कि और भी सबूत मिले हैं। चोर-चोर एक हो गये। जिन लोगों को 50:50 हिस्सा मिला, उन्होंने एक इकाई बनाई और मेरे खिलाफ लड़ाई शुरू कर दी। तीन महीने से शांत चल रहे जीटी देवेगौड़ा का सिद्धरामैया की ओर से बोलना सही नहीं था, खासकर दशहरा जैसे पवित्र कार्यक्रम में। इससे पहले जीटी देवेगौड़ा, जो जेडी(एस) कोर कमेटी के प्रमुख हैं और जिन्होंने दशहरा कार्यक्रम में सिद्धरामैया के साथ मंच साझा किया था, ने मुख्यमंत्री की प्रशंसा की और उनके इस्तीफे की मांग करने वालों पर निशाना साधा। देवेगौड़ा ने जेडी(एस) नेता और केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी पर कटाक्ष करते हुए कहा राज्य और केंद्र के लोग, मंत्री बनने के बाद (केंद्र में) अपनी जिम्मेदारी और सम्मान को समझे बिना, उनके (सिद्धरामैया) अच्छे कामों को दरकिनार करके हर रोज उनके इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। देवेगौड़ा ने कहा क्या कुमारस्वामी, जिन्होंने (मांड्या लोकसभा चुनाव में) दो लाख से अधिक वोटों से जीत हासिल की है, इस्तीफा देने के लिए कहे जाने पर इस्तीफा देंगे? सिद्धरामैया 136 विधायकों के समर्थन से जीते हैं और मुख्यमंत्री बने हैं। उनसे इस्तीफा देने के लिए कहा जा रहा है, क्या उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए? मुझे बताएं कि कौन सा कानून उन्हें इस्तीफा देने के लिए कहता है या उन्हें जेल में डालने के लिए कहता है।

क्या न्यायालय या राज्यपाल ने सिद्धरामैया से इस्तीफा मांगा

उन्होंने कहा कि वे सिद्धरामैया के बारे में इसलिए बोल रहे हैं क्योंकि वे उन्हें व्यक्तिगत रूप से जानते हैं। उन्होंने कहा कि अगर किसी को सिर्फ इसलिए इस्तीफा देना पड़ता है क्योंकि उस पर एफआईआर दर्ज हो गई है, तो कांग्रेस, भाजपा या जेडी(एस) से कोई नहीं आएगा। क्या न्यायालय या राज्यपाल ने सिद्धरामैया से इस्तीफा मांगा है या उन्हें जेल में डाला है? देवेगौड़ा ने चुनौती देते हुए कहा जिनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है, अगर उनमें हिम्मत है तो वे इस्तीफा दे दें। उन्होंने कहा न्यायालय हैं, वे फैसला देंगे, जिसका सभी पालन करेंगे। पहले विकास करें और देखें कि केंद्र (कुमारस्वामी और भाजपा) से क्या मिलना है और राज्य के लिए क्या करना है।

कुमारस्वामी के खिलाफ एफआईआर और जवाबी शिकायत की होगी निष्पक्ष जांच: बी. दयानंद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु के पुलिस आयुक्त बी. दयानंद ने शुक्रवार को कहा कि केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी के खिलाफ एफआईआर और जेडी-एस एमएलसी रमेश गौड़ा की जवाबी शिकायत की निष्पक्ष जांच की जाएगी। दयानंद ने मीडिया से कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच की जाएगी। बेंगलूरु में अमृतहल्ली पुलिस ने जेडी-एस के पूर्व नेता और व्यवसायी विजय टाटा की जबरन वसूली की शिकायत के बाद केंद्रीय मंत्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पुलिस ने गौड़ा और केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी को मामले में क्रमश: पहला और दूसरा आरोपी बनाया है। हालांकि, गौड़ा ने पुलिस में जवाबी शिकायत दर्ज कराई है जिसमें कहा गया है कि टाटा ने उनके और कुमारस्वामी के खिलाफ फर्जी शिकायत दर्ज कराई है।

गौड़ा ने कहा टाटा जेडी-एस के सोशल मीडिया उपाध्यक्ष होने का दावा करते हुए बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं। उनका पार्टी से कोई संबंध नहीं है। गौड़ा ने यह भी कहा कि टाटा ने खुद उनके माध्यम से कुमारस्वामी से 100 करोड़ रुपए मांगे थे। गौड़ा के आरोप का जवाब देते हुए टाटा ने कहा कि वह साबित करेंगे कि जेडी-एस एमएलसी उनके आवास पर आए थे और पैसे मांगे थे, लेकिन क्या वह इसे साबित कर सकते हैं? टाटा ने आगे सवाल किया कि क्या केंद्रीय मंत्री से पैसे की मांग करना संभव है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि दोनों पक्षों ने आरोपों के संबंध में अभी तक सबूत पेश नहीं किए हैं। टाटा द्वारा लगाए गए जबरन वसूली के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा आवारा कुत्तों और लोमड़ियों को जवाब देना असंभव है।

केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी ने कहा क्या मुझे आवारा कुत्तों और लोमड़ियों द्वारा लगाए गए आरोपों का जवाब देना चाहिए? उन्हें एफआईआर दर्ज करने दें, मैं बाद में मामले को देखूंगा। टाटा ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि गौड़ा हाल ही में उनके आवास पर आए और उन्हें कुमारस्वामी से बात करने के लिए कहा। टाटा ने शिकायत में दावा किया कि कुमारस्वामी ने उनसे चन्नपट्टना उपचुनाव जीतने के लिए आवश्यक चुनाव खर्च के लिए 50 करोड़ रुपये की व्यवस्था करने के लिए कहा क्योंकि उनके बेटे निखिल कुमारस्वामी को उम्मीदवार के रूप में अंतिम रूप दिया गया है। टाटा ने शिकायत में दावा किया है कि जब उन्होंने जवाब दिया कि उनके पास इतने पैसे नहीं हैं, तो कुमारस्वामी नाराज हो गए और धमकी दी कि अगर उन्होंने 50 करोड़ रुपये का इंतजाम नहीं किया, तो उन्हें (टाटा को) परिणाम भुगतने होंगे और उनके लिए बेंगलूरु में रहना और अपना रियल एस्टेट कारोबार करना मुश्किल हो जाएगा। टाटा ने आरोप लगाया इसके बाद गौड़ा ने 50 करोड़ रुपये की व्यवस्था करने पर जोर दिया और खुद के लिए 5 करोड़ रुपये की मांग की। उन्होंने दावा किया कि वह मंदिर और स्कूल बनवा रहे हैं। टाटा ने अपने और अपने परिवार के लिए सुरक्षा की मांग की है। इससे पहले केंद्रीय मंत्री ने लोकायुक्त एसआईटी प्रमुख एडीजीपी एम. चंद्रशेखर पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया था कि वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी टाटा के साथ मिलकर जबरन वसूली में लगे हुए हैं। कुमारस्वामी ने आरोप लगाया था दिल्ली में पीएसीएल नाम की एक कंपनी है, जिसके पास देश भर में लाखों एकड़ जमीन है। फिर एक निजी चैनल से जुड़े विजय टाटा नाम के व्यक्ति को चंद्रशेखर का समर्थन मिल रहा था। कुमारस्वामी ने दावा किया टाटा का नाम 2,500 से अधिक एफआईआर में दर्ज है, लेकिन उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

अभिनेता दर्शन ने जेल में मारे गए प्रशंसक की आत्मा के बारे में शिकायत की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जेल में बंद कन्नड़ सुपरस्टार दर्शन ने दावा किया है कि जेल में मारे गए प्रशंसक रेणुकास्वामी की आत्मा उनके पीछे पड़ी है। बेल्लारी जेल के सूत्रों ने यह जानकारी दी। इस बीच, दर्शन, जिनकी जमानत याचिका पर सुनवाई होगी, अपने वकील के माध्यम से अधिकारियों से अनुरोध करेंगे कि यदि उनकी न्यायिक हिरासत बढ़ाई जाती है तो उन्हें वापस बेंगलूरु जेल में स्थानांतरित कर दिया जाए। सूत्रों ने बताया कि सुपरस्टार दर्शन ने जेल अधिकारियों को मारे गए प्रशंसक की आत्मा के बारे में बताया है। दर्शन ने अपने सपनों में मारे गए रेणुकास्वामी के आने और उन्हें परेशान करने की शिकायत की है। उन्होंने अधिकारियों से इस मामले पर भी चर्चा की है कि उनके लिए इस स्थिति से निपटना मुश्किल हो रहा है क्योंकि वह अपनी कोठरी में बिल्कुल अकेले हैं और डर के कारण सो नहीं पा रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि उन्होंने तड़के सोते समय दर्शन को चिल्लाते और चीखते हुए सुना है। सूत्रों ने बताया कि दर्शन की पत्नी विजयलक्ष्मी ने उनके लिए मंदिर में पूजा-अर्चना की और इस घटना के बाद विशेष प्रार्थना भी की। दर्शन को उनके साथियों के साथ बेंगलूरु सेंट्रल जेल में रखा गया था और आलीशान उपचार की तस्वीरें सामने आने के बाद उन्हें अलग-थलग कर दिया गया और बेल्लारी जेल में स्थानांतरित कर दिया गया। कोई जोखिम न लेते हुए, बेल्लारी जेल के अधिकारियों ने उन्हें एक छोटी सी कोठरी में अलग रखा है और वह किसी से भी नहीं मिल सकते। अधिकारियों ने उनकी सुविधाओं की मांग को भी खारिज कर दिया है और अदालत के सुझावों के बाद ही उन्हें सुविधाएं देने की अनुमति दी है। दर्शन के बेटे ने हाल ही में अपनी मां विजयलक्ष्मी के साथ जेल में उनसे मुलाकात की। सूत्रों ने बताया कि दर्शन को पीठ में तेज दर्द की शिकायत है और बेल्लारी जेल में एक आर्थोपेडिक सर्जन ने उनसे मुलाकात की थी और सुझाव दिया था कि उन्हें स्कैन करवाना चाहिए और उन्हें सर्जरी की भी जरूरत पड़ सकती है।

दर्शन जेल अधिकारियों से उचित उपचार के लिए उन्हें वापस बेंगलूरु जेल में स्थानांतरित करने का अनुरोध कर रहे हैं। उनके वकील इस संबंध में दलीलें पेश करेंगे और न्यायिक हिरासत बढ़ाए जाने की स्थिति में दर्शन को बेंगलूरु जेल में स्थानांतरित करने के लिए अदालत के समक्ष दलील दे सकते हैं। अभियोजन पक्ष ने दर्शन को जमानत दिए जाने पर आपत्ति दर्ज कराई है। 30 सितंबर को अदालत ने जमानत याचिका पर सुनवाई 4 अक्टूबर तक के लिए स्थगित कर दी थी, क्योंकि उनके वकील ने अपनी दलीलें पेश करने के लिए और समय मांगा था।

लोकायुक्त ने मुडा जांच में तेजी लाई

सीएम ने जाति जनगणना रिपोर्ट को कैबिनेट में रखने की तैयारी की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक लोकायुक्त ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से जुड़े मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) मामले की जांच में तेजी लाई है। दूसरी ओर, सीएम सिद्धरामैया विवादास्पद जाति जनगणना रिपोर्ट को कैबिनेट में रखने की तैयारी कर रहे हैं। सूत्रों ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। कर्नाटक लोकायुक्त के अधिकारी विजयनगर इलाके का दौरा करेंगे, जहां मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की पत्नी पार्वती को 14 साइटें आवंटित की गई थीं। लोकायुक्त ने याचिकाकर्ता स्नेहमयी कृष्णा को पूछताछ और दस्तावेज जमा करने के लिए कार्यालय में बुलाया है।

लोकायुक्त मुडा मामले के संबंध में सभी साक्ष्य और अन्य संबंधित दस्तावेज प्राप्त करेंगे। स्नेहमयी कृष्णा को मैसूरु के विजयनगर इलाके में स्पॉट माजर के लिए भी ले जाया जाएगा।

लोकायुक्त टीम ने गुरुवार को मुडा कार्यालय का दौरा किया और दस्तावेज एकत्र किए। दूसरी ओर, हाईकमान और पार्टी नेताओं के समर्थन से सीएम सिद्धरामैया जल्द ही राज्य मंत्रिमंडल के समक्ष विवादास्पद जाति जनगणना रिपोर्ट पेश करने की तैयारी में हैं।

दलित और पिछड़े समुदायों के विधायकों के प्रतिनिधिमंडल ने हाल ही में सीएम सिद्धरामैया से मुलाकात की और राज्य में जाति जनगणना रिपोर्ट को लागू करने की मांग की। भाजपा और कांग्रेस नेताओं का एक वर्ग सरकार को सौंपी गई जाति रिपोर्ट का विरोध कर रहा है।

उनका कहना है कि जाति जनगणना त्रुटिपूर्ण है और इसका इस्तेमाल राज्य में मुस्लिम आबादी को अधिक दिखाने के लिए किया जा रहा है। प्रभावशाली लिंगायत और वोक्कालिगा नेताओं और संतों ने अपनी चिंता व्यक्त की है और सीएम से रिपोर्ट को आगे न बढ़ाने का आग्रह किया है। सूत्रों का कहना है कि अगर जाति जनगणना रिपोर्ट को मंत्रिमंडल में रखा जाता है, तो समाज में चर्चा इस ओर मुड़ जाएगी और इससे मुडा घोटाले पर चर्चा कम हो जाएगी।

भाजपा ने सीएम सिद्धरामैया को फटकार लगाते हुए कहा है कि जब भी उन्हें राजनीतिक अनिश्चितता का सामना करना पड़ता है, तो वे जाति जनगणना के मामले को सामने लाते हैं। सूत्रों के अनुसार जाति जनगणना को मंत्रिमंडल में रखा जाएगा और मुख्यमंत्री सिद्धरामैया रिपोर्ट पर विचार करने तथा सरकार को सिफारिशें देने के लिए मंत्रिमंडल की एक उपसमिति गठित कर सकते हैं।

इससे पहले मुडा घोटाला मामले में शिकायत दर्ज करने वालों में शामिल सामाजिक कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा जांच के संबंध में सबूत देने और रिकॉर्ड पेश करने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश हुए थे। ईडी ने 30 सितंबर को मुडा द्वारा पार्वती बीएम को 14 साइटों के आवंटन में अनियमितताओं को लेकर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ पुलिस की एफआईआर के समान प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज की थी। ईडी ने 27 सितंबर को सीएम सिद्धरामैया के खिलाफ लोकायुक्त पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफआईआर का संज्ञान लिया था। उन्होंने इस मामले की जांच के लिए मैसूरु स्थित आरटीआई कार्यकर्ता को जांच अधिकारियों के सामने पेश होने के लिए बुलाया गया था। स्नेहमयी कृष्णा की शिकायत के आधार पर लोकायुक्त पुलिस ने सिद्धरामैया, उनकी पत्नी पार्वती और दो अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया था। उन्होंने ईडी में भी शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने पत्रकारों से कहा मैं पैन कार्ड, आधार कार्ड और अन्य दस्तावेजों के साथ ईडी अधिकारियों के सामने पेश होने आया था। मैंने अपनी शिकायत से संबंधित दस्तावेज दे दिए हैं। सिद्धरामैया का मुद्दा एक उदाहरण है, ऐसे हजारों करोड़ों रुपये मुडा घोटाले में शामिल है। इसलिए मैंने गहन जांच के लिए कहा।

मुडा घोटाले से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए सावरकर पर साधा जा रहा निशाना: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बी.वाई विजयेंद्र ने कांग्रेस सरकार पर मुदा घोटाले से जनता का ध्यान भटकाने के लिए हिंदुत्व विचारक विनायक दामोदर सावरकर को निशाना बनाने का आरोप लगाया है। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडुराव ने कहा था कि सावरकर मांस खाते थे और वह गोहत्या के खिलाफ नहीं थे। जिसके बाद विजयेन्द्र ने कहा कि सत्ता की भूखी कांग्रेस सरकार ने जनता का ध्यान भटकाने के लिए भारत की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले देशभक्त वीर सावरकर को शर्मनाक ढंग से निशाना बनाया है। मुडा में अपने भ्रष्टाचार के बारे में जनता को गुमराह करने की यह बेताब रणनीति अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा कि भाजपा तब तक संघर्ष करेगी जब तक कांग्रेस के भ्रष्ट नेताओं को जवाबदेह नहीं बनाया जाता। यह न केवल सावरकर पर हमला है, बल्कि हमारे देश के बलिदान का सम्मान करने वाले हर भारतीय का अपमान है। जैसा कि वीर सावरकर ने स्वयं कहा था, आजादी कभी दी नहीं जाती, हमेशा ली जाती है। कोई भी झूठ या भ्रम सच को नहीं छिपाएगा और हम तब तक लड़ेंगे जब तक आपके भ्रष्ट नेताओं को जवाबदेह नहीं ठहराया जाता। इससे पहले कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने बुधवार को कहा था कि विनायक सावरकार की कट्टरपंथी विचारधारा भारतीय संस्कृति से काफी अलग थी। भले ही वह राष्ट्रवादी थे। मगर, देश में सावरकर के तर्क की नहीं बल्कि महात्मा गांधी की जीत होनी चाहिए। एक किताब के विमोचन के मौके पर राव ने कहा अगर हम चर्चा के जरिए कह सकते हैं कि सावरकर जीत गए हैं, तो यह सही नहीं है। वह एक मांसाहारी थे और वह गोहत्या के खिलाफ नहीं थे। वह एक चितपावन ब्राह्मण थे। सावरकर इस तरह से आधुनिकतावादी थे, लेकिन उनकी मौलिक सोच अलग थी। कुछ लोगों ने कहा कि वह बीफ खाते थे। वह खुलेआम बीफ खाने का प्रचार कर रहे थे इसलिए यह सोच अलग है। मगर, गांधी हिंदू धर्म में बहुत विश्वास रखते थे और उसमें रूढ़िवादी थे, लेकिन उनके कार्य अलग थे क्योंकि वह उस तरह से लोकतांत्रिक थे। उन्होंने मोहम्मद अली जिन्ना पर भी निशाना साधा। कहा कि जिन्ना कट्टर इस्लामी होने के बावजूद सूअर का मांस खाते थे। उन्होंने यह भी कहा कि जिन्ना एक कट्टरपंथी नहीं थे और सिर्फ सरकार में एक उच्च पद पर रहना चाहते थे और एक अलग देश का भी आह्वान किया था। साथ ही उन्होंने दोहराया कि आरएसएस, हिंदू महासभा और अन्य दक्षिणपंथी समूह कट्टरवाद को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहे हैं और लोगों को इसे समझने के लिए सामाजिक और राजनीतिक रूप से जागरूक होने की जरूरत है।

राज्य भर में अगले दो दिनों तक भारी बारिश की संभावना

दक्षिणी भीतरी इलाकों में येलो अलर्ट घोषित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के विभिन्न हिस्सों में अगले दो दिनों तक भारी बारिश का अनुमान है। मौसम विभाग ने राज्य के अंदरूनी हिस्सों में भारी बारिश की भविष्यवाणी के बाद येलो अलर्ट की घोषणा की है। तटीय और पहाड़ी जिलों में मध्यम वर्षा जारी रहेगी। राज्य के अधिकांश उत्तरी और दक्षिणी आंतरिक जिलों में छिटपुट मध्यम से भारी बारिश होने की संभावना है, जबकि कुछ स्थानों पर छिटपुट बारिश होने की संभावना है। पिछले तीन-चार दिनों से राज्य में विभिन्न स्थानों पर छिटपुट बारिश हो रही है। गुरुवार को भी राज्य के अधिकांश जिलों में मध्यम बारिश हुई। बागलकोट जिले के बादामी तालुक के मुश्तीघेरी में सबसे अधिक 85.5 मिमी बारिश हुई। राजधानी बेंगलूरु में भी हल्की से मध्यम बारिश हुई, जबकि दशरहल्ली क्षेत्र में बगलगुंटे में 15 मिमी बारिश हुई। हालांकि राज्य में बारिश ठीक हो गई है, लेकिन बारिश की कमी ही एकमात्र समस्या है। सितंबर की तरह अक्टूबर में भी बारिश की कमी रही। पिछले एक सप्ताह से सामान्य बारिश नहीं हुई है। सितंबर में भी बारिश सामान्य से कम हुई और कई जिलों में मानसून सीजन की विभिन्न फसलें नमी के अभाव में सूख रही हैं। हालांकि उम्मीद के मुताबिक बारिश नहीं हो रही है। स्थानीय मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, शाम और रात में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और हल्की से मध्यम बारिश होगी। कुछ स्थानों पर बिजली और गरज के साथ बारिश की भी संभावना है।

जाति जनगणना रिपोर्ट पर जल्दबाजी में कोई फैसला ना ले सरकार: डीके सुरेश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व सांसद डीके सुरेश ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा कराए गए सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक सर्वेक्षण रिपोर्ट को लेकर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को सतर्क कदम उठाना चाहिए। राष्ट्रीय स्तर पर जनगणना होने तक पिछड़ा वर्ग के स्थायी आयोग की रिपोर्ट पर कोई निर्णय नहीं लिया जाना चाहिए। शहर में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने इस संबंध में अहम बयान दिया। राज्य सरकार के पिछड़ा वर्ग पर स्थायी आयोग द्वारा किए गए सर्वेक्षण रिपोर्ट को उजागर करने और स्वीकार करने के लिए दबाव बढ़ गया है। डीके सुरेश के बयान पर उस समय व्यापक बहस हुई, जब जाति जनगणना नामक सर्वेक्षण रिपोर्ट पर अगली कैबिनेट में चर्चा करने की स्थिति बन गई। डीके सुरेश ने कहा केंद्र सरकार पहले ही जनगणना की घोषणा कर चुकी है। हम यह देखने का इंतजार कर रहे हैं कि इसके लिए किस तरह के मानक लागू किये जा रहे हैं। अधिकांश जाति जनगणना को केंद्र सरकार द्वारा अपनाए जाने की संभावना है। यदि वहां जातीय जनगणना कराई जाए तो राष्ट्रीय स्तर पर आंकड़े जुटाए जाएंगे। सारे भ्रम दूर हो जायेंगे। साथ ही राष्ट्रीय स्तर की सर्वे रिपोर्ट को सरकारी मान्यता भी मिलेगी। राज्य स्तर पर कराए गए सर्वे को मान्यता दिलाने के लिए संघर्ष करना होगा। इस पृष्ठभूमि में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को सतर्क कदम उठाना होगा। राष्ट्रीय स्तर की जनगणना एक साल में पूरी होने की संभावना है और तब तक इंतजार करने की सलाह दी जाती है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया हमारे नेता हैं। हमारी इच्छा है कि वह अगले पांच साल तक मुख्यमंत्री बने रहें। उन्होंने कहा कि उन्हें जल्द से जल्द उन पर लगे आरोपों से मुक्त किया जाना चाहिए। जेडीएस विधायक जीटी देवेगौड़ा का मैसूरु में दिया गया बयान सही है। भाजपा सरकार के दौरान मुडा ने जमीन दी थी। सभी पार्टियों के नेता लाभार्थी हैं। इस पर बेवजह चर्चा करने की जरूरत नहीं है। जेडीएस नेताओं ने जो किया है, उसे जीटी देवेगौड़ा ने लोगों के सामने पेश किया है। उन्होंने कहा कि हम पार्टी में हैं इसलिए सब कुछ सहने की जरूरत नहीं है। विधायक मुनिरत्ना के मामले ने कर्नाटक का चेहरा खराब कर दिया है। ऐसी चर्चाएं अच्छी नहीं हैं। अनावश्यक विवादों से राज्य की गरिमा को नुकसान पहुंच रहा है। चर्चाएं इसलिए बढ़ रही हैं क्योंकि हर किसी को खबरों में रहना है। उन्होंने कहा कि राज्य हित में सकारात्मक चर्चा बढ़नी चाहिए। उन्होंने कहा लोगों ने बेंगलूरु ग्रामीण लोकसभा चुनाव में मुझे हराने और आराम करने की सलाह दी। मैं उसी के अनुसार कार्य कर रहा हूं। मैं चन्नपट्टना विधानसभा चुनाव में कोई महत्वाकांक्षी उम्मीदवार नहीं हूं। उन्होंने कहा कि उपचुनाव की घोषणा के बाद हमारी पार्टी के उम्मीदवार की घोषणा की जायेगी। उन्हें बेंगलूरु ग्रामीण सीट से सांसद के बारे में कोई जानकारी नहीं है। दूसरे लोगों के बारे में जानकारी हासिल करना मेरा काम नहीं है। मुझे अपने खुद के काम करने हैं। उन्होंने कहा कि वह इसमें शामिल थे।

जेल आतिथ्य मामला : अंतरिम रिपोर्ट कमिश्नर को सौंपी गई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण पूर्व डिवीजन के डीसीपी ने शहर के पुलिस आयुक्त को एक अंतरिम रिपोर्ट सौंपी है, जिन्होंने अग्रहारा जेल में अभिनेता दर्शन और राउडी विल्सन गार्डन नागा और अन्य को कथित शाही आतिथ्य की जांच की है। जांच में पता चला कि जेल के कुछ अधिकारियों और कर्मचारियों ने पैसे के लालच में उन्हें शाही सत्कार दिया था। जब अभिनेता दर्शन रेणुकास्वामी हत्या मामले में परप्पाना अग्रहारा जेल में बंद थे, तब जेल के बैरक के अगले परिसर में एक कुर्सी पर बैठे, कॉफी पीते और विल्सन गार्डन नागा और अन्य लोगों के साथ बातचीत करते हुए तस्वीरें सामने आई थी।

सरकार ने इसे गंभीरता से लिया और जांच के आदेश दिए थे। इस संबंध में अग्रहारा पुलिस स्टेशन में तीन एफआईआर भी दर्ज की गई। इनमें से एक मामले की जांच एसीपी द्वारा की गई थी और अन्य दो मामलों की जांच इंस्पेक्टरों द्वारा की गई थी।

अधिकारियों और कर्मचारियों से पूछताछ कर बयान लिए गए थे। अब पता चला है कि डीसीपी ने वह रिपोर्ट कमिश्नर को दे दी है, जिसके बाद जांच जारी रखने वाले एसीपी और इंस्पेक्टर जल्द ही इन मामलों के संबंध में चार्जशीट दाखिल करेंगे।

गांजा तस्करी के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर की अपराध शाखा (सीसीबी) पुलिस ने एक सफल अभियान में प्रतिबंधित मादक पदार्थ गांजा के परिवहन और बिक्री में शामिल एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने अभियान के दौरान 4 किलोग्राम गांजा जब्त किया। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान अबुताहिर उर्फ अनवर (25) के रूप में हुई है, जो बेलटांगडी तालुक के कुक्केडी गांव में गोलियांगडी हाउस का निवासी है। गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए, सीसीबी पुलिस ने उसे कंकनाडी टाउन पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र के तहत पडिल क्षेत्र में उस समय गिरफ्तार किया, जब वह दोपहिया वाहन पर अवैध रूप से मादक पदार्थ ले जा रहा था। पुलिस ने 1 लाख रुपये मूल्य का 4 किलोग्राम गांजा, दोपहिया वाहन और एक मोबाइल फोन जब्त किया। जब्त माल की अनुमानित कुल कीमत करीब 1.75 लाख रुपये है। कंकनाडी टाउन पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। इस अभियान का नेतृत्व सीसीबी एसीपी मनोज कुमार नाइक ने किया, जिसमें इंस्पेक्टर श्याम सुंदर एच एम, पीएसआई नरेंद्र, एएसआई मोहन के बी, अधिकारी राम पुजारी और सुजान शेट्टी के साथ-साथ सीसीबी स्टाफ भी शामिल था।

स्थानांतरण मांगने आयुक्त कार्यालय न आएं अधिकारी व कर्मचारी: बी दयानंद

अधिकारी व कर्मचारी बेहतर कार्य करें

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के पुलिस आयुक्त दयानंद ने चेतावनी दी है कि स्थानांतरण की मांग करते हुए सीधे आयुक्त कार्यालय आने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। अडुगोडी के सीएआर परेड ग्राउंड में आयोजित मासिक परेड में सलामी लेते हुए उन्होंने कहा हम साल के आखिरी चरण में आ गए हैं। हालांकि, कुछ अधिकारी व कर्मचारी तबादले के लिए अनुरोध पत्र लेकर आयुक्त कार्यालय आ रहे हैं। आयुक्त कार्यालय में काम नहीं हो पा रहा है, क्योंकि स्थानांतरण के लिए अपेक्षा से अधिक संख्या में लोग आ रहे हैं। साल खत्म होने में सिर्फ तीन महीने बचे हैं। परिषद के माध्यम से पदोन्नति-स्थानांतरण पहले ही हो चुका है। हालांकि, यह उचित नहीं है कि कुछ लोग उसी स्टेशन पर या किसी अन्य स्थान पर स्थानांतरण के लिए आ रहे हैं। उन्होंने कहा अगर ऐसी कोई समस्या है तो अपने अपर पुलिस आयुक्त और पुलिस उपायुक्त का अनुशंसा पत्र लेकर भेजें, हम इसकी जांच करेंगे और उपयुक्त पाए जाने पर स्थानांतरण कर देंगे। कुछ स्टेशनों पर कहा जा रहा है कि स्टाफ को टीए-डीए नहीं दिया जा रहा है। ऐसा नहीं किया जाना चाहिए। जांचें कि दल किस ड्यूटी पर गया था। या तो वे हिरासत में हैं या आपराधिक मामलों के आरोपियों का पता लगाने गए हैं। उन सभी पर विचार करें और स्टाफ को समय पर टीए-डीए दें। उन्होंने कहा कि इस बारे में उनकी एसीपी और डीसीपी से बात हो चुकी है। हमने साल की शुरुआत में संपत्ति मामले का पता लगाने के लिए कहा था।

अब आप साल के अंत तक पहुंच गए हैं। हमने पहले ही कई संपत्ति मामलों, वाहन चोरी के मामलों का पता लगाया है, आरोपियों को गिरफ्तार किया है और चोरी का सामान बरामद किया है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में अपनी ड्यूटी अच्छे से निभाएं और विभाग का नाम रोशन करें। हाल के दिनों में, यह देखा गया है कि कर्मचारी शिकायतों के साथ स्टेशनों पर आने वाली जनता के प्रति विनम्र हो रहे हैं और उनकी दुर्दशा पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। आयुक्त ने कर्मचारियों को इसी तरह अपने कर्तव्यों का पालन करने और जनता की प्रशंसा अर्जित करने के लिए प्रोत्साहित किया। अच्छे कार्य के लिए अधिकारियों व कर्मचारियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह दूसरों के लिए उदाहरण होना चाहिए। दशहरा शुरू हो चुका है और अगले कुछ दिनों में दिवाली का त्योहार आने वाला है। साल खत्म होने में अब केवल तीन महीने बचे हैं। अधिकारी व कर्मचारी बेहतर कार्य करें। अपराधों को रोका जाए। कमिश्नर ने कहा कि यातायात व्यवस्था बनाये रखें।

सड़क दुर्घटना में घायल युवक की मौत

दक्षिण कन्नड़/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के बंटवाल में स्थित साजिपा मुन्नूर गांव के मरनाबेलू में मेलकर-मुदिपु राज्य राजमार्ग पर दो दोपहिया वाहनों की टक्कर में गंभीर रूप से घायल हुए स्कूटर सवार की मौत हो गई। दुर्घटना बुधवार को हुई थी और सवार की गुरुवार शाम को अस्पताल में मौत हो गई।

मृतक की पहचान बारीमारू निवासी सरफाज (33) के रूप में हुई है। उसके पीछे बैठी 18 वर्षीय छात्रा जैस्मीन भी दुर्घटना में घायल हो गई और फिलहाल अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। सरफाज अपनी बहन जैस्मीन को स्कूटर पर लेकर डेरालाकाटे स्थित उसके कॉलेज जा रहा था, जब वे मेलकर-मुदिपु रोड से मरनाबेलू पहुंचे। उस समय, इम्तियाज नामक व्यक्ति द्वारा लापरवाही से चलाई जा रही एक बाइक उनकी गाड़ी से टकरा गई। टक्कर के बल के कारण, सरफाज और जैस्मीन दोनों स्कूटर से उछलकर गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस सूत्रों के अनुसार उन्हें तुरंत मेंगलूरु के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया, लेकिन मेडिकल टीम के प्रयासों के बावजूद, सरफाज ने दम तोड़ दिया। मेलकर ट्रैफिक सब-इंस्पेक्टर सुथेश ने आगे की जांच करने के लिए दुर्घटना स्थल का दौरा किया।

बेंगलूरु के कॉलेज को बम से उड़ाने की मिली धमकी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलुरु के तीन प्रमुख कॉलेजों- बीएमएस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, बसवनगुडी में बेंगलूरु इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और सदाशिवनगर में एमएस रामैया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी को शुक्रवार दोपहर 1 बजे के आसपास ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली। सितंबर में बेंगलूरु के अशोक नगर इलाके में सैनिक स्कूल को भी इसी तरह की बम से उड़ाने की धमकी वाला ईमेल भेजा गया था। हालांकि, तलाशी अभियान के दौरान कोई बम नहीं मिला। रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस कर्मी तीनों कॉलेजों को भेजे गए बम से उड़ाने की धमकी वाले मेल के स्रोत का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण प्रभाग) लोकेश बी जगलासर ने कहा हनुमंत नगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। छात्रों के रिश्तेदार, दोस्त और परिवार के लोग तीनों परिसरों के बाहर बड़ी संख्या में एकत्र हुए। सुरक्षा उपाय बढ़ा दिए गए हैं। हाल ही में मई में, बेंगलूरु के आठ स्कूलों को इसी तरह के बम की धमकी वाले ईमेल मिले। 12.20 बजे भेजे गए ईमेल में दावा किया गया था कि स्कूल की इमारतों में बम रखे गए हैं। कोर्ट नामक एक समूह से धमकी भरे ईमेल भेजे गए थे। स्कूल प्रशासन ने धमकी मिलने पर तुरंत पुलिस को सतर्क कर दिया। बम का पता लगाने और निपटान करने वाले दस्तों को तुरंत प्रभावित स्कूलों में भेजा गया, जिनमें बेंगलूरु स्कॉटिश स्कूल, भवन बेंगलूरु स्कूल, जैन हेरिटेज स्कूल, दीक्षा हाई स्कूल, एडिफाई स्कूल, चित्रकूट स्कूल, गंगोत्री इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल और गिरिधन्वा स्कूल शामिल थे। इन धमकियों का स्रोत उसी डोमेन बीबल डॉट कॉम से जुड़ा हुआ था, जो पहले 1 दिसंबर को 68 स्कूलों को भेजी गई बम धमकियों से जुड़ा था। इस घटना ने पूरे शहर में तनाव पैदा कर दिया था। बेंगलूरु के ताज वेस्ट एंड होटल को 28 सितंबर को ईमेल के जरिए बम की झूठी धमकी मिली थी। 7 अगस्त को, बेंगलूरु क्लब, लावेल रोड को भी बम की झूठी धमकी वाला मेल मिला, जिसके बाद एक एफआईआर दर्ज की गई। मेल में कई असंबंधित विषयों का उल्लेख था, जैसे कि तमिलनाडु की सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं के नाम।

दानी बने, पात्रता बढ़ाएं व इंद्रियों को वश में करें : राष्ट्रसंत

कृष्णगिरि/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री पार्श्व पद्मावती शक्तिपीठ तीर्थ धाम में नवरात्रि पर्व के मद्देनजर श्रीकृष्णगिरी शक्ति महोत्सव के तहत विश्व स्तरीय स्वर्ग तुल्य पंडाल में आयोजित श्रीमद् देवी भागवत महापुराण कथा के दूसरे दिन चित्रा नक्षत्र में जगत जननी पार्वती स्वरूपा देवी मां ब्रह्मचारिणी का विस्तार से वृतांत सुनाया गया। साथ ही संगीतमय भजन, स्तोत्र की व्याख्या, स्तुति वाचन भी गुंजायमान हुई। शक्तिपीठाधीपति, राष्ट्रसंत, पूज्य गुरुदेव डॉ वसंत विजय जी ने इस दौरान कहा कि इस सांसारिक जगत में व्यक्ति को सच्ची श्रद्धा व भक्ति के लिए स्वयं को तप से इंद्रियों को वश में करना होगा। साथ ही दान एवं पात्र तथा पात्रता को विस्तार से परिभाषित करते हुए उन्होंने दानी बनने व पात्रता बढ़ाने पर भी विशेष जोर दिया, तभी आपकी भी कीमत बनेगी यही नहीं धन, सुख, ऐश्वर्य, यश व कीर्ति भी बढ़ेगी। चित्रा नक्षत्र को सार्वभौमिक नक्षत्र बताते हुए डॉ वसंत विजय जी ने कहा कि सबका मंगल कर व अनन्य कृपा प्रदान करना चित्रा नक्षत्र का स्वभाव है। उन्होंने कहा कि मां पद्मावती के नाम में ही अनंत महिमा है, जो इस जन्म में समृद्धि तथा अगले भव में मोक्ष प्रदान करती है। उन्होंने बताया कि सुबह के सत्र में मां पद्मावती को केसर युक्त दूध से अभिषेक और शाम को हजार नामो व विविध वैदिक मंत्रों की गूंज से हवन यज्ञ में आहुतियों से सिद्ध विधान हो रहा है। ऐसे में कृष्णगिरी के पावन तीर्थ में मां की भक्ति करने वालों पर निश्चित रूप से दैवीयकृपा व दिव्य अनुभव का चमत्कारिक आशीर्वाद प्राप्त होगा। डॉ संकेश छाजेड़ ने बताया कि काशी के 80 प्रज्ञावान पंडितों के माध्यम से 36 कुंडीय हवन में महालक्ष्मी कार्य सिद्धि महायज्ञ में सिद्ध साधक पूज्य गुरुदेव डॉ वसंत विजय जी के श्रीमुख से गुप्त व शुद्ध बीज मन्त्रों से आहुतियां दी जा रही है।

दशहरा उत्सव के दौरान सिद्धरामैया द्वारा खुद का बचाव करना शर्मनाक: चलवाडी नारायणस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक भाजपा ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री सिद्धरामैया पर मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) मामले में खुद का बचाव करने के लिए दशहरा उत्सव के उद्घाटन के मंच का इस्तेमाल करने के लिए हमला बोला। विधान परिषद में विपक्ष के नेता और भाजपा के दलित चेहरे चलवाडी नारायणस्वामी ने मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कहा यह एक शर्मनाक कृत्य था। इसे मंचों का इस्तेमाल निजी राजनीतिक हितों को पूरा करने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा उत्सव गुरुवार को शुरू हुआ। इस अवसर का इस्तेमाल मैसूरु की भव्यता, मैसूरु के राजाओं के योगदान, राज्य के इतिहास को याद करने और देवी चामुंडी को श्रद्धांजलि देने के लिए किया जाना चाहिए था। लेकिन मुख्यमंत्री ने प्रशंसा प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए अपने आस-पास के लोगों को बरगलाया, जो राज्य के लोगों का अपमान है। उन्होंने लोटेगोलहल्ली भूमि मामले के संबंध में राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक को निशाना बनाने के लिए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करने के लिए कांग्रेस नेताओं गृह मंत्री जी. परमेश्वर, राजस्व मंत्री कृष्ण बायरे गौड़ा, पीडब्ल्यूडी मंत्री सतीश जारकीहोली और कानून मंत्री एच. के. पाटिल की निंदा की। उन्होंने कहा कि आपने चूहे को पकड़ने के लिए पहाड़ खोद दिया था। आप पुरानी, मृत कहानियों के आधार पर इस्तीफे क्यों मांग रहे हैं? आप मुडा मामले को किसी ऐसी चीज से जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं जो बहुत पहले खत्म हो चुकी है। उन्होंने आगे पूछा एक वरिष्ठ नेता के रूप में, क्या आपको इसकी जानकारी नहीं थी? दो अदालतों ने पहले ही मुडा मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं, और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) इसमें शामिल है। उन्होंने कहा आप साइट वापस करते हैं या नहीं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मुडा को साइट वापस नहीं लेनी चाहिए थी, खासकर जब मामला अदालत में है। केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी के खिलाफ आरोपों पर टिप्पणी करते हुए, नारायणस्वामी ने कहा कि कांग्रेस ने कुछ व्यक्तियों की प्रतिष्ठा को धूमिल करने का अभियान शुरू किया है। कांग्रेस एनडीए गठबंधन का हिस्सा भाजपा-जद-एस गठबंधन को निशाना बनाने के लिए एक टीम तैयार कर रही है। इसलिए, दोनों दलों के नेताओं को सावधान रहने की जरूरत है। कांग्रेस मंत्री दिनेश गुंडू राव की गोमांस संबंधी टिप्पणी पर नारायणस्वामी ने कहा वीर सावरकर देश में एक पूजनीय व्यक्ति हैं। ऐसे महान व्यक्तित्व के बारे में बोलने का आपको क्या अधिकार है? गुंडू राव को चुनौती देते हुए उन्होंने पूछा आपने इतिहास में कहां पढ़ा कि सावरकर ने मांस या गोमांस खाया था? हर कोई जानता है कि आप कौन हैं और आपका इतिहास क्या है। पूरा शिवाजीनगर जानता है कि आप क्या और कहां खाते हैं।

फ्रांस के राजदूत थिएरी मथौ ने कहा

फ्रांस और भारत के रणनीतिक संबंध बेहद मजबूत

नई दिल्ली, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत में फ्रांस के राजदूत थिएरी मथौ का कहना है कि रक्षा क्षेत्र में भारत और फ्रांस के संबंध असाधारण हैं। उन्होंने कहा कि जब बात रक्षा की आती है तो दोनों देशों के बीच काफी करीबी रणनीतिक संबंध हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच उच्च-स्तरीय, बहुआयामी और बहु-स्तरीय सैन्य संबंध हैं।

राजदूत ने फ्रांस और भारत के बीच रक्षा साझेदारी को गतिशील बताया और कहा, दोनों देश अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के डॉक्टरिन में रणनीतिक स्वायत्ता के विचार को प्रमुखता देते हैं। रणनीतिक स्वायत्ता का मतलब है कि हम

खुद स्थिति की समीक्षा करके उसके मुताबिक ही फैसले लेते हैं। साथ ही हम अपनी क्षमता के अनुसार ही सहयोगी का चुनाव करते हैं। मथौ ने कहा कि जनवरी 2024 में, रक्षा उपकरणों के सह-डिजाइनिंग, सह-विकास, सह-उत्पादन और हमारी आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने को प्राथमिकता देने के उद्देश्य से एक द्विपक्षीय रक्षा औद्योगिक रोडमैप का समर्थन किया गया था। तब से, हमारी रक्षा कंपनियों ने काफी प्रगति की है।

मथौ का बयान इस सवाल के जवाब में आया कि क्या दोनों देशों के बीच रक्षा क्षेत्र में कोई नया समझौता हुआ है। मथौ ने हाल ही में दोनों देशों की सेनाओं के बीच आयोजित द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास वरुण का भी उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि यह अभ्यास फ्रांस और भारत के बीच मजबूत समुद्री सहयोग का उदाहरण है, जो हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा और स्थिरता के लिए उनकी साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

गौरतलब है कि भारत और फ्रांस की नौसेनाओं के बीच साल 2001 में युद्धाभ्यास वरुण की शुरुआत हुई थी। यह युद्धाभ्यास दोनों देशों के रणनीतिक संबंधों की माना जाता है और पिछले कुछ वर्षों में दोनों सेनाओं के बीच अंतर-संचालन को बढ़ाने और सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान की दिशा में अहम प्रगति हुई है। फ्रांस के राजदूत ने कहा कि भारत-फ्रांस की साझेदारी रक्षा, उद्योग, जलवायु परिवर्तन के खिलाफ कार्रवाई, जैव विविधता और सांस्कृतिक आदान-प्रदान तक फैली हुई है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों के बीच 1998 में स्थापित रणनीतिक साझेदारी, पिछले 25 वर्षों में दोनों देशों में राजनीतिक बदलावों के बावजूद मजबूत हुई है।

महाराष्ट्र के डिप्टी स्पीकर मंत्रालय की तीसरी मंजिल से कूदे

जाल की वजह से बच गई जान

मुंबई, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के डिप्टी स्पीकर नरहरि झिरवाल मंत्रालय की तीसरी मंजिल से कूद गए। हालांकि मंत्रालय में लगे जाल की वजह से उनकी जान बच गई। झिरवाल धनगर समाज को एसटी कोटे में शामिल किए जाने का विरोध कर रहे हैं।

नरहरी झिरवाल एनसीपी के विधायक हैं। घटना शुक्रवार को घटी, जब धनगर समाज को एसटी कोटे में आरक्षण देने के खिलाफ झिरवाल ने मंत्रालय की तीसरी मंजिल से छलांग लगा दी। हालांकि मंत्रालय में जाल लगा होने की वजह से वे जाल पर गिरे, जिससे उनकी जान बच गई। गौरतलब है कि महाराष्ट्र में धनगर समाज को अनुसूचित जनजाति वर्ग में शामिल करने की मांग की

जा रही है। हालांकि आदिवासी वर्ग के नेताओं द्वारा धनगर समाज की इस मांग का विरोध किया जा रहा है। बीते दिनों सुप्रीम कोर्ट ने भी धनगर समाज को अनुसूचित जनजाति वर्ग में शामिल करने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी थी। मंत्रालय में शुक्रवार को आदिवासी विधायक धनगर समुदाय को अनुसूचित जनजाति कोटे में आरक्षण देने के विरोध में प्रदर्शन कर रहे थे। इसी दौरान झिरवाल विरोध प्रदर्शन के दौरान ही तीसरी मंजिल से कूद गए। इसके बाद कुछ और विधायक भी नारेबाजी करते हुए सुरक्षा जाली पर उतर गए। हंगामा बढ़ता देख पुलिस मौके पर पहुंची और विरोध कर रहे विधायकों को सुरक्षा जाल से हटाया।

फिर खुली आम आदमी पार्टी की चारित्रिक असलियत

स्वाती को पीटने वाला बना सीएम मान का मुख्य सलाहकार

नई दिल्ली, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल को तत्कालीन सीएम अरविंद केजरीवाल की मौजूदगी में पीटने वाले विभव कुमार को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान का मुख्य सलाहकार बनाया गया है। विभव कुमार को नियुक्त करने के लिए बाकी सभी लोगों की छुट्टी कर दी गई है।

अरविंद केजरीवाल के पूर्व पीए विभव कुमार को गुपचुप तरीके से पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान का मुख्य सलाहकार नियुक्त कर दिया गया। यह वही विभव कुमार है, जिसे दिल्ली के मुख्यमंत्री आवास में स्वाति मालीवाल पर

हमला करने के मामले में जेल भेजा गया था। गुंडई करने वाले विभव कुमार को पंजाब के सीएम मान का मुख्य सलाहकार बनाए जाने पर कांग्रेस भी नाराज है। कांग्रेस के बड़े नेता सुखपाल सिंह खैरा ने कहा कि इसका मतलब है कि अरविंद केजरीवाल ने पंजाब को अपने कंट्रोल में ले लिया है। यह अत्यंत निंदनीय है। विभव कुमार की नियुक्ति के संबंध में पंजाब सरकार या आम आदमी पार्टी ने कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण जारी नहीं किया है।

जीपीएफ मामले में केंद्रीय कर्मियों को झटका

नहीं बढ़ी सामान्य भविष्य निधि पर ब्याज दर

नई दिल्ली, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने 2024-25 में एक अक्टूबर से 31 दिसंबर तिमाही के लिए सामान्य भविष्य निधि जीपीएफ पर मिलने वाले ब्याज की दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। पिछले पांच वर्षों से ब्याज दरें एक ही प्वाइंट पर अटकी हैं। इसे केंद्रीय कर्मियों के लिए झटका बताया जा रहा है। वित्त मंत्रालय के आर्थिक कार्य विभाग ने तीन अक्टूबर को जीपीएफ की ब्याज दरों की घो-षणा की है। इसमें कहा गया है कि इस तिमाही के लिए भी ब्याज की दर 7.1 फीसदी ही रहेगी। इससे पहले जुलाई-सितम्बर की तिमाही में भी जीपीएफ की ब्याज दर 7.1 फीसदी रही थी।

वित्त मंत्रालय के आर्थिक कार्य विभाग ने एक अक्टूबर से 31 दिसंबर तिमाही के दौरान जनरल प्रोविडेंट फंड और उससे मिलते जुलते अन्य प्रोविडेंट फंड के लिए ब्याज की दरें घोषित की हैं। सरकारी कर्मियों को इस बार एनडीए सरकार से जनरल प्रोविडेंट फंड की दरों में बदलाव किए जाने की उम्मीद थी, लेकिन वित्त मंत्रालय ने ब्याज की दरों में किसी तरह का कोई बदलाव नहीं किया है। लंबे समय से ब्याज दरों को स्थिर रखा गया है।

वर्ष 2021-22 के दौरान सामान्य भविष्य निधि तथा उसी प्रकार की अन्य निधियों के अभिदाताओं की कुल जमा रकमों पर दी जाने वाली ब्याज दर एक जुलाई 2021 से लेकर सितंबर 2021 तक 7.1 फीसदी रखी गई थी। आर्थिक कार्य विभाग के 19 अप्रैल 2021 को जारी संकल्प में भी सामान्य भविष्य निधि की राशि पर ब्याज दर 7.1 फीसदी तय की गई थी।

उस वक्त देश में कोरोना की दूसरी लहर ने अपना कहर बरपा रखा था। तब केंद्रीय कर्मियों का महंगाई भत्ता भी 18 माह से रोका गया था।

इसी वजह से कर्मियों को यह उम्मीद थी कि सरकार जीपीएफ की राशि पर मिलने वाले ब्याज की दरों में बढ़ोतरी करेगी, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हो सका। एक जुलाई 2020 से लेकर 30 सितंबर 2020 तक जीपीएफ पर मिलने वाले ब्याज की दर 7.1 फीसदी रखी गई थी।

ये दरें सामान्य भविष्य निधि (केंद्रीय सेवाएं), अंशदायी भविष्य निधि (भारत), अखिल भारतीय सेवा भविष्य निधि, राज्य रेलवे भविष्य निधि (रक्षा सेवाएं), भारतीय आयुद्ध विभाग भविष्य निधि, भारतीय आयुद्ध कारखाना कामगार भविष्य निधि, भारतीय नौसेना गोदी कामगार भविष्य निधि, रक्षा सेवा अधिकारी भविष्य निधि और सशस्त्र सेना कार्मिक भविष्य निधि पर लागू होती हैं। जीपीएफ में जमा कर्मियों की राशि पर बैंकों के मुकाबले ब्याज अधिक मिलता है, इसलिए बहुत से कर्मचारी अपना शेयर बढ़ा देते हैं। जीपीएफ में ज्यादा वेतन इसलिए कटवाया जाता था, ताकि कर्मचारी अपनी बड़ी जरूरत के समय इसका इस्तेमाल कर सकें।

कर्मचारी अपने जीपीएफ में से 90 फीसदी राशि निकाल सकते हैं।

हालांकि इस लेकर नियम-शर्तें बदलती रहती हैं। बच्चों की शिक्षा, शादी, घर बनाना या उसके लिए प्लाट खरीदना, फ्लैट लेना है, पुश्तैनी मकान की रिपेयर करानी है और घर का लोन चुकाना है, जैसे कामों में जीपीएफ राशि काम आ जाती है। दो वर्ष पहले केंद्र सरकार ने एक वित्त वर्ष में जनरल प्रोविडेंट फंड में वार्षिक योगदान की सीमा 5 लाख रुपए तय कर दी थी। नए प्रावधान के अनुसार, एक वित्त वर्ष में जीपीएफ खाते में जमा की गई कुल राशि पांच लाख रुपए से ज्यादा नहीं हो सकती है।

सपा नेता भाइयों पर दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज

बड़ा पूर्व विधायक, छोटा पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष

एटा, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)। एटा के थाना कोतवाली नगर में सपा नेता पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष जुगेंद्र सिंह यादव और उनके भाई पूर्व विधायक रामेश्वर सिंह पर दुष्कर्म की एक और रिपोर्ट दर्ज की गई है। नौकरी के बहाने बुलाकर महिला से दुष्कर्म करने का आरोप है।

थाना कोतवाली नगर में एक महिला ने बताया कि पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष जुगेंद्र सिंह यादव ने 4 जनवरी 2015 को जीटी रोड स्थित फार्म हाउस पर बुलाया। सुबह लगभग 8 जब वह वहां पहुंच गई तो जुगेंद्र सिंह भी पीछे से पहुंचे और उसके साथ छेड़छाड़ करते हुए दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। इसके बाद अलीगंज के पूर्व विधायक रामेश्वर सिंह यादव पहुंचे और उन्होंने भी दुष्कर्म किया।

उन्होंने बताया कि हाथ पैर दुपट्टे से बांध दिए और मुंह में कपड़ा ठूंस दिया। इनके जाने के बाद किसी तरह से वह कमरे से निकलकर नीचे आई तो वहां इनके परिवार के प्रमोद यादव और सुबोध यादव खड़े हुए थे।

जब उसने अपने साथ हुई घटना की जानकारी इनको दी। तो दोनों आग बबूला हो गए और गालियां देने लगे। इतना ही नहीं बुरी तरह से पीटते हुए कपड़े फाड़ दिए। किसी तरह से बचकर मैं अपने घर पहुंची। तब से लगातार भय के कारण मैं रिपोर्ट दर्ज नहीं करा पाई।

जम्मू कश्मीर में मनोनीत विधायकों के मुद्दे पर बवाल

जम्मू, 04 अक्टूबर (ब्यूरो)। जम्मू कश्मीर के राजनीतिक इतिहास में पहली बार, पांच मनोनीत विधान सभा सदस्य (विधायक) एक दशक के लंबे अंतराल के बाद नई सरकार के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रहे हैं पर उनके चयन की प्रक्रिया पर बवाल इसलिए पैदा हो गया है क्योंकि उप राज्यपाल नई विधानसभा गठन से पहले ही उनको मनोनीत करना चाहते हैं जिसका भाजपा को छोड़ सभी राजनीतिक दल विरोध कर रहे हैं।

जानकारी के लिए कश्मीरी विस्थापितों और पाकिस्तानी कब्जे वाले जम्मू कश्मीर के लोगों का प्रतिनिधित्व करने वाले इन विधायकों को निर्वाचित प्रतिनिधियों की तरह ही पूर्ण विधायी शक्तियां और विशेषाधिकार प्राप्त होंगे। इन पांच में से दो कश्मीरी विस्थापित सदस्य होंगे, एक महिला और एक पुरुष जबकि एक पीओजेके विस्थापित समुदाय का प्रतिनिधित्व करेगा।

इन समुदायों के प्रतिनिधित्व के मामले में यह एक मील का पत्थर होने का दावा किया जा रहा है क्योंकि विधानसभा में उनके शामिल होने की लंबे समय से मांग की जा रही है। इस नई व्यवस्था के साथ, जम्मू कश्मीर विधानसभा में पांच मनोनीत सदस्यों सहित 95 सदस्य हो जाएंगे, जिससे सरकार बनाने के लिए बहुमत की सीमा 48 सीटों तक बढ़ जाएगी। उपराज्यपाल गृह मंत्रालय की सलाह के आधार पर इन सदस्यों को नामित करेंगे। यह प्रक्रिया जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 में संशोधन के बाद शुरू हुई है, जिसे 26 जुलाई, 2023 को इन नामांकनों को पेश करने के लिए संशोधित किया गया था।

राजनीतिक विशेषज्ञों ने कहा कि यह प्रणाली पांडिचेरी की विधायी संरचना को दर्शाती है, जहाँ पहले से ही चार मनोनीत सदस्य मौजूद हैं। हालांकि, विधान परिषद के खात्मे के बाद जम्मू और कश्मीर में यह कदम उठाया गया है, और 8 अक्तूबर को मतगणना समाप्त होने के तुरंत बाद मनोनीत विधायकों का चयन किया जाएगा, और सरकार संभवतः 15 अक्टूबर तक बन जाएगी।

हालांकि दावा किया जा रहा है कि यह कश्मीरी प्रवासियों और पीओजेके विस्थापितों को शामिल कर इन समुदायों के अनूठे मुद्दों को संबोधित करने की दिशा में एक कदम होगा। कहा यह भी जा रहा है कि इस तरह के कदम से यह सुनिश्चित होगा कि 1990 में कश्मीर से आए विस्थापित कश्मीरियों की आवाज विधानसभा तक पहुंचेगी। संशोधन के साथ, रिपोर्टों के अनुसार, इन नई सीटों के लिए राजनीतिक नेताओं के बीच लॉबिंग तेज हो गई है। सूत्रों के अनुसार, भाजपा के दिग्गज नेताओं और पीओजेके क्षेत्र के प्रमुख नेताओं सहित कई प्रभावशाली हस्तियां नामांकन के लिए जोर लगा रही हैं।

एक वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि चुनाव परिणाम घोषित होते ही नामांकन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। उन्होंने कहा कि इन मनोनीत विधायकों को निर्वाचित विधायकों की तरह सभी अधिकार प्राप्त होंगे। नई सरकार में उनका समावेश सुनिश्चित करने के लिए प्रक्रिया जल्द ही शुरू होगी। पर इतना जरूर था कि उप राज्यपाल की इस कवायद का विरोध भी होने लगा था। कांग्रेस पार्टी ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी द्वारा नई सरकार के गठन से पहले उपराज्यपाल से विधानसभा में पांच नेताओं के नामांकन को सुरक्षित करने के प्रयास का कड़ा विरोध किया है। पार्टी ने कहा कि ऐसा कदम अलोकतांत्रिक और जनादेश के विपरीत है।

कांग्रेस पार्टी ने उपराज्यपाल से ऐसी कोई कार्रवाई करने से बचने का आग्रह किया है। नामांकन के बारे में मीडिया रिपोर्टों पर प्रतिक्रिया देते हुए जम्मू कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (जेकेपीसीसी) ने कहा कि इन पांच सदस्यों को नामित करने का अधिकार नवगठित सरकार के पास होना चाहिए। जेकेपीसीसी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और मुख्य प्रवक्ता रविंदर शर्मा ने कहा कि इस प्रक्रिया को दरकिनार करना लोकतांत्रिक सिद्धांतों को कमजोर करेगा और मतदाताओं की इच्छा के साथ विश्वासघात होगा। शर्मा कहते थे कि लोगों ने सरकार बनाने के लिए अपने प्रतिनिधियों को चुनने के लिए वोट दिया है। चुनाव में बहुमत हासिल करने वाली पार्टी को शासन करने का अवसर मिलना चाहिए।

शर्मा ने कहा, कांग्रेस पार्टी पाकिस्तानी कब्जे वाले जम्मू कश्मीर के शरणार्थियों, कश्मीरी पंडितों और अन्य अल्पसंख्यकों के लिए विधानसभा में सीटें आरक्षित करने के विचार का समर्थन करती है, लेकिन उसने चुनावी जनादेश को पलटने के लिए नामांकन प्रावधानों के दुरुपयोग के खिलाफ चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि लोगों की पसंद को कमजोर करने के लिए नामांकन का उपयोग करना घोर अन्याय होगा।

अमेठी हत्याकांड का हत्यारोपी चंदन गिरफ्तार,-मुकदमा दर्ज कराने की खुन्नस में अंजाम दी थी वारदात

लखनऊ , 04 अक्टूबर (एजेंसियां)। कंपोजिट स्कूल के शिक्षक सुनील कुमार, उनकी पत्नी और दो बेटियों की हत्या के आरोपी चंदन वर्मा को एसटीएफ ने शुक्रवार देर रात लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे से गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से घटना में इस्तेमाल की गई पिस्टल व बाइक भी बरामद हो गई है। पुलिस के अनुसार चंदन का शिक्षक की पत्नी से संबंध था। इसका सुनील ने विरोध किया और फिर 2018 में छेड़खानी व एससी-एसटी का मुकदमा दर्ज करा दिया। इसी से नाराज होकर उसने बृहस्पतिवार देर शाम पूरे परिवार की गोली मारकर हत्या कर दी।

एसटीएफ के सीओ ने बताया कि रायबरेली जिले के गदागंज क्षेत्र के सुदामापुर गांव निवासी शिक्षक सुनील कुमार और उनकी पत्नी पूनम भारती, बेटी सृष्टि व लाडो की बृहस्पतिवार देर शाम अमेठी के शिवरतनगंज क्षेत्र के अहोरवा भवानी कस्बे में किराए के मकान में गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। शिक्षक के पिता राम गोपाल ने

रायबरेली कोतवाली क्षेत्र के तेलियाकोट निवासी चंदन वर्मा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी। शुक्रवार देर रात एसटीएफ ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में चंदन ने बताया कि शिक्षक की पत्नी पूनम से उसका संबंध था। बाद रिश्ते बिगड़ गए तो पूरे परिवार की हत्या कर दी। शिक्षक की मां रामरति ने बताया कि बड़ा बेटा मुंबई से आ रहा है। उसके आने पर शनिवार को अंतिम संस्कार किया जाएगा। इस बीच बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स गांव में तैनात रही। क्षेत्राधिकार डलमऊ अरुण कुमार, नवहार उप जिलाधिकारी ऊंचाहार सिद्धार्थ चौधरी मौके पर डटे रहे। अमेठी सांसद केएल शर्मा ने शुक्रवार सुबह शिक्षक के पिता से सांसद राहुल गांधी की मोबाइल पर बात कराई। इस दौरान राहुल गांधी ने घटना पर शोक जताते हुए हर संभव मदद का आश्वासन दिया। गांव आकर परिवार से मिलने की बात कही। सांसद के एल शर्मा ने बताया कि पूर्व सांसद सोनिया गांधी ने भी घटना पर दुख जताया है। जल्द ही गांधी परिवार गांव पहुंचेगा।हत्यारोपी चंदन सिर्फ शिक्षक व उनकी पत्नी को ही नहीं परेशान बरता था, बल्कि शिक्षक के ससुराल वालों को भी धमकाता था। पोस्टमार्टम हाउस पहुंचीं शिक्षक की सास कृष्णावती ने बताया कि चंदन ने उनको भी धमकाया था। कहा था कि दर्ज मामले में सुलह करा दो। यदि सुलह नहीं कराया तो तुमको भी मार देंगे। उसने बदनाम करने की भी धमकी दी थी। चंदन ने सुनील कुमार को तीन गोलियां मारीं। एक गोली सिर व दूसरी सीने और तीसरी गोली पेट के पास लगी थी। दो गालियां शरीर को पार कर गई थीं, जबकि एक गोली रीढ़ की हड्डी में फंसी है। पत्नी पूनम भारती को दो गोलियां लगी थीं। एक गोली उसके पेट और दूसरी गोली सीने में लगी। दोनों बुलेट उसके शरीर में फंसी रहीं। बेटी सृष्टि को एक गोली सीने में बाईं ओर लग कर निकल गई थी।

छोटी बेटी लाडो के मुंह के पास गोली लगकर पार हो गई थी।

यूपी में रेल-जेहाद की एक और बड़ी साजिश

सब कुछ ठीक बताकर काट डाली गई थी पटरी

झांसी, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)। केरल एक्सप्रेस मामले की जांच में सामने आया कि पीडब्ल्यूआई ने जान बूझकर स्टेशन मास्टर को ट्रैक ठीक होने की एनओसी देकर केरल एक्सप्रेस दौड़ाई थी। ट्रेन जिस ट्रैक पर दौड़ रही थी, उसी ट्रैक को पीडब्ल्यूआई ने फिर से कटवा दिया था। गनीमत रही कि ड्राइवर ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन रोक दी, नहीं तो बड़ा हादसा हो जाता। रेल प्रशासन पीडब्ल्यूआई (पॉथवे इंस्पेक्टर) के विरुद्ध आपराधिक मुकदमा दर्ज कराने की तैयारी कर रहा है।

तिरुवनंतपुरम से नई दिल्ली जाने वाली केरल एक्सप्रेस के दैलवारा-ललितपुर के बीच टूटी पटरी से गुजरने के मामले में मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार सिन्हा ने जांच कमेटी गठित की थी। जांच में सामने आया कि पीडब्ल्यूआई ने रेल ट्रैक पैकिंग के लिए इंजीनियरिंग विभाग से डेढ़ घंटे का रेल ब्लॉक मांगा था। ब्लॉक मिलने के बाद काम हुआ और दोपहर 3.10 बजे सेक्शन इंजीनियर ने स्टेशन मास्टर को अनापत्ति पत्र जारी कर बताया कि ट्रैक मरम्मत के बाद ट्रेन संचालन के लिए तैयार है। इसके बाद स्टेशन मास्टर ने केरल एक्सप्रेस को दौड़ा दिया था। इसी बीच पीडब्ल्यूआई ने फिर से ट्रैक कटवा दिया।

बीते सोमवार यानी 30 सितंबर को तिरुवंतपुरम से चलकर नई दिल्ली जाने वाली केरला एक्सप्रेस बड़े हादसे का शिकार होने से बची थी। रेल प्रशासन की गलती के चलते ट्रेन को ललितपुर के पास टूटी पटरी पर दौड़ा दिया गया था। जांच में इसकी पुष्टि हुई है। ट्रैक पर काम कर रेलकर्मियों ने ट्रेन को रोकने के लिए लाल झंडी दिखाई लेकिन तब तक ट्रेन के तीन कोच टूटी पटरी से आगे निकल गए थे। ट्रेन के झांसी पहुंचने पर यात्रियों ने जमकर हंगामा किया था।

अपने निर्धारित समय से 10 घंटे की देरी से चल रही ट्रेन नंबर 12625 केरला एक्सप्रेस दोपहर 2 बजे बीना पहुंची थी। यहां दैलवारा से ललितपुर के बीच ट्रैक टूटे होने पर रेलकर्मी ट्रैक मरम्मत का कार्य कर रहे थे। इसी बीच केरला एक्सप्रेस तेज गति से वहां आ गई। यहां काम रहे रेलकर्मियों ने ट्रेन को लाल झंडी दिखाकर रोकने का प्रयास किया, लेकिन ट्रेन नहीं रुकी। इसके बाद रेलकर्मी ट्रैक छोड़कर भाग खड़े हुए थे।

जब ट्रेन के ड्राइवर की नजर लाल झंडी पर पड़ी तो उसने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर दिए थे। लेकिन तबतक ट्रेन के तीन कोच टूटी हुई पटरी से आगे निकल चुके थे। एकाएक लगे ब्रेक के चलते ट्रेन में जोरदार झटका लगा, जिससे यात्रियों में चीख पुकार मच गई थी। इसके बाद यात्रियों ने हंगामा करते हुए रेलवे के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी थी। गनीमत रही कि इस हादसे में किसी को नुकसान नहीं हुआ। लेकिन जब ट्रेन शाम 5 बजे झांसी पहुंची तो यहां यात्रियों ने रेल प्रशासन के विरुद्ध नारेबाजी की थी। मौके पर पहुंची आरपीएफ ने किसी तरह यात्रियों को समझा कर ट्रेन रवाना की गई थी।

300 रुपए देकर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पर पथराव कराने के आरोपी मोहम्मद हुसैन उर्फ शाहिद को आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने गिरफ्तार किया है। आगे की कार्रवाई के लिए शाहिद को रेलवे सुरक्षा बल की व्यासनगर यूनिट को सौंप दिया गया है। बीते 23 अगस्त को काशी-व्यास नगर रेलखंड से गुजरने वाली रांची-वाराणसी वंदे भारत एक्सप्रेस पर पथराव किया गया था। वंदे भारत ट्रेन में लगे सीसी कैमरे की फुटेज की मदद से चंदौली निवासी पवन कुमार साहनी को गिरफ्तार किया गया था।

एटीएस ने पवन से पूछताछ की तो पता लगा कि हुसैन ने उसे 300 रुपए देकर पथराव कराया था। पवन शराब पीने का आदी है। एटीएस की पूछताछ में हुसैन ने बताया कि उसका मकसद ट्रेन पर पथराव कर उसकी स्पीड कम करना रहता है। स्पीड कम होने पर गेट और खिड़की के पास बैठे यात्रियों से मोबाइल छीनने में आसानी होती है। हालांकि शाहिद के जवाब से एटीएस संतुष्ट नहीं है। उसका मोबाइल जांच के लिए एटीएस ने कब्जे में लिया है।

साईं मूर्तियों को गंगा में प्रवाहित करने का अभियान चलाने वाले

सनातन रक्षा दल के अध्यक्ष गिरफ्तार

वाराणसी, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी के मंदिरों से साईं की मूर्तियां हटाने वाले अजय शर्मा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। 2 अक्टूबर की रात 2 बजे अजय शर्मा को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

काशी के डीसीपी गौरव बंसवाल ने बताया कि सनातन रक्षक दल के प्रदेश अध्यक्ष अजय शर्मा को शांतिभंग के आरोप में हिरासत में लिया गया। चौक स्थित आनंदमई मंदिर के पुजारी ने चौक थाने में अजय शर्मा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। इसके बाद पुलिस ने धार्मिक परंपराओं, धार्मिक स्थलों या प्रतीकों के अपमान, शांतिभंग आदि के आरोपों में मुकदमा दर्ज करके अजय शर्मा को गिरफ्तार किया।

इसी आरोप में साईं भक्तों ने भी अजय शर्मा के खिलाफ सिगरा थाने में तहरीर दी है। इससे पहले शर्मा के घरवालों ने आरोप लगाया था कि रात 2 बजे मैदागिन चौराहे से नीली कार से आए कुछ युवक उसे उठा ले गए।

सनातन रक्षक दल ने 1 अक्टूबर को वाराणसी के 14 मंदिरों से साईं की मूर्तियां हटाई थीं। संस्थान का दावा है कि अभी 60 और मंदिरों की लिस्ट है। इधर, लखनऊ में भी अखिल भारतीय हिंदू महासभा ने मंदिरों से साईं मूर्तियों को हटाने की मांग की है। महासभा का कहना है कि मंदिरों में साईं मूर्तियों को स्थान नहीं दिया जाएगा। इस घटना के बाद महाराष्ट्र स्थित शिरडी साईं ट्रस्ट ने इस पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। शिरडी साईं ट्रस्ट का कहना है, हमने महाराष्ट्र सरकार से बात की है और उनसे कहा है कि यूपी सरकार से इस मसले पर बातचीत करे। मूर्तियां हटाने पर तत्काल रोक लगाई जाए। ऐसे कार्य से साईं भक्तों की भावना आहत हो रही है।

इस घटना से पहले अजय शर्मा ने कहा था कि काशी भगवान शिव की नगरी है। यहां साईं बाबा का कोई काम नहीं है। मूर्तियां हटाने का संकल्प 2 साल पहले लिया था। तभी अभियान का आगाज हुआ था। लोगों को जागरूक करने में इतना समय लगा। शर्मा ने कहा कि काशी खंड के सभी मंदिरों से साईं की मूर्तियों को हटाया जाएगा। अगर किसी को पूजा करनी है तो वह घर में करे। केंद्रीय ब्राह्मण सभा के विरोध के बाद मूर्तियां हटाई गई थीं, जिसमें साईं की पूजा को सनातन धर्म विरोधी बताया गया था। मूर्तियां हटाने से पहले संबंधित मंदिरों की सहमति ली गई है और उन्हें विधि-विधान से गंगा में विसर्जित किया जा रहा है। जिन प्रमुख मंदिरों से साईं की प्रतिमाएं हटाई गई हैं, उनमें बड़ा गणेश मंदिर, त्र्यंबकेश्वर मंदिर, अन्नपूर्णा मंदिर और पुरुषोत्तम मंदिर शामिल हैं।

रेशम कारीगरों और उद्यमियों को मिलेगा रेशम रत्न सम्मान

लखनऊ, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)। योगी सरकार के रेशम विभाग द्वारा वर्ष 2024-25 में रेशम उत्पादन और संबंधित क्षेत्रों में असाधारण योगदान देने वाले व्यक्तियों को पं. दीनदयाल उपाध्याय रेशम रत्न सम्मान प्रदान किया जाएगा। यह सम्मान 08 विभिन्न श्रेणियों में दिया जाएगा, जिसका उद्देश्य रेशम उद्योग में नवाचार, उत्पादन और डिजाइनिंग को प्रोत्साहन देना है।

रेशम क्षेत्र में उत्कृष्टता की पहचान करने और इसे बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह सम्मान उन व्यक्तियों को दिया जाएगा, जिन्होंने कोकून उत्पादन, रेशम फिनिश्ड प्रोडक्ट में नवाचार, सर्वोच्च कोया/धागा विक्रय, सर्वोच्च फिनिश्ड प्रोडक्ट विक्रय, रेशम निर्मित परिधान एवं अन्य उत्पाद में सर्वोत्तम डिजाइनिंग और लाइफटाइम एचीवमेंट जैसी श्रेणियों में उत्कृष्ट कार्य किया है।

उत्तर प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग मंत्री राकेश सचान ने बताया कि रेशम उद्योग प्रदेश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और इस सम्मान का उद्देश्य प्रदेश के उन कारीगरों और उद्यमियों को प्रोत्साहित करना है जो रेशम उद्योग में निरंतर सुधार और नवाचार कर रहे हैं।

हर श्रेणी में प्रथम पुरस्कार के रूप में 50,000 रूपए की नकद राशि और द्वितीय पुरस्कार के रूप में 25,000 रूपए की धनराशि दी जाएगी। साथ ही विजेताओं को प्रशस्ति पत्र और प्रतीक चिन्ह से सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में रेशम उद्योग से संबंधित रेशम-मित्र पत्रिका का विमोचन भी किया जाएगा। इसके साथ ही, रेशम-मित्र पोर्टल का शुभारंभ किया जाएगा, जो रेशम उत्पादन और व्यापार से जुड़े व्यक्तियों के लिए ज्ञान और संसाधनों का एक अनूठा मंच प्रदान करेगा। सम्मान के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और आवेदन की अंतिम तिथि 10 अक्टूबर, 2024 निर्धारित की गई है। इच्छुक प्रतिभागी अपने आवेदन पत्र रेशम निदेशालय, विश्वास खंड-3, गोमतीनगर, लखनऊ को भेज सकते हैं। आवेदन पत्र विभाग की वेबसाइट और रेशम मित्र पोर्टल पर उपलब्ध है।

यूपी में खरीफ फसल के सर्वे का 80 प्रतिशत काम पूरा

डिजिटल क्रॉप सर्वे में जौनपुर अव्वल गाजियाबाद दूसरे स्थान पर

लखनऊ, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूपी सरकार ने प्रदेश भर में बोई जाने वाली खरीफ (2024-25) की फसल के डिजिटल क्रॉप सर्वे का 80 प्रतिशत काम पूरा कर लिया है। प्रदेश के 84 हजार से अधिक राजस्व गांवों में शुरू किए गए डिजिटल क्रॉप सर्वे के तहत 47 हजार से अधिक गांवों में सर्वे का काम पूरा हो चुका है जबकि कुल साढ़े चार करोड़ से अधिक प्लॉट्स (गाटा संख्या) में बोई खरीफ की फसल के सर्वे का काम पूरा कर लिया गया है। यह कुल (साढ़े पांच करोड़ से अधिक) प्लॉट्स का 80 प्रतिशत है। इन कंप्लीट सर्वे में से 3 करोड़ से अधिक प्लॉट्स के सर्वे को मंजूरी भी मिल चुकी है, जो 82 प्रतिशत है। वहीं सर्वे में प्रदेश के टॉप टेन जिलों में जौनपुर अव्वल रहा है, जबकि दूसरे स्थान पर गाजियाबाद है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के किसानों की आय बढ़ाने एवं उनके खुशहाल जीवन के लिए फसलों के डिजिटल क्राप सर्वे का निर्णय लिया है। इसके तहत प्रदेश के 75 जिलों के 91,609 राजस्व गांव के 5,81,23,573 प्लॉट्स (गाटा संख्या) का डिजिटल मैप उपलब्ध कराया गया। ऐसे में योगी सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मिशन को विजन के रूप में आगे बढ़ा रही है।

इसके तहत योगी सरकार ने प्रदेश भर में खरीफ की फसल के डिजिटल क्रॉप सर्वे के निर्देश दिए थे।

सीएम योगी के निर्देश पर प्रदेश के 84,159 गांवों में सर्वे का काम शुरू किया गया। इसके सापेक्ष 2 अक्टूबर तक 47,098 राजस्व गांवों में सर्वे का काम पूरा हो चुका है, जो 52 प्रतिशत है। वहीं शेष राजस्व गांवों में सर्वे का काम युद्धस्तर पर चल रहा है।

खरीफ की फसल के डिजिटल क्रॉप सर्वे के तहत प्रदेश के टॉप टेन जिलों में जौनपुर ने पहला स्थान हासिल कर बाजी मारी है। जौनपुर को 17,33,553 प्लॉट्स (गाटा संख्या) के सर्वे का लक्ष्य दिया गया था, जिसके सापेक्ष 15,69,912 प्लॉट्स का सर्वे पूरा कर लिया गया है। गाजियाबाद दूसरे स्थान पर है।

गाजियाबाद को 1,45,688 प्लॉट्स (गाटा संख्या) के सर्वे का लक्ष्य दिया गया था, जिसके सापेक्ष 1,33,735 प्लॉट्स का सर्वे पूरा कर लिया गया है। अमरोहा तीसरे स्थान पर है। अमरोहा को 4,84,061 प्लॉट्स (गाटा संख्या) के सर्वे का लक्ष्य दिया गया था, जिसके सापेक्ष 4,01,698 प्लॉट्स का सर्वे पूरा कर लिया गया है। बस्ती चौथे स्थान पर है। बस्ती को 13,30,380 प्लॉट्स (गाटा संख्या) के सर्वे का लक्ष्य दिया गया था, जिसके सापेक्ष 11,31,704 प्लॉट्स का सर्वे पूरा कर लिया गया है। आजमगढ़ पांचवे स्थान पर है।

आजमगढ़ को 14,24,270 प्लॉट्स (गाटा संख्या) के सर्वे का लक्ष्य दिया गया था, जिसके सापेक्ष 13,58,149 प्लॉट्स का सर्वे पूरा कर लिया गया है। इसके अलावा हमीरपुर छठे, मैनपुरी सातवें, महोबा आठवें, गाजीपुर नौवें और शामली दसवें स्थान पर है।

छेड़छाड़ का केस करने पर पूरे परिवार को गोलियों से भून डाला

अमेठी, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)। छेड़छाड़ का मुकदमा दर्ज कराने पर एक शिक्षक, उसकी पत्नी और दो बच्चों की सरेशाम ताबड़तोड़ फायरिंग कर हत्या कर दी गई। बृहस्पतिवार शाम करीब सात बजे शिवरतनगंज थाना क्षेत्र में घर में घुसकर इस वारदात को अंजाम दिया गया जिसके बाद वहां सनसनी फैल गई। पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंच कर जांच की। शिवरतनगंज थाना क्षेत्र के अहोरवा भवानी कस्बे के मुख्य चौराहे पर किराए के मकान में शिक्षक सुनील कुमार (35) अपनी पत्नी, दो बच्चों के साथ रहते थे। सुनील पीएमश्री विद्यालय पन्हौना में सहायक अध्यापक थे। बृहस्पतिवार की शाम कुछ असलहाधारी लोग उनके आवास पर पहुंचे। बदमाशों ने सुनील कुमार को निशाना बनाते हुए फायरिंग कर दी। बचाव में आईं उनकी पत्नी व दो बच्चे भी गोली का शिकार हो गया। चारों जख्मियों को सीएचसी सिंहपुर ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने सबको मृत घोषित कर दिया। सूचना पर एसपी अनूप कुमार सिंह भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचा। एएसपी हरेंद्र प्रताप ने बताया कि गोलीकांड में

शिक्षक सुनील कुमार, उनकी पत्नी पूनम भारती (30) और दोनों बेटियों दृष्टि (6) और लाडो (2) की मौत हो गई। शिक्षक मूलत: रायबरेली के जगतपुर थानाक्षेत्र के सुदामापुरी के रहने वाले हैं। बीते 18 अगस्त को शिक्षक सुनील कुमार ने रायबरेली में ही चंदन वर्मा नामक युवक पर एससीएसटी के तहत छेड़छाड़ का केस दर्ज कराया था। पुलिस इसी बिंदु पर जांच कर रही है।

पुलिस की जांच में यही पता चला है कि रायबरेली कोतवाली में शिक्षक की पत्नी द्वारा दर्ज कराया गया मुकदमा ही घटना की मुख्य वजह है। 18 अगस्त को चंदन वर्मा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया था। उसके बाद से ही शिक्षक परिवार ने रायबरेली छोड़ शिवरतनगंज के अहोरवा भवानी गांव में अपना ठिकाना बनाया था। इससे पहले शिक्षक सुनील कुमार प्रतिदिन अपडाउन करते थे। सुनील के साथी शिक्षक पवन कुमार ने बताया कि सुनील पहले रायबरेली से आते जाते थे, लेकिन पिछले करीब तीन माह से वह परिवार सहित यहीं रहने लगे थे। माना जा रहा है कि मुकदमा दर्ज कराने के बाद खतरों को देखते हुए शिक्षक ने अहोरवा भवानी में रहना शुरू किया।

शिक्षक परिवार पर जब गोलियां चलाई गईं तो अंधेरा हो चुका था। बताया जाता है कि करीब सात बजे की घटना है। एकाएक कई राउंड फायरिंग हुई। लोग जब तक कुछ समझ पाए, तब तक हमलावर घटना अंजाम देकर निकल गए। कुछ लोगों का कहना है कि करीब 10 से 15 मिनट तक गोलियों की आवाज सुनाई दी। उसके बाद सन्नाटा पसर गया। जब पुलिस पहुंची तब पता चला कि इतनी बड़ी घटना हो गई। शिवरतनगंज के अहोरवा भवानी कस्बे में शिक्षक, उनकी पत्नी व दो मासूम बेटियों को मौत की नींद सुलाने वाले कातिलों ने अधाधुंध कई राउंड फायरिंग कर वाारदात अंजाम दी है। मौके से बरामद नौ खोखा व एक जिंदा कारतूस इसकी गवाही दे रही हैं। हालांकि हत्यारे कितने और किस वाहन से घटना अंजाम देने आए थे, इसके सिर्फ कयास लगाए जा रहे हैं। हत्यारे इतने शातिर निकले,कि वारदात की किसी को भनक तक नहीं लग पाई। पुलिस भी अभी हाथ मलती नजर आ रही है।

अहोरवा भवानी कस्बे के जिस मकान में शिक्षक परिवार रहता था। उसके आसपास कई दुकानें हैं। लेकिन कोई घटना को लेकर कोई कुछ बताने को तैयार नहीं है। पड़ोस में अमित मेडिकल स्टोर संचालित करने वाले राम मनोहन ने बताया कि उन्हें कुछ समझ में नहीं आया। गोलियों की आवाज सुनाई दी। तब वह चौकन्ना हुए। आसपास के लोग भी निकल आए। जिसके बाद इन लोगों ने पुलिस को सूचना दी।

दावा किया जा रहा है कि इस बीच ताबड़तोड़ फायरिंग हुई। जब पुलिस मौके पर पहुंची तब पता चला कि शिक्षक के परिवार को निशाना बना कर हमला किया गया है। कुछ लोगों ने बताया कि बाइक से कुछ लोग आए थे। वह संदिग्ध नजर आ रहे थे। लेकिन ज्यादा उनके बारे में कुछ पता नहीं चला। उसी के बाद यह घटना हुई है। दावा किया जा रहा है कि वारदात अंजाम देने में तीन से चार लोग हो सकते हैं। मौके से नौ कारतूस खोखा बरामद हुए हैं। एक जिंदा कारतूस भी मिला है। जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि वारदात अंजाम देने वाले तीन से अधिक हो सकते हैं।

किसान सम्मान निधि की 18वीं किस्त से यूपी के 2.25 करोड़ किसान लाभान्वित

लखनऊ, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को महाराष्ट्र के वेगॉल (वाशिम) में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में किसान सम्मान निधि की 18वीं किस्त जारी करेंगे। इससे उत्तर प्रदेश के 2,25,91,884 किसानों के खातों में कुल 4,985.49 करोड़ रुपए की धनराशि स्थानांतरित की जाएगी।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना ने किसानों की आर्थिक स्थिति को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। केंद्र और राज्य सरकार के समन्वय से उत्तर प्रदेश के किसान लगातार इस योजना का लाभ उठा रहे हैं, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो रही है और कृषि क्षेत्र में स्थिरता आ रही है।

उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने केंद्र सरकार की योजनाओं को तत्परता से लागू करते हुए शानदार प्रगति की है। प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने पत्रकारवार्ता में जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश में योजना की शुरुआत से लेकर जुलाई 2024 तक सभी 17 किस्तों के माध्यम से किसानों को अब तक कुल 74,492.71 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है। इस अवधि में राज्य के 2.76 करोड़ किसानों को कम से कम एक बार इस योजना का लाभ प्राप्त हुआ है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त का वितरण 18 जून 2024 को वाराणसी में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री द्वारा किया गया था। इस दौरान 2,14,55,237 किसानों को 4,831.10 करोड़ रुपए की धनराशि वितरित की गई थी। इसके साथ ही, जिन किसानों की किस्तें किसी कारणवश रुकी हुई थीं, उन्हें 46.70 करोड़ रुपए की राशि उनके डाटा सुधार के बाद दी गई थी।

पीएम किसान सम्मान निधि की 18वीं किस्त से पूरे देश के लगभग 9.51 करोड़ किसानों लाभांवित होंगे। 20,552 करोड़ रुपए की धनराशि सीधे किसानों के बैंक खातों में स्थानांतरित की जाएगी। प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना की शुरुआत दिसंबर 2018 में किसानों की आय में वृद्धि के उद्देश्य से की गई थी। इस योजना के तहत, किसानों को आर्थिक सहायता के रूप में हर चार महीने में 2,000 रुपए की किस्त दी जाती है, जिससे एक साल में उन्हें कुल 6,000 रुपए की सहायता प्राप्त होती है।

संपादकीय

सियासी फासलों का खेल

जहा फैसले नहीं होते, वहां सियासी होते हैं फासले। इन्हीं फैसलों के फासले गांधी जयंती के अवसर पर तब टकराए जब धर्मशाला में केंद्रीय सडक़ एवं परिवहन राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा और इसके बरअक्स हरियाणा चुनाव में हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने एक दूसरे की पोल खोली। अपनी बरवाला जनसभा में सुक्खू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हिमाचल की आर्थिक स्थिति पर शुरू की गई चर्चा पर स्पष्ट किया कि केंद्र ने प्राकृतिक आपदा पर जिस राज्य को फूटी कौड़ी नहीं दी, वहां असल में फैसलों का नहीं, फासलों का खेल है। यह जाहिर है कि डबल इंजन सरकारों की वकालत जब से हिमाचल में ढह गई, दिल्ली की निगाह प्रदेश को नजरअंदाज कर रही है। दूसरी ओर गांधी जयंती के ही दिन धर्मशाला पधारे केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा के पिटारे से भी फासलों का जिक्र निकला। पठानकोट-मंडी फोरलेन परियोजना में हो रही देरी पर कांगड़ा व मंडी के बीच दूरी कम नहीं हो रही, तो फासला मिटाने को निर्णायक कौन होगा। इतना ही नहीं, केंद्रीय मंत्री ने केंद्रीय विश्वविद्यालय के मुख्यालय धर्मशाला के प्रस्तावित कैंपस से देहरा परिसर में चल रहे निर्माण की दूरी पर प्रश्न उठाए, तो सारा पाठ्यक्रम सामने आ गया। जदरांगल परिसर सियासी फासलों का ऐसा उदाहरण है जो केवल एक पक्ष या एक सरकार नहीं, बल्कि राजनीतिक चरित्र का अति निर्लज्ज चेहरा है। यह कहानी है चेहरे और चरित्र के बीच बंटती सियासत की और विद्वेष की भावना में जीत और हार का चित्रण भी। अबकी केंद्रीय मंत्री मल्होत्रा पूछ रहे हैं क्योंकि पूछना आसान है, लेकिन यह दास्तान कई केंद्रीय मंत्रियों और हिमाचल के मंत्रियों व मुख्यमंत्रियों की है जो जदरांगल परिसर को खारिज करने की परिपाटी में प्रेम कुमार धूमल से शुरू होकर सुक्खू तक पहुंच जाती है। ऐसा भी नहीं कि संस्थान को गैरों ने चोट पहुंचाई, बल्कि जब किशन कपूर मंत्री व स्थानीय विधायक थे तो उन्होंने ही सर्वप्रथम 'दो इंच जमीन नहीं' का नारा देकर राजनीति को नचाया था। हैं कसूरवार इस प्रांगण में बहुत, तू तो बस इक मोहरा है। प्रश्न उठते हैं कि तत्कालीन मुख्यमंत्री ने देहरा को हमीरपुर संसदीय क्षेत्र की वजह से तरजीह दी या अब वर्तमान मुख्यमंत्री का 'सब तेरा' का वादा देहरा के पक्ष में काम कर रहा है। यह इसलिए भी कि धर्मशाला उपचुनाव में मुख्यमंत्री ने आचार संहिता के बाद जरदांगल को मोहलत में गारंटी दी थी। मल्होत्रा पूछ रहे हैं, तो यह भी बता दें कि पूरे खेल में अनुराग ठाकुर, स्मृति इरानी व जयराम ठाकुर की भूमिका कैसी रही। ऐसे में फासले मापने या गिनाने से क्या फर्क पड़ेगा। कम से कम मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह को स्थिति स्पष्ट करके कह देना चाहिए कि वह दो साल की उपलब्धियों में जदरांगल परिसर की बजाय देहरा की जमीन पर झंडे गाडऩा चाहते हैं। बेहतर होगा यहां के हिस्से में आए ढाई सौ करोड़ भी देहरा परिसर को रवाना किए जाएं ताकि कम से कम संस्थान अपनी आवारगी से तो बच जाए। रही बात जदरांगल की जमीन को लेकर, तो बेहतर यह होगा कि वहां पूर्व प्रस्तावित आई टी पार्क बना दिया जाए। आश्चर्य यह है कि हिमाचल की सबसे कठोर परीक्षाएं देकर भी केंद्रीय विश्वविद्यालय का जदरांगल परिसर फेल किया जाता रहा और आज भी हो रहा है। मामला यहां तक विकराल है कि देहरा की सियासी गोद में आश्रय लेने वाले पूर्व मंत्री रविंद्र सिंह रवि ने इस संस्थान की पैरवी में धर्मशाला और इसकी संभावना को ही लांछित कर दिया। तब किशन कपूर के कारण या हमीरपुर संसदीय क्षेत्र की वजह से जदरांगल अभिशप्त हुआ या अब कांग्रेस से छिटके और भाजपा में अटके विधायक सुधीर शर्मा के कारण यह परिसर लटक गया, शायद ही भोली, लेकिन आंदोलनरत जनता तथा राजनीतिक वादों पर विश्वास करने वाले लोग कभी समझ पाएंगे।

केंद्रीय सडक़ एवं परिवहन राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा और इसके बरअक्स हरियाणा चुनाव में हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने एक दूसरे की पोल खोली। अपनी बरवाला जनसभा में सुक्खू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हिमाचल की आर्थिक स्थिति पर शुरू की गई चर्चा पर स्पष्ट किया कि केंद्र ने प्राकृतिक आपदा पर जिस राज्य को फूटी कौड़ी नहीं दी, वहां असल में फैसलों का नहीं, फासलों का खेल है। यह जाहिर है कि डबल इंजन सरकारों की वकालत जब से हिमाचल में ढह गई, दिल्ली की निगाह प्रदेश को नजरअंदाज कर रही है। दूसरी ओर गांधी जयंती के ही दिन धर्मशाला पधारे केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा के पिटारे से भी फासलों का जिक्र निकला। पठानकोट-मंडी फोरलेन परियोजना में हो रही देरी पर कांगड़ा व मंडी के बीच दूरी कम नहीं हो रही, तो फासला मिटाने को निर्णायक कौन होगा। इतना ही नहीं, केंद्रीय मंत्री ने केंद्रीय विश्वविद्यालय के मुख्यालय धर्मशाला के प्रस्तावित कैंपस से देहरा परिसर में चल रहे निर्माण की दूरी पर प्रश्न उठाए, तो सारा पाठ्यक्रम सामने आ गया।

मणिपुर के उपद्रवियों के पास जम्मू-कश्मीर से दस गुना अधिक हथियार

...तो क्या कर रही है राज्य और केंद्र की सरकार?

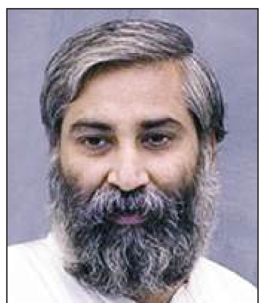

संदीप पांडेय
(मैगसेसे पुरस्कार विजेता)

मणिपुर में चल रहे मैतेई-कुकी संघर्ष में हिंसा कम होने का नाम नहीं ले रही है, यह चिंता का विषय है। दोनों समुदायों के बीच अलगाव और एक-दूसरे के प्रति पैदा हुई नफ़रत अभूतपूर्व है। मैतेई लोग मणिपुर को सड़क मार्ग से नहीं छोड़ सकते, क्योंकि नगालैंड के कोहिमा के रास्ते में अगला जिला उत्तर में कंगपोकपी है, जो कुकी बहुल इलाका है, जहां युवा कुकी पुरुष और महिलाएं जिले की सीमाओं की रखवाली कर रहे हैं और किसी भी मैतेई को राष्ट्रीय राजमार्ग से नहीं गुजरने देंगे। इसलिए, किसी भी मैतेई को मणिपुर छोड़ने के लिए हवाई मार्ग का इस्तेमाल करना पड़ता है। इसी तरह, मैतेई माताओं का संगठन मीरा पैबिस किसी भी कुकी को विपरीत दिशा से इम्फाल में प्रवेश नहीं करने देगा। इम्फाल से 60 किलोमीटर दक्षिण में चुराचांदपुर में रहने वाला कोई भी कुकी मिजोरम के ऐजवाल के रास्ते हवाई मार्ग से ही मणिपुर छोड़ सकता है, जो एक कठिन पहाड़ी सड़क पर एक दिन की ड्राइव है। कभी-कभी इसमें 17-20 घंटे तक लग सकते हैं। कल्पना कीजिए कि एक गर्भवती महिला इस मार्ग का उपयोग करती है। चूड़ाचांदपुर और ऐजवाल के बीच साप्ताहिक हेलीकॉप्टर सेवा है, लेकिन वह बहुत नियमित नहीं है। और कितने आम लोग यात्रा के इन महंगे तरीकों का उपयोग कर सकते हैं? स्पष्ट रूप से संविधान के तहत नागरिकों को देश में स्वतंत्र रूप से घूमने-फिरने के मौलिक अधिकार की गारंटी दी गई है, जिसका उल्लंघन किया जा रहा है। संघर्ष ने आम मैतेई और कुकी लोगों के जीवन पर भारी असर डाला है, जिनमें से कई राहत शिविरों में रह रहे हैं और अनिश्चित भविष्य का सामना कर रहे हैं।

एक बात जो सबसे अलग है, वह है मणिपुर और केंद्र सरकार की हिंसा को रोकने में विफलता। मैतेई और कुकी दोनों का कहना है कि अगर मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह हिंसा को नियंत्रित करना चाहते तो वे 3 मई, 2023 को शुरू होने वाले पहले दो दिनों के भीतर ऐसा कर सकते थे। एक सवाल यह है कि सरकार तब क्यों अनिच्छुक थी या अब भी क्यों है? मुख्यमंत्री ने नार्को-आतंकवाद और कुकी द्वारा लक्षित अफीम की खेती के बारे में चिंता जताई है। लेकिन केंद्र सरकार ने म्यांमार के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा पर या गुजरात के मुंद्रा बंदरगाह और पंजाब के पठानकोट में मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए क्या कार्रवाई की है। अगर मादक पदार्थों की तस्करी बंद हो जाती है तो जाहिर है अफीम की खेती भी बंद हो जाएगी। कई लोगों, यहां तक कि सत्ता प्रतिष्ठान के लोगों का भी मानना था कि लोकसभा चुनाव के बाद बीरेन सिंह को हटा दिया जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अगर यह विपक्षी पार्टी द्वारा संचालित राज्य होता, तो अब तक राष्ट्रपति शासन लागू हो चुका होता। पिछले साल 3 मई को हिंसा भड़कने के बाद से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करीब दो दर्जन देशों का दौरा कर चुके हैं, लेकिन उन्हें मणिपुर जाने का समय नहीं मिला। एक बार इसका जिक्र करने के अलावा, वह भी विपक्ष की लगातार मांग के बाद, उन्होंने मणिपुर पर अपने मन की बात कहना जरूरी नहीं समझा। हमें बताया गया है कि वह रूस और यूक्रेन के बीच शांति स्थापित करने में भूमिका निभा रहे हैं और दुनिया के कई नेता उनसे पहल करने का अनुरोध कर रहे हैं। शायद उनके पास फिलिस्तीन और इजरायल के नेतृत्व को देने के लिए कुछ सलाह भी हो। लेकिन मणिपुर के लोगों की लगातार आवाज उठाने के बावजूद उन्होंने मणिपुर के लिए वैसी चिंता नहीं दिखाई है, जो उनकी मंशा और मणिपुर की समस्या को नजरअंदाज करने के उनके कृपालु रवैये पर बड़ा सवालिया निशान लगाती है। वह या उनकी पार्टी के साथी इस बात का बखान करना नहीं छोड़ते कि अनुच्छेद 370 के हटने के बाद जम्मू-कश्मीर में उग्रवाद पर कैसे लगाम लगी है, लेकिन उन्हें उन उग्रवादियों की कोई परवाह नहीं है, जिनके पास जम्मू-कश्मीर से दस गुना ज्यादा हथियार हैं और जो मणिपुर में खुलेआम घूम रहे हैं और आम लोगों की जान को खतरे में डाल रहे हैं।

सुरक्षा प्रतिष्ठान लोगों को भ्रमित कर रहे हैं। हाल ही में मैतेई लोगों ने नागरिकों को सुरक्षा प्रदान न कर पाने के लिए सेना की भूमिका पर सवाल उठाए हैं और उन्हें हटाने की मांग की है। सबसे पहले मणिपुर के सुरक्षा सलाहकार ने सीएम कार्यालय से मिली जानकारी के आधार पर दावा किया कि अत्याधुनिक हथियारों के साथ 900 प्रशिक्षित कुकी उग्रवादी भारत में घुस आए हैं और फिर उन्होंने इसे वापस ले लिया। सीएम कार्यालय या सुरक्षा सलाहकार की ओर से इस तरह के बयान, खासकर तब जब सीएम लगातार सीमा पार से आने वाले अप्रवासियों पर जोर देते रहे हैं, जिससे राज्य की जनसांख्यिकी बदल रही है, लोगों के मन में केवल डर पैदा करने का काम करेंगे।

इससे सुरक्षा प्रतिष्ठान की भूमिका भी सवालों के घेरे में आ जाती है। सुरक्षा सलाहकार को एक असत्यापित खबर साझा करने के लिए जल्दबाजी में प्रेस कॉन्फ्रेंस करने की क्या जरूरत थी, जिसे वापस लेने और लोगों से यह कहने की कि किसी भी अफवाह और असत्यापित खबर पर विश्वास न करें? क्या कुकी उग्रवादियों की खबर इसलिए फैलाई जा रही थी ताकि लोग सेना की भूमिका पर सवाल न उठाएं और सीमा पार के उग्रवादियों से खुद को बचाने के लिए उसकी मौजूदगी को स्वीकार करें? सरकार को लोगों को सुरक्षित महसूस कराने के अपने मूल कर्तव्य को निभाने में लापरवाही बरतने के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए, जो संविधान के तहत जीवन के अधिकार के एक अन्य मौलिक अधिकार का उल्लंघन है। ऐसा लगता है कि मणिपुर में सरकार ने शासन की अपनी भूमिका त्याग दी है और संघर्ष में एक पक्ष बन गई है।

दोनों समुदायों के बीच संघर्ष को हल करने के लिए बातचीत की राजनीतिक प्रक्रिया आवश्यक होगी। क्या मैतेई को अनुसूचित जनजाति का दर्जा मिलेगा या कुकी को अलग प्रशासन मिलेगा, ये ऐसे सवाल हैं जिनका समाधान केंद्र सरकार को करना होगा। किसी भी तरह की बातचीत के लिए शांति बहाल करनी होगी। दोनों पक्षों को हिंसा खत्म करनी होगी। आम कुकी और मैतेई को शांति, न्याय और सम्मान के साथ जीने का अधिकार है और संविधान के तहत उनके मौलिक अधिकारों की रक्षा की जानी चाहिए। **(लेखक सोशलिस्ट पार्टी (इंडिया) के महासचिव भी हैं)**

दृष्टि कोण

आधुनिक युग में रामलीला की प्रासंगिकता

देवभूमि में रामलीला और रामायण देव-परम्परा देवभूमि हिमाचल प्रदेश की सबसे मूलभूत और सशक्त पहचान रही है। हमारे दैनिक जीवन, परम्पराओं, रीति-रिवाजों और जीवन मूल्यों पर देवी-देवताओं का गहरा प्रभाव देखने को मिलता है। वहीं, इन देवी-देवताओं की आस्था का अभिकेन्द्र भगवान रघुनाथ (भगवान श्रीराम) रहे हैं। जिस प्रकार से हिमाचली समाज देवी-देवताओं की आराधना करता है, उसी प्रकार से हमारे देवी-देवता भगवान रघुनाथ को अपना आराध्य देव मानते हैं। अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा में देवभूमि हिमाचल प्रदेश के देवी-देवता भगवान रघुनाथ के प्रति अपनी आस्था और श्रद्धा को अभिव्यक्त करते हैं। इस अवसर पर हर वर्ष भगवान रघुनाथ की एक भव्य शोभायात्रा निकाली जाती है। सभी देवता इसमें उपस्थित होकर भगवान रघुनाथ का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। सम्भवतः इसी कारण देवभूमि हिमाचल प्रदेश में रामलीला मंचन को लेकर विशेष आस्था और आकर्षण देखने को मिलते हैं। इस प्रकार, देव परम्परा के केंद्र में स्थित भगवान राम हिमाचल प्रदेश की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान का प्रमुख आधार हैं और उनके प्रति समर्पण रामलीला जैसे आयोजनों में स्पष्ट रूप से प्रकट होता है। तीन अक्तूबर से शारदीय नवरात्र शुरू हो गए हैं। इस दौरान हिमाचल प्रदेश के विभिन्न कस्बों और गांवों में रामलीला का मंचन भी प्रारम्भ होगा। इसमें भगवान श्रीराम की जीवन यात्रा का नाटकीय रूप से प्रस्तुतीकरण किया जाता है। रामलीला में स्थानीय कलाकार पारम्परिक वेशभूषा धारण करके रामायण के पात्रों को जीवंत करते हैं। इस लोक नाट्य रूप में मंचित रामलीला में गीत, संगीत, नृत्य और संवाद के माध्यम से भगवान राम की कथा का मंचन किया जाता है। यह रामलीला लोगों को भगवान राम के आदर्श जीवन की स्मृति दिलाती है और समाज को धर्म और मर्यादा का पालन करने की प्रेरणा देती है। इससे समाज में आपसी सद्भाव और धार्मिकता को बल मिलता है। इस प्रकार रामलीला का मंचन हिमाचल प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर को सजीव रखता है और देव समाज की धार्मिक आस्थाओं को मजबूत करता है। हिमाचल प्रदेश में रामलीला का मंचन केवल धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह सामाजिक समरसता और एकता का भी एक महत्त्वपूर्ण प्रतीक है। रामलीला की विशेषता यह है कि इसमें हर जाति, मत और वर्ग के लोग एक साथ मिलकर भाग लेते हैं। विभिन्न समुदायों से आने वाले लोग एक क्लब या समूह में शामिल होकर रामायण की कथा का सामूहिक मंचन करते हैं। इसमें किसी भी प्रकार का जातीय भेदभाव या सामाजिक असमानता नहीं होती, बल्कि सभी समान रूप से भगवान राम के आदर्शों और रामायण की शिक्षाओं को प्रस्तुत करने के लिए सहयोग करते हैं। इससे सामाजिक भेदभाव को समाप्त करने की दिशा में एक सकारात्मक प्रयास होता है। यह प्रक्रिया समाज में समानता और सहिष्णुता को प्रकट करती है, जिसमें सब लोग धर्म और संस्कृति के प्रति अपनी आस्था और समर्पण को साझा करते हैं। इससे समाज में सामाजिक एकता का संदेश प्रसारित होता है। इस प्रकार रामलीला हिमाचल प्रदेश में धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम होने के साथ-साथ सामाजिक समरसता का प्रतीक भी है, जो पूरे समाज को एकजुट रखने में सहायक है। रामलीला मंचन भारतीय संचार परम्परा की एक अनूठी एवं प्रभावशाली परम्परा है। मध्यकाल से ही भारत में रामलीला का मंचन होता आ रहा है। इसके बावजूद दर्शकों में इसके प्रति आकर्षण कभी कम नहीं हुआ है। हर वर्ष रामलीला मंचन की विषयवस्तु एक ही रहती है। दर्शकों को मालूम होता है कि किस समय कौनसा दृश्य आएगा। हर साल इसका कथानक और घटनाक्रम समान रहता है, फिर भी यह हर बार दर्शकों के लिए नई प्रेरणा और अनुभव लेकर आता है। यह दर्शाता है कि किस प्रकार भारतीय संचार परम्पराएं स्थायित्व और ताजगी के साथ पुनरावृत्ति में भी प्रभावी होती हैं। इस प्रकार रामलीला केवल धार्मिक नाटक भर नहीं है, बल्कि यह संवाद का एक जीवंत उदाहरण है, जिसमें समाज के हर वर्ग के लोग एकत्र होकर सांस्कृतिक अनुभव साझा करते हैं। हिमाचल प्रदेश में रामलीला मंचन की परम्परा निरंतर समृद्ध होती जा रही है। हर वर्ष नए क्लब खड़े हो रहे हैं। खास बात यह कि ये रामलीला क्लब और कार्यक्रम बिना किसी सरकारी प्रश्रय के आगे बढ़ रहे हैं।

कुछ अलग

ढाई आखर प्रेम का...

मैंने ढाई आखर (प्रेम) पढ़ लिया था, इसलिए बी.ए. अथवा एम.ए. करने की आवश्यकता ही नहीं रही। पिता जी ने अवश्य कहा -''बेटा पढ़ लेते तो ठीक रहता।'' मैंने कहा – ''पिता जी, मैंने प्रेम का ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अतः औपचारिक शिक्षा की मुझे जरूरत नहीं है।'' पिता जी बोले – ''नौकरी धंधे के लिए पढ़ा-लिखा होना जरूरी है।'' मैंने कहा – ''मैं बकौल कबीर ढाई आखर पढ़ कर पण्डित हो गया हूं। आप किसी प्रकार की चिंता न करें।'' यही बात मैंने प्रेम में बंधी अपनी नायिका से कही तो वह भी एक बार तो चकरा गई और बोली ''यह मैंने क्या कर लिया?'' मैंने कहा -''घबराओ नहीं, तुम्हारा निर्णय सौ फीसदी सही है। तुम्हारा चयन प्रश्न-चिन्ह लगाने लायक है ही नहीं।'' नायिका बोली -''मैंने पी.एच.डी. कर रखी है और तुम निपट गंवार। तुमने मुझे अंधेरे में रखा है। ढाई आखर से काम चल जाता तो मैं पी.एच.डी. क्यों करती? पता नहीं अब क्या होगा? मैं ठहरी एकानिष्ठ, पिता को पता चलेगा, तो वे मेरा पता नहीं क्या हाल करेंगे?'' मैं बोला- ''बहकी-बहकी बातें मत करो। मैंने बड़ी कठिनाई से ढाई आखर का पाठ पढ़ाया है, वरना तुम तो पढ़ाई में मशगूल थी।'' नायिका तमतमा रही थी, बोली- 'भले आदमी तुम मुझे बताते तो सही कि तुमने अनौपचारिक शिक्षा ग्रहण की है। बिना कमाए हम क्या कमाएंगे-खाएंगे? माफ करना अब यह ड्रामा आगे नहीं चल पाएगा।' ''इसे ड्रामा मत कहो प्रिय, मैं गोपाल काण्डा नहीं हूं। मैंने तुमसे जो वादे किए हैं, वे सब निभाऊंगा। तुम अपनी कसमों से मुकरो मत। प्रेम को इतना साधारण मत समझो। यह खुदा की इबादत के समान है।'' मैंने कहा तो नायिका और भडक़ उठी- ''तेल लेने गया तुम्हारा प्रेम। किसने पढ़ाया है तुम्हें यह प्रेम का पाठ?'' ''यह पाठ मैंने तुमसे ही सीखा है प्रिय! तुम बदल क्यों रही हो। ऐसा करो तुम्हारी नौकरी लगने के बाद शादी कर लेंगे।'' ''और तुम क्या करोगे?'' ''मैं सिर्फ प्रेम करूंगा तुमसे। मैंने केवल ढाई आखर पढ़ा है, इसलिए मुझे कोई नौकरी नहीं देगा। नौकरी का भार तो तुम्हारे कंधों पर ही रहेगा। मैं अपने होने वाले बच्चों को संभाल लूंगा।'' मेरे कथन पर नायिका भडक़ उठी- ''बच्चे और तुमसे? यह मुंह और मासूर की दाल। मैं अपनी गलती को ठीक करके तुम्हारे प्रेमपाश को त्यागती हूं।'' ''तुम ऐसा कैसे कर सकती हो? मेरा क्या होगा, तुम्हारे अलावा जमाने में मेरा और है भी कौन? जरा मेरी आंखों में देखो, उसमें तुम्हारे लिए कितना प्यार है?'' नायिका को लगा जैसे मैं कुछ ठीक कह रहा हूं। उसने मेरी आंखों में देखा और बोली- ''अरे तुम तो रो रहे हो? रोओ मत, ढाई आखर का पाठ बुरा नहीं है। चलो कमा मैं लूंगी और तुम मुझे ढेर सारा प्यार देना।'' मैं बोला- ''इतना प्यार कि तुम्हारी झोली छोटी पड़ जाएगी प्रिय। मैं वही करूंगा, जो तुम कहोगी।'' नायिका ने बढक़र मुझे गले से लगा लिया। ढाई आखर साकार होता देख मेरी आंखों से आंसू टपक पड़े। नायिका ने अपने हाथों से आंसू पोंछे और बोली- ''चलो हम अपने माता-पिता को अपनी मर्जी का करने की बात बताते हैं।'' मैं खुश हो गया। तभी मेरे पिता जी ने आकर प्रियतमा के सिर पर हाथ फेरा और कहा- ''घबराओ मत बेटी, तुम्हारे पिता से बात मैं करूंगा।'' हम दोनों पिता के पीछे-पीछे चल दिए। हम खुश थे।

देश दुनिया से

निस्तारण की व्यावहारिक योजना पर हो अमल

पराली जलाने से हुए प्रदूषण से निपटने के दावे हर साल किए जाते हैं, लेकिन आज तक इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकल सका है। यह समस्या हर साल और विकराल होती चली जा रही है। सरकारें इस बाबत तब होश में आती हैं जब इस समस्या के चलते वायु प्रदूषण में बेतहाशा बढ़ोतरी से लोगों का सांस लेना भी दूभर हो जाता है। पराली जलाने की घटनाओं में हुई कई गुणा बढ़ोतरी हालात की विकरालता का जीता-जागता सबूत है। धान की कटाई के रफ्तार पकड़ने के साथ ही पराली जलाने की घटनाओं में दैनंदिन होती बढ़ोतरी को खतरा माना जाना चाहिए। पराली जलाने से हर साल राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, उत्तर प्रदेश का पश्चिमी अंचल, हरियाणा, पंजाब और किसी हद तक राजस्थान का सीमांत क्षेत्र सितम्बर से दिसम्बर के आखिर तक भयावह स्तर तक प्रभावित रहता है। ये महीने इन क्षेत्र के लोगों के लिए मुसीबत बनकर आते हैं। इन राज्यों की सरकारों द्वारा इसे रोकने की दिशा में किए गये सारे प्रयास, अभियान और किसानों को जागरूक करने के सभी कदम बेमानी साबित हो जाते हैं। विडम्बना यह है कि यह सब तब होता है जबकि पराली जलाने पर पाबंदी है। सुप्रीम कोर्ट भी इस बाबत गंभीर चिंता जाहिर कर चुकी है कि यह कैसा प्रबंधन है कि प्रतिबंध के बावजूद राज्यों में पराली जलायी जा रही है। हालात इस बात के सबूत हैं कि दिल्ली एनसीआर में वायु गुणवत्ता प्रबंधन अधिनियम की अवहेलना हुई है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग इस पर नियंत्रण कायम करने में नाकाम रहा है। क्योंकि एक भी ऐसी मिसाल नहीं मिली है कि आयोग ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन अधिनियम के तहत एक भी दंडात्मक कार्रवाई की हो। हालात तो यही इशारा करते हैं कि पराली जलाने के खिलाफ निषेधात्मक निर्देश केवल कागजों तक ही सीमित रहे हैं। गौरतलब है कि राजधानी क्षेत्र में दुनिया के दस फीसदी अस्थमा से पीड़ित लोग रहते हैं। नतीजतन पहले से ही अस्थमा से परेशान लोगों के लिए बढ़ता वायु प्रदूषण जानलेवा बन जाता है। वैसे भी मौसम में आ रहे बदलाव के चलते प्रदूषण बढ़ रहा है। फिर वहीं, पराली जलाये जाने से पीएम के स्तर में बढ़ोतरी चिंताजनक है। बीते 5 सालों के आंकड़े बताते हैं कि पराली जलाने के 75 फीसदी मामले अकेले पंजाब में ही हुए हैं। इस बार पंजाब में धान की कटाई के बाद 200 लाख टन पराली बचेगी, जबकि राज्य का लक्ष्य 19.52 लाख टन पराली के प्रबंधन का ही है। जाहिर है शेष पराली प्रबंधन के अभाव में जलाई ही जायेगी। ऐसे हालात में एसोचेम का कहना सही है कि स्वच्छ पर्यावरण सुनिश्चित करना केन्द्र, राज्य, समाज और लोगों की संयुक्त जिम्मेदारी है। लेकिन इसमें हम विफल रहे हैं। खासतौर पर जब सर्दियों में आसमान धुंध और विषाक्त गैसों से घिरा होता है, के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे साल के लिए वायु प्रदूषण नियंत्रित करने के लिए एक समन्वित कार्य योजना बनायी जाये। गौरतलब है कि बीते साल दिल्ली हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की गयी थी, जिसमें कहा गया था कि पड़ोसी राज्यों के किसानों द्वारा पराली जलाये जाने से हर साल राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में इस दौरान वायु प्रदूषण का स्तर बढ़ जाता है। इस पर लगाम लगाई जाये और पराली से कंपोस्ट खाद बनाये जाने का आदेश दिया जाये। ऐसा करने से जहां खाद बनाने से बढ़ते प्रदूषण पर लगाम लगेगी, वहीं दूसरी ओर, किसान इस खाद का उपयोग कर बेहतर और रसायनविहीन पैदावार हासिल कर सकेंगे। चूंकि, मनरेगा पंचायत स्तर की सरकारी योजना है, इसलिए खाद बनाने की प्रक्रिया को मनरेगा से जोड़ा जाये। लेकिन उस पर कोई ध्यान ही नहीं दिया गया। बेशक, वायु प्रदूषण में पराली की अहम भूमिका है, लेकिन सड़कों की धूल, फैले कूड़े, वाहनों की धूल और बायोमास का भी नकारात्मक रोल होना है। इससे वातावरण में ज़हर के कॉकटेल का निर्माण होता है। वातावरण में सबसे अधिक घातक अजैविक एयरोसेल का निर्माण, बिजलीघरों, उद्योगों, ट्रैफिक से निकलने वाले सल्फ्यूरिक एसिड और नाइट्रोजन आक्साइड तथा कृषि कार्य से पैदा होने वाले अमोनिया के मेल से होता है। दरअसल, 23 फीसदी वायु प्रदूषण की वजह यह कॉकटेल ही है। दिल्ली में वायु प्रदूषण, धुंध का 20 फीसदी उत्सर्जन दिल्ली के वाहनों से, 60 फीसदी दिल्ली के बाहर के वाहनों से तथा 20 फीसदी के आसपास बायोमास जलाने से होता है। आसट्रिया स्थित इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट फार एप्लायड सिस्टम एनालीसिस और नीरी के शोध के अनुसार दिल्ली में प्रदूषित हवा के लिए 40 फीसदी दिल्लीवासी और 60 फीसदी पड़ोसी राज्य जिम्मेदार हैं। डब्ल्यूएचओ शोध-अध्ययन के अनुसार देश की हवा दिनोंदिन ज़हरीली होती जा रही है। इसलिए पराली जलाने पर किसानों को कोसने से कुछ नहीं होने वाला। इसके लिए सरकारी प्रशासनिक तंत्र की निष्क्रियता पूरी तरह जिम्मेदार है। वायु प्रदूषण की समस्या किसी युद्ध की विभीषिका की आशंका से कम नहीं है। ज्ञानेन्द्र रावत पराली जलाने से हुए प्रदूषण से निपटने के दावे हर साल किए जाते हैं, लेकिन आज तक इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकल सका है। यह समस्या हर साल और विकराल होती चली जा रही है।

सरकारें इस बाबत तब होश में आती हैं जब इस समस्या के चलते वायु प्रदूषण में बेतहाशा बढ़ोतरी से लोगों का सांस लेना भी दूभर हो जाता है। पराली जलाने की घटनाओं में हुई कई गुणा बढ़ोतरी हालात की विकरालता का जीता-जागता सबूत है। धान की कटाई के रफ्तार पकड़ने के साथ ही पराली जलाने की घटनाओं में दैनंदिन होती बढ़ोतरी को खतरा माना जाना चाहिए। पराली जलाने से हर साल राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, उत्तर प्रदेश का पश्चिमी अंचल, हरियाणा, पंजाब और किसी हद तक राजस्थान का सीमांत क्षेत्र सितम्बर से दिसम्बर के आखिर तक भयावह स्तर तक प्रभावित रहता है। ये महीने इन क्षेत्र के लोगों के लिए मुसीबत बनकर आते हैं। इन राज्यों की सरकारों द्वारा इसे रोकने की दिशा में किए गये सारे प्रयास, अभियान और किसानों को जागरूक करने के सभी कदम बेमानी साबित हो जाते हैं।

आप का नजरिया

बार-बार पैरोल

डेरा सच्चा सौदा का प्रमुख गुरमीत राम रहीम फिर जेल से बाहर आया है। हरियाणा चुनाव के मतदान से ऐन पहले उसे 20 दिन के पैरोल पर रिहा किया गया है। चार साल में 15वीं बार उसे पैरोल पर जेल से बाहर आने का मौका मिला है। न कोई आपातस्थिति है, न कोई आकस्मिकता है और न ही कोई मरणासन्न है, लेकिन किसी 'फैमिली मैटर' के आधार पर पैरोल दी गई है। वह पारिवारिक मामला क्या है? क्या बाबाओं का भी पारिवारिक मामला होता है? बेशक छद्म ही सही, राम रहीम लाखों श्रद्धालुओं के लिए पूज्य है, आस्था का पात्र है, लेकिन वह नाबालिग साध्वियों के साथ बलात्कार और एक पत्रकार की हत्या सरीखे जघन्य अपराधों में सजायाफ्ता है। उसे एक मामले में 20 लंबे साल और अन्य मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। बेशक पैरोल एक सजायाफ्ता कैदी का स्थितिजन्य अधिकार है और फरलो को जेल के दस्तावेजों और नियमों में 'इनाम' करार दिया गया है। जब भी पुलिस और जेल सुधारों का उल्लेख होता है, तो उनमें कैदी को ज्यादा से ज्यादा जेल के बाहर रखना 'सुधारात्मक' माना गया है। उससे कैदी के व्यवहार और मानसिकता में सुधार होगा और वह ज्यादा सामाजिक होगा। उन सुधारों में ही 'फरलो' को एक इनाम माना गया है, जो जेल प्रशासन एक कैदी को दे सकता है। हालांकि अलग-अलग राज्य में फरलो की अवधि तय है। फरलो का ही विकल्प पैरोल है। बहरहाल यह संयोग है या कोई प्रयोग है कि राम रहीम को लोकसभा, विधानसभा, नगरपालिका या पंचायत चुनावों के दौरान ही पैरोल या फरलो दी जाती रही है। बेशक वह एक प्रभावशाली शख्स है और पंजाब, हरियाणा, हिमाचल, पश्चिमी उप्र और राजस्थान आदि राज्यों में डेरे के असंख्य भक्त और अनुगामी हैं, लिहाजा डेरा प्रमुख के किसी आह्वान या अपील का असर भक्तों पर व्यापक तौर से होता है। हालांकि चुनाव इस अनुपात में प्रभावित नहीं होते, लेकिन राजनीतिक दलों का फायदा जरूर होता है। अब राम रहीम को पैरोल पर छोड़ा गया है, तो एक अनिवार्य शर्त यह है कि वह चुनावी गतिविधियों में हिस्सा नहीं लेगा। वह किसी भी दल या उम्मीदवार विशेष के पक्ष में कोई अपील जारी नहीं करेगा। क्या इन शर्तों पर कानून की कोई पहरेदारी मौजूद है? राम रहीम उप्र के बागपत के बरनावा स्थित आश्रम में मौजूद है। उसके जेल के बाहर आते ही डेरे की सूचना कमेटियों ने हरियाणा की संगत को 3 अक्तूबर को ब्लॉक स्तरीय 'नामचर्चा' करने के आदेश दिए हैं। माना जा रहा है कि इसमें डेरे की तरफ से किसी दल को समर्थन देने के संकेत दिए जा सकते हैं। यदि डेरे में हरियाणा की संगत जमा होती है, तो चुनावों की चर्चा भी संभव है। हरियाणा के मुख्य चुनाव अधिकारी, जेल प्रशासन और राज्य सरकार ने राम रहीम की पैरोल मंजूर की है और फिलहाल सभी 'भाजपाई' हैं। बीते 10 साल के शासन-काल में भी भाजपा की मेहर राम रहीम पर रही है, जाहिर है कि डेरे में भाजपा के पक्ष में बहुत कुछ प्रचारित किया जा सकता है। बेशक राम रहीम के मुंह से यह प्रचार सार्वजनिक न हो! दरअसल पैरोल या फरलो आपातकालीन होनी चाहिए।

इजराइल के हमले में हिजबुल्लाह की मिसाइल टीम का प्रमुख सदस्य अनीसी मारा गया

बेरूत/तेहरान, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)। गाजा में आतंकी संगठन हमास का साथ दे रहा ईरान समर्थित आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह को इजराइल ने खून के आंसू बहाने के लिए मजबूर कर दिया है। हिजबुल्लाह सरगना नसरल्लाह के मारे जाने के बाद अब उसके बाकी गुर्गे एक-एक कर ढेर हो रहे हैं। इजराइल की एयर स्ट्राइक में अब महमूद युसेफ अनीसी मारा गया है। वह लेबनान में हिजबुल्लाह की सटीक-निर्देशित मिसाइल निर्माण शृंखला का प्रमुख आतंकवादी था।

इजराइल सुरक्षा बलों (आईडीएफ) के एक्स हैंडल में यह जानकारी दी गई है। आईडीएफ के अनुसार, अनीसी 15 साल पहले हिजबुल्लाह में शामिल हुआ था। उसे घातक हथियारों के निर्माण में महारत हासिल थी। आईडीएफ ने कहा है कि हिजबुल्लाह के खात्मे का अभियान जारी रहेगा।

इस बीच द टाइम्स ऑफ इजराइल ने न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट की रिपोर्ट के हवाले से कहा है कि इजराइल के लड़ाकू विमानों ने बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में बम गिराकर हिजबुल्लाह के हशेम सफीदीन के भूमिगत बंकर को निशाना बनाया। इस बंकर में सफीदीन के साथ वरिष्ठ हिजबुल्लाह नेता भी थे।

आईडीएफ का कहना है कि वेस्ट बैंक में फाइटर जेट के दुर्लभ हमले में हमास के कई गुर्गे भी मारे गए। फाइटर जेट ने गुरुवार देररात तुलकेरेम में हमला किया। फिलिस्तीनी प्राधिकरण के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि इस हमले में कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई। आईडीएफ और शिन बेट ने संयुक्त बयान में कहा है कि तुलकेरेम में हमास के शीर्ष कमांडर जही यासर अब्द अल-रज़ेक औफी और कई अन्य गुर्गों को निशाना बनाया गया।

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई आज (शुक्रवार) की नमाज का नेतृत्व करेंगे। इस मौके पर वह अपनी तकरीर में इजराइल पर चर्चा कर सकते हैं। उनकी आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, सर्वोच्च नेता मध्य तेहरान में इमाम खुमैनी ग्रैंड मोसल्ला मस्जिद में प्रार्थना में मुसलमानों का नेतृत्व करेंगे।

न्यूज़ ब्रीफ

अमेरिका के बंदरगाहों में कामकाज पटरी पर, डॉकवर्कर्स की हड़ताल स्थगित

वाशिंगटन। इंटरनेशनल लॉन्गशोरमेन एसोसिएशन ने गुरुवार को डॉकवर्कर्स यूनियन की हड़ताल स्थगित करने की घोषणा की। इस हड़ताल से पूर्वी और खाड़ी तटों के प्रमुख बंदरगाहों पर स्थिति बदतर हो गई थी। एसोसिएशन के नेताओं का कहना है कि बंदरगाह के नियोक्ताओं ने बेहतर वेतन देने का प्रस्ताव दिया है। इसलिए हड़ताल स्थगित करने का फैसला लिया गया। डॉकवर्कर्स यूनियन ने मंगलवार को हड़ताल शुरू कर राष्ट्रीय चुनाव से पांच सप्ताह पहले अर्थव्यवस्था पर असर पड़ने की धमकी दी थी। एसोसिएशन और नियोक्ताओं की वार्ता से संबद्ध एक व्यक्ति के अनुसार, संयुक्त राज्य मैरीटाइम अलायंस ने आगामी छह साल के अनुबंध के दौरान वेतन में 62 प्रतिशत की वृद्धि की पेशकश की है। एक बयान में, एसोसिएशन ने कहा कि वेतन पर एक अस्थायी समझौते पर सहमति हो गई है। उसके 45,000 सदस्य काम पर वापस लौट आएंगे। मौजूदा अनुबंध को 15 जनवरी तक बढ़ा दिया गया है। अन्य लंबित मुद्दों पर अभी बातचीत होनी है। उल्लेखनीय है कि यह समझौता व्हाइट हाउस के दखल देने के बाद हो सका है। उल्लेखनीय है कि 1977 के बाद यह दूसरी बड़ी हड़ताल है, जिसने व्हाइट हाउस की परेशानी बढ़ा दी। एसोसिएशन के 78 वर्षीय अध्यक्ष हेरोल्ड जे. डैगेट ने कहा है कि यह तीसरी पीढ़ी के डॉकवर्कर की जीत है।

हैती में सेवियन गिरोह के हमले में 50 लोगों की मौत

पोर्ट-औ-प्रिंस। कैरिबियन देश हैती के छोटे शहर पोंट-सोंडे में गुरुवार को सशस्त्र सेवियन गिरोह (ग्रैन ग्रिफ गिरोह) के हमले में कम से कम 50 लोग मारे गए। पोंट-सोंडे राजधानी पोर्ट-औ-प्रिंस से लगभग 71 किलोमीटर (44 मील) उत्तर-पश्चिम में सेंट-मार्क के कम्यून में है। डाकुओं के इस हमले में दर्जनों अन्य लोग घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने पुलिस अधिकारियों को संदेश भेजकर मदद की गुहार लगाई है। ग्रैन ग्रिफ गिरोह के इस जानलेवा हमले के दौरान अधिकांश लोग घर छोड़कर भाग गए। एक अधिकारी के अनुसार, हताहतों की सही संख्या अभी तक ज्ञात नहीं हो सकी है। अनेक घायलों को तत्काल सेंट-निकोलस अस्पताल पहुंचाया गया। इस हमले ने पोंट सोंडे क्षेत्र और सेंट-मार्क जैसे पड़ोसी क्षेत्रों के निवासियों में दहशत पैदा कर दी है। इस गिरोह ने पोंट-सोंडे पर पूरी तरह से नियंत्रण कर लिया है। पोंट-सोंडे में हमले से बचने के लिए भाग रहे सैकड़ों परिवार वर्तमान में सेंट-मार्क में फिलिप ग्युरियर सार्वजनिक चौराहे पर हैं।

जयशंकर श्रीलंका की आधिकारिक यात्रा पर कोलंबो पहुंचे

कोलंबो। भारत के विदेशमंत्री डॉ. एस जयशंकर श्रीलंका की आधिकारिक यात्रा पर राजधानी कोलंबो पहुंचे। उन्होंने एक्स पोस्ट पर कहा-दोबारा कोलंबो आकर अच्छा लगा। श्रीलंकाई नेतृत्व के साथ बातचीत की प्रतीक्षा है। श्रीलंका में राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके के पिछले सप्ताह कार्यभार संभालने के बाद भारत और श्रीलंका के बीच यह पहली उच्चस्तरीय यात्रा है। भारत के विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार डॉ. जयशंकर श्रीलंकाई नेतृत्व से मुलाकात करेंगे। भारत की पड़ोसी प्रथम नीति और सागर विजन को ध्यान में रखते हुए यह यात्रा पारस्परिक लाभ के लिए दीर्घकालिक साझेदारी को और गहरा करने के लिए दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

इस्लामाबाद में पीटीआई का प्रदर्शन, टकराव की आशंका

इस्लामाबाद, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद के डी चौक पर पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के आज होने वाले विरोध प्रदर्शन को रोकने के लिए हुकूमत ने कड़े इंतजाम किए हैं। रावलपिंडी को इस्लामाबाद से जोड़ने वाली सड़कें बंद कर दी गई हैं। इसके अलावा फैजाबाद में सड़कों पर डबल-लेयर कंटेनर रखे गए हैं। यही नहीं अगली सूचना तक मेट्रो सेवा भी निलंबित कर दी गई है। दोपहिया वाहनों के पीछे की सीट पर सवारी करने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है।

पीटीआई के कद्दावर नेता और खैबर पख्तूनख्वा (केपी) के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर का काफिला सुबह 11 बजे पेशावर से इस्लामाबाद के लिए रवाना होगा। वह डी-चौक पर पहुंचकर विरोध प्रदर्शन में शामिल होंगे। उनके काफिले में प्रांतीय मंत्री, एमपीए, एमएनए और पार्टी कार्यकर्ता शामिल होंगे। खैबर पख्तूनख्वा सरकार के प्रवक्ता बैरिस्टर मोहम्मद अली सैफ ने कहा है कि उनसे किसी भी संघीय मंत्री ने औपचारिक संपर्क नहीं किया है। डी-चौक पर प्रदर्शन करने का फैसला बरकरार है।किसी भी कीमत पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

कहा जा रहा है कि अगर गंडापुर के काफिले को प्रशासन और पुलिस अधिकारियों ने इस्लामाबाद प्रवेश करने पर रोका तो टकराव हो सकता है।

संघीय सरकार के प्रतिनिधि गंडापुर से विरोध प्रदर्शन को स्थगित करने का आग्रह कर चुके हैं। अधिकारियों ने कहा कि यह मलेशियाई प्रधानमंत्री की पाकिस्तान यात्रा का अंतिम दिन है। विरोध प्रदर्शन से संदेश खराब जाएगा। प्रांतीयमंत्री मोहम्मद जहीर शाह के अनुसार गंडापुर ने अधिकारियों से कहा कि विरोध केवल इमरान खान के आह्वान पर रद्द किया जाएगा।

इस बीच इस्लामाबाद पुलिस ने कहा है कि आज सभी खिदमत मरकज केंद्र और ड्राइविंग लाइसेंस शाखाएं भी बंद रहेंगी। निजी स्कूल संघ ने भी घोषणा की है कि सभी स्कूल शुक्रवार को बंद रहेंगे। उल्लेखनीय है कि अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ने डी-चौक पर आज न्यायपालिका की स्वतंत्रता के लिए विरोध प्रदर्शन करने की घोषणा की है।

संघीय सरकार के आंतरिक मंत्री मोहसिन नकवी ने संवाददाता सम्मेलन में कहा है कि इस्लामाबाद पर हमला करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। इमरान खान की पार्टी को विरोध प्रदर्शन के फैसले की समीक्षा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अर्धसैनिक बलों, सेना और रेंजर्स को बुलाया गया है। उन्होंने कहा कि उम्मीद है अली अमीन गंडापुर ऐसा कोई कदम नहीं उठाएंगे जिससे देश की बदनामी हो। नकवी ने कहा कि पीटीआई पाकिस्तान की पार्टी है, कोई विदेशी संस्था नहीं। जब कोई राष्ट्र प्रमुख इस्लामाबाद में मौजूद हो और आप उस समय हमला करने की योजना बना रहे हों, तो यह पूरी तरह से अनुचित है।

पाकिस्तान में बस खाई में गिरी, नौ की मौत, 50 घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी क्वेटा के पश्चिमी बाइपास के पास गुरुवार को एक बस के खाई में गिर जाने से नौ लोगों की मौत हो गई और 50 से अधिक अन्य घायल हो गए। मृतकों में तीन बच्चे और एक महिला शामिल है। बस में सवार लोग शादी समारोह में हिस्सा लेने जा रहे थे। पुलिस और बचावकर्मियों ने दुर्घटनाग्रस्त बस के मलबे से शवों और घायलों को निकाला। घायलों को सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। सिविल अस्पताल के प्रवक्ता डॉ. वसीम बेग ने कहा, उनके यहां नौ शव और 30 घायल यात्री लाए गए। घायलों में से पांच की हालत गंभीर है। मृतकों में से सात की पहचान जीनत, जांजीबार, सफिया, आलिया, बीबी आलिया, नसीबुल्लाह और हाजी नकीबुल्लाह के रूप में हुई है। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री मीर सरफराज बुगती ने दुर्घटना में लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया है।

अरब देश भी नहीं चाहते क्षेत्र में युद्ध बढ़े, शांति की कर रहे अपील

तेल अवीव, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मिडल ईस्ट में तनाव जारी है। पिछले तीन दिनों में जिस तरह के घटनाक्रम हुए हैं, उन्होंने दुनिया को दो ध्रुवों में बांट दिया है। एक तरफ अमेरिका, ब्रिटेन और जर्मनी जैसे पश्चिमी देश इजराइल के साथ खड़े हैं, तो वहीं ओमान, बहरीन, कतर, सऊदी अरब, यूएई और खाड़ी के छह देशों वाले संगठन जीसीसी यानी गल्फ को-ऑपरेशन काउंसिल ने लेबनान की संप्रभुता का समर्थन किया है। हालांकि जानकारों का मानना हैं कि क्षेत्र में जो संघर्ष चल रहा है, उसमें अरब देश शामिल होना नहीं चाहेंगे।

अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकार कहते हैं कि ऐसा नहीं लगता कि संघर्ष में कोई देश इंगेज होंगे। लेबनान की संप्रभुता का समर्थन करना और इजराइल का विरोध करना अरब वर्ल्ड की मजबूरी है। फलस्तीन के हालात को लेकर वहां जनता के बीच सॉलिडैरिटी का प्रेशर बढ़ा है। ऐसे में अरब देश ये चाहते हैं कि ईरान पर हमला ना हो क्योंकि ऐसा होता है तो ये पूरे क्षेत्र में फैल जाएगा। इसके अलावा अरब देशों के पास फाइटिंग फोर्स भी नहीं है, उनकी सेना कमजोर है। इसलिए जोर इस बात पर है कि संघर्ष ना फैले और तनाव रुक जाए।

जानकारों का कहना है कि ईरान भी शुरू से नहीं चाहता था कि वह एक सक्रिय जंग का हिस्सा बने, खासतौर से नए राष्ट्रपति की छवि सुधारवादी नेता की है, ऐसे में वह नहीं चाहते थे कि किसी संघर्ष में उलझे। हिज्बुल्लाह प्रमुख नसरल्लाह ने सीजफायर के लिए सकारात्मक संकेत दिए थे और इस संदेश को अमेरिका और फ्रांस तक पहुंचाया था। लेकिन ऐसा नहीं हो पाया क्योंकि नेतन्याहू इस जंग में इतना आगे निकल चुके थे कि वह पीछे लौटना नहीं चाहते हैं। अगर इजरायल ईरान पर अटैक करता है तो यह ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम में एक मील का पत्थर होगा। ईरान न्यूक्लियर प्रोग्राम को लेकर आक्रामक रणनीति की दिशा में काम करेगा और परमाणु बम बनाने की दिशा में भी काम करेगा और इसके लिए स्पष्टीकरण देने की कोशिश करेगा कि उसे इजरायल से खतरा है।

यूं भी फलस्तीन अरब देशों में एक भावनात्मक मुद्दा है। ऐसे में वे चाहेंगे कि किसी तरह से जंग रुक जाए। ईरान अगर इजरायल पर हमला करता है तो सबको मालूम है कि किसका पलड़ा भारी है, क्षेत्र में कौन डोमिनेट करेगा, ऐसे में क्षेत्र के हालात पूरी तरह बदल जाएंगे। ऐसी स्थिति में ऐसा लगता नहीं कि पश्चिमी देश ईरान के साथ उस तरह के संघर्ष में इंगेज होंगे जैसा कि इराक के मामले में देखने को मिला था।

जापान ने लेबनान में फंसे नागरिकों की वापसी के लिए दो विमान भेजे

टोक्यो, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)।

जापान ने लेबनान में फंसे अपने नागरिकों को सुरक्षित स्वदेश लाने के लिए दो विमान भेजे हैं। जापान के विदेश मंत्रालय के मुताबिक, इस समय करीब 50 नागरिक लेबनान में हैं। जापान एयर सेल्फ डिफेंस फोर्स के दो विमान गुरुवार को जापान से रवाना हुए। जापान की कोशिश है कि इजराइल और ईरान समर्थित आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह के बीच बढ़ते तनाव के बीच जल्द से जल्द अपने सभी नागरिकों को स्वदेश लाया जाए।

खबर के अनुसार, जापान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि दो सी-2 परिवहन विमान जॉर्डन और ग्रीस के लिए टोटोरी के पश्चिमी प्रांत के मिहो एयर बेस से रवाना हुए। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, करीब 50 जापानी नागरिक लेबनान में हैं। तत्कालीन रक्षा मंत्री मिनोरू किहारा ने 27 सितंबर को एयर सेल्फ डिफेंस फोर्स को विमान भेजने का आदेश दिया था। इसके बाद रक्षा मंत्रालय ने 500 सदस्यीय संयुक्त कार्य इकाई का गठन किया था। इस इकाई का काम दूसरे देशों से अपने हवाई क्षेत्र से उड़ान भरने की अनुमति मांगना है। यदि निकासी सुनिश्चित हो जाती है तो नए रक्षामंत्री जनरल नकातानी आदेश देंगे और जापानी नागरिकों को सी-2 विमानों से पास के देश में ले जाया जाए। मुख्य कैबिनेट सचिव योशिमासा हयाशी ने गुरुवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा, हमें जापानी नागरिकों के हताहत होने या घायल होने के बारे में कोई जानकारी नहीं है। लेबनान में स्थिति तेजी से बिगड़ती जा रही है। यह चिंताजनक है।

नसरल्लाह के अंतिम संस्कार को लेकर अमेरिका-इजराइल को सता रहा डर

वाशिंगटन, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हिजबुल्लाह नेता हसन नसरल्लाह की मौत के बाद उसके अंतिम संस्कार की तैयारियां चल रही हैं। इस बात की अटकलें हैं कि नसरल्लाह को इराक के कर्बला में दफनाया जा सकता है, लेकिन यह बेहद संवेदनशील है, न केवल हिजबुल्लाह और अरब देशों के लिए, बल्कि इजरायल और अमेरिका के लिए भी।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि नसरल्लाह का अंतिम संस्कार पूरी इस्लामिक रीति-रिवाज से किया गया, तो वह स्थान चरमपंथियों के लिए प्रेरणा का स्रोत ना जाए, जिससे आतंकवाद की नई लहर शुरू हो सकती है। इस डर के चलते अमेरिका ने 2011 में ओसामा बिन लादेन की हत्या के बाद उसके शव को समुद्र में दफना दिया था, ताकि उसकी कब्र चरमपंथियों के लिए प्रेरणा का स्रोत न बने। नसरल्लाह की इजरायली हवाई हमले में मौत हो गई थी उसके शव को लेबनान, कर्बला या ईरान के नजफ में दफनाने की अटकलें लगाई जा रही हैं। हालांकि, हिजबुल्लाह ने अभी तक कोई आधिकारिक ऐलान नहीं किया है। नसरल्लाह की मौत के बाद दुनिया भर के शिया मुस्लिम समुदाय में मातम पसरा हुआ है, और उन्हें शहीद का दर्जा दिया जा रहा है। इस स्थिति पर इजरायल और अमेरिका नजर रख रहे हैं, क्योंकि इस बात की संभावना है कि नसरल्लाह का दफन करने स्थान आतंकियों के लिए नया शहीदी स्थल बन सकता है। इजरायल की रणनीति भी अमेरिका जैसी ही है, जो आतंकियों की लाशों को अज्ञात स्थानों पर दफनाते हैं ताकि उनके समर्थक उन्हें शहीद न मान लें और उनकी कब्रों को स्मारक न बना सकें। बता दें अमेरिका ने ओसामा बिन लादेन के शव डीएनए टेस्ट के बाद अरबी रीति-रिवाज से नहलाया और फिर उसे समुद्र में दफन दिया था। इजरायल भी इसी नीति का पालन करता रहा है, विशेष रूप से आतंकियों के मामले में, ताकि उनकी कब्रें चरमपंथियों के लिए प्रेरणा का स्रोत न बनें।

बांग्लादेश में स्वतंत्रता सेनानी और अवामी लीग नेता शाहिदुल इस्लाम मिलन गिरफ्तार

ढाका। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के करीबियों की धरपकड़ और तेज हो गई है। अंतरिम सरकार के गठन के बाद देश की पुलिस ताबड़तोड़ छापे मारकर बांग्लादेश अवामी लीग के नेताओं और समर्थकों को सलाखों के पीछे भेज रही है। अब स्वतंत्रता सेनानी और बांग्लादेश अवामी लीग के नेता शाहिदुल इस्लाम मिलन गिरफ्तार को गिरफ्तार किया गया है। खबर में ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस (डीएमपी) की जासूसी शाखा (डीबी) के हवाले से बताया गया है कि गुरुवार को ढाका के गुलिस्तान इलाके से जेसोर सदर निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित पूर्व अवामी लीग समर्थित विधायक शाहिदुल इस्लाम मिलन को गिरफ्तार किया। डीएमपी के डिप्टी कमिश्नर (मीडिया) तालिबुर रहमान ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि डीबी टीम ने उन्हें गुरुवार दोपहर ढाका के गुलिस्तान के फुलबरिया इलाके से गिरफ्तार किया। उन्होंने कहा, स्वतंत्रता सेनानी और अवामी लीग की जेसोर जिला इकाई के अध्यक्ष मिलन को गिरफ्तार करने के बाद गुलशन पुलिस स्टेशन ले जाया गया।

सिंगापुर में पूर्व मंत्री ईश्वरन की सजा पर प्रधानमंत्री वोंग ने कहा-कानून से ऊपर कोई नहीं

सिंगापुर, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारतीय मूल के सिंगापुर के पूर्व परिवहन मंत्री एस. ईश्वरन की सजा के बाद प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने जारी वक्तव्य में कहा है कि सिंगापुर में कानून से ऊपर कोई नहीं। 62 वर्षीय ईश्वरन के राजनीतिक करियर के खत्म होने के तरीके से निराश और दुखी प्रधानमंत्री वोंग ने कहा कि अब उनकी टीम का यह कर्तव्य है कि सरकार और राजनीतिक प्रणाली हमेशा स्वच्छ और भ्रष्टाचार मुक्त रहे।

सिंगापुर के अखबार द स्ट्रेट्स टाइम्स के अनुसार, तीन अक्टूबर को हाई कोर्ट ने ईश्वरन को 12 महीने की जेल की सजा सुनाई। इसके बाद प्रधानमंत्री वोंग ने वक्तव्य जारी किया। उन्होंने कहा, हम वही करेंगे जो सिंगापुर और सिंगापुरवासियों के लिए सही होगा। भले ही इसके लिए राजनीतिक कीमत चुकानी पड़े। या किसी सहकर्मी और मित्र के जेल जाने पर व्यक्तिगत पीड़ा महसूस करनी पड़े। वोंग ने कहा कि हम सबको सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी के उच्चतम मानकों का पालन करना चाहिए। प्रधानमंत्री वोंग ने कहा कि ईश्वरन के केस में धारा 165 विशेष रूप से रिश्वतखोरी और लोक सेवकों से जुड़े अन्य प्रकार के भ्रष्ट आचरण से संबंधित है।

वोंग ने ढाई दशक से अधिक समय तक एक सांसद, संचार, सूचना, व्यापार, उद्योग और परिवहन मंत्रालय में मंत्री के रूप में ईश्वरन के महत्वपूर्ण योगदान का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि कोई भी राजनीतिक व्यवस्था मानवीय कमजोरी से अछूती नहीं है। भ्रष्टाचार के खिलाफ कितनी भी सख्त कार्रवाई हो, समय-समय पर कुछ लोग प्रलोभन में आ जाएंगे और भटक जाएंगे।

प्रधानमंत्री वोंग ने कहा कि सिंगापुर की न्याय प्रणाली यह सुनिश्चित करती है कि सार्वजनिक अधिकारियों को जवाबदेह ठहराया जाए और कोई भी जांच से परे या कानून से ऊपर नहीं है। उन्होंने कहा, मैं और मेरी टीम सत्यनिष्ठा के उच्चतम मानकों को कायम रखना जारी रखेंगे।

न्यूजर्सी में 18 वर्षीय युवक गिरफ्तार, मॉल के बाथरूम में छिपाए थे कैमरे

न्यूयॉर्क। हाल ही में न्यूजर्सी में एक 18 वर्षीय युवक एंडी कार्डेनास को गिरफ्तार किया गया, जिसने लोगों के प्राइवेट मोमेंट्स को रिकॉर्ड करने के लिए मॉल के बाथरूम में कैमरे छिपा दिए थे। इस प्रकार की घटना ने न केवल पीड़ितों की जिंदगी बर्बाद की, बल्कि समाज में प्राइवेसी के उल्लंघन के गंभीर मुद्दे को भी उजागर किया है। एंडी कार्डेनास की गिरफ्तारी उस समय हुई जब एक महिला ने न्यूपोर्ट सेंटर मॉल के जेसी पेनी स्टोर के बाथरूम में कैमरा देखा। महिला ने तुरंत प्रशासन को सूचित किया, जिसने मौके पर पहुंचकर कैमरा जब्त किया। जब पुलिस ने कैमरे की जांच की, तो उन्हें पता चला कि युवक ने विभिन्न बाथरूम में कई कैमरे लगाए थे और दर्जनों लोगों के प्राइवेट पल रिकॉर्ड किए थे। पुलिस की जांच में यह भी सामने आया कि कैमरों में 35 महिलाओं और चार नाबालिग लड़कियों के वीडियो शामिल थे। इसके अलावा, एक वीडियो में एक कपल को बाथरूम में रोमांटिक पल बिताते हुए भी रिकॉर्ड किया गया था। यह जानकर पुलिस को और भी हैरानी हुई कि युवक ने कुछ कैमरे प्राइवेट घरों के बाथरूम में भी छिपाए थे। अधिकारियों ने बताया कि एंडी की तस्वीर एक वीडियो में कैद हो गई थी, जो उसकी पहचान में मददगार साबित हुई। हालांकि, पुलिस को यह जानने में कठिनाई हुई कि युवक यह आपराधिक कृत्य कितने समय से कर रहा था, क्योंकि वीडियो में किसी प्रकार की डेट या टाइम नहीं था। इस घटना ने यह साबित कर दिया है कि समाज में प्राइवेसी का उल्लंघन कितनी गंभीर समस्या बनती जा रही है। इस प्रकार के कृत्यों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की आवश्यकता है, ताकि निर्दोष लोगों की ज़िंदगी और प्रतिष्ठा को बर्बाद होने से बचाया जा सके। इस घटना ने पुलिस और समुदाय को जागरूक करने की आवश्यकता को भी उजागर किया है।

7 साल के बाद हॉकी इंडिया लीग की वापसी, पुरुषों और महिलाओं की फ्रेंचाइजी का किया अनावरण

नई दिल्ली, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 7 साल के अंतराल के बाद ऐतिहासिक वापसी करने के लिए तैयार है। हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को आधिकारिक तौर एचआईएल 2024-25 के लिए फ्रेंचाइजी की घोषणा की। लीग में 8 पुरुषों की टीमें और 6 महिलाओं की टीमें शामिल होंगी, यह पहली बार होगा कि एक महिला लीग पुरुषों की प्रतियोगिता के साथ-साथ चलेगी।

खिलाड़ियों की नीलामी 13 से 15 अक्टूबर तक

एचआईएल 2024-25 के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 13 से 15 अक्टूबर तक नई दिल्ली में होगी। प्रत्येक फ्रेंचाइजी 24 खिलाड़ियों की एक टीम बनाएगी, जिसमें कम से कम 16 भारतीय खिलाड़ी (4 जूनियर खिलाड़ियों को अनिवार्य रूप से शामिल करना) और 8 अंतरराष्ट्रीय सितारे शामिल होंगे।

दो स्थानों पर होंगे एचआईएल 2024-25 के मैच

एचआईएल 2024-25 के मैच दो स्थानों - मरांग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम, रांची, झारखंड और बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम, राउरकेला, ओडिशा - में खेले जाएंगे, जिसमें महिलाओं का लीग फाइनल 26 जनवरी 2025 को रांची में और पुरुषों का फाइनल होगा। फाइनल 1 फरवरी 2025 को राउरकेला में होगा।

पुरुषों की फ्रेंचाइजी और उनके मालिकों की सूची

1 चेन्नई - चार्ल्स ग्रुप
2. लखनऊ - यदु स्पोर्ट्स
3. पंजाब - जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स
4. पश्चिम बंगाल - श्राची स्पोर्ट्स
5. दिल्ली - एसजी स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट
6. ओडिशा - वेदांता लिमिटेड
7. हैदराबाद - रेसोल्यूट स्पोर्ट्स
8. रांची - नवोयम स्पोर्ट्स वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड

महिला फ्रेंचाइजी और उनके मालिकों की सूची

1. हरियाणा - जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स
2. पश्चिम बंगाल-श्राची स्पोर्ट्स
3. दिल्ली - एसजी स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट
4. ओडिशा-नवोयम स्पोर्ट्स वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड

आने वाले दिनों में कानूनी कार्यवाही बंद होने के तुरंत बाद दो महिला फ्रेंचाइजी की घोषणा की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

महिला टी 20 विश्व कप : दक्षिण अफ्रीका की टीम पहनेगी विशेष जर्सी, प्रियजनों के नाम होंगे अंकित

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के दौरान अपने करीबी दोस्तों और परिवार को समर्पित विशेष अनुकूलित शर्ट पहनकर मैदान में उतरेंगे। खिलाड़ी जब मैदान में उतरेंगे तो उनकी प्लेइंग शर्ट पर उनके जीवन के अधिकतम पांच महत्वपूर्ण लोगों के नाम अंकित होंगे, ताकि वह घर पर अपने सबसे प्रिय और समर्थित मित्रों और परिवार की याद दिला सके। नाम प्रत्येक खिलाड़ी की शर्ट के कॉलर और नीचे की हेम के अंदर दिखाई देंगे। दक्षिण अफ्रीका की विकेटकीपर सिनालो जाफ्ता का मानना है कि यह पहल एक उत्कृष्ट विचार है। जाफ्ता ने कहा, यह एक विशेष पहल है। जब मैं नीचे देखती हूं और उन लोगों के नाम पढ़ती हूं जो मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं, तो यह मुझे हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने और उन लोगों की याद दिलाता है जो पहले दिन से मेरे लिए मौजूद हैं। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट - जो संयुक्त अरब अमीरात में टी20 विश्व कप में पहली बार प्रोटियाज़ की कप्तानी करेंगी - ने कहा, टूर्नामेंट के दौरान घर का एक टुकड़ा अपने साथ ले जाने से मुझे ताकत मिलती है। मुझे पता है कि मैं वहां अकेली नहीं हूं; मेरे प्रियजन पूरी तरह से मेरे साथ हैं। दक्षिण अफ्रीका अपने टी20 विश्व कप अभियान की शुरुआत शुक्रवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ दुबई में करेगा।

आईएसएल फुटबॉल में ओड़ीशा एफसी और केरला ब्लास्टर्स एफसी का मुकाबला बराबरी पर रहा

भुवनेश्वर। ओडिशा एफसी का यहां खेले गए इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) फुटबॉल 2024-25 मुकाबले में केरला ब्लास्टर्स एफसी से मुकाबला 2-2 से बराबरी पर रहा। इस प्रकार दोनो ही टीमों को एक-एक अंक मिला है। इस रोमांचक मुकाबले में केरला ब्लास्टर्स की ओर से नौहा सदौई ने 18वें और हेसुस जिमेनेज ने 21वें मिनट में गोल दागे। दूसरी ओर ओडिशा एफसी की ओर से मिडफील्डर एलेक्जेंडर कोएफ़ ने गलती से 29वें मिनट में एक आत्मघाती गोल कर दिया। वहीं डिएगो मौरिसियो ने 36वें मिनट में एक गोल किए। इस प्रकार मुकाबला बराबरी पर आ गया। अब ओडिशा एफसी चार मैचों के बाद एक जीत, एक ड्रा और दो हार के साथ ही चार अंक लेकर तालिका में दसवें से नौवें स्थान पर पहुंच गई है। वहीं केरला ब्लास्टर्स एफसी चार मैचों में एक जीत, दो ड्रा और एक हार के साथ ही कुल पांच अंक लेकर तालिका में चौथे स्थान पर फिसल गयी है।

टी20 महिला विश्व कप: श्रीलंका के खिलाफ मुकाबले के लिए लिचफील्ड की ऑस्ट्रेलियाई टीम में हो सकती है वापसी

शारजाह। ऑस्ट्रेलिया की टीम महिला टी20 विश्व कप के अपने पहले मैच में शनिवार को श्रीलंका से खेलेगी। इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम को उभरती हुई बल्लेबाज फोबे लिचफील्ड के खेलने की उम्मीद है। लिचफील्ड कमर दर्द के कारण इससे पहले हुए दोनों ही अभ्यास मैचों से बाहर रहीं हैं पर उसके श्रीलंका के खिलाफ इस टी20 मैच के लिए फिट होने की उम्मीद है। लिचफील्ड के खेलने की उम्मीद इसलिए है क्योंकि उसने प्रशिक्षण में भाग लिया जिससे उसके चयन की संभावनाएं जतायी जा रही हैं। वहीं लिचफील्ड ने कहा, अभ्यास मैचों से बाहर रहना कठिन था पर अब में बेहतर अनुभव कर रही हूं। मैं मैदान पर वापस आने और टीम में योगदान देने को लेकर उत्साहित हूं। ऑस्ट्रेलिया की टीम पहली बार यहां कोई मैच खेलने जा रही है। जिसके कारण उसके लिए यहां श्रीलंकाई गेंदबाज परेशानी खड़ी कर सकते हैं। यहां शुरुआती मैच में स्पिनर हावी रहे हैं। दो मैचों में स्पिनरों ने कुल 22 विकेट लिए हैं। इससे यह स्पष्ट हो गया कि हालात धीमी गति के गेंदबाजों के अनुरुप होंगे। लिचफील्ड ने कहा, मेरे लिए, यह पल में बने रहने और जितनी जल्दी हो सके हालातों को समझने के बारे में है। शारजाह एक चुनौती होने जा रहा है, लेकिन हम इसके लिए तैयार हैं। इस मैच में लेग स्पिनर एलाना किंग और ग्रेस हैरिस को भी अवसर मिल सकता है। एलाना जहां लेग स्पिनर हैं, वहीं ग्रेस स्पिन ऑलराउंडर हैं।

लीजेंड्स लीग क्रिकेट-2024

मणिपाल टाइगर्स ने सुपर ओवर में टॉयम हैदराबाद को रहाया

जम्मू, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)।

कप्तान हरभजन सिंह की टीम मणिपाल टाइगर्स ने लीजेंड्स लीग क्रिकेट के एक रोमांचक सुपर ओवर मुकाबले में टॉयम हैदराबाद को हरा दिया इसी के साथ ही मणिपाल ने इस टूर्नामेंट में पहला मुकाबला जीता है। इस मैच में निर्धारित 20 ओवरों में दोनो ही टीमों ने 7 विकेट पर 144 रन बनाए थे। सुपर ओवर में टॉयम हैदराबाद ने 2 विकेट पर केवल 4 रन बनाए। वहीं इसके बाद मणिपाल टीम ने तेजी से 3 गेंदों में 9 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया।

इस मैच में मणिपाल टाइगर्स की ओर से पहले बल्लेबाजी करने हुए फिल मस्टर्ड और मनोज तिवारी ने पहले विकेट के लिए 20 रन बनाये। थिसारा पेरेरा 48 रन बनाकर नाबाद रहे। मणिपाल ने 20 ओवर में सात विकेट पर 144 रन बनाये। टॉयम हैदराबाद की ओर से बिपुल शर्मा (2/20) और गुरकीरत सिंह (2/24) सबसे सफल गेंदबाज रहे। नुवान प्रदीप और इसुरु उदाना ने पारी में एक-एक विकेट लिया।

वहीं जीत क लिए 145 के लक्ष्य का पीछा करते हुए, शॉन मार्श के 35 गेंदों में 38 रन की शानदार पारी और कप्तान गुरकीरत सिंह मान के 35 गेंदों में 37 रन की सहायता से टॉयम हैदराबाद ने भी सात विकेट पर 144 रन बनाये। मणिपाल टाइगर्स के लिए राहुल शुक्ला ने (2/48) ने पारी में दो विकेट लिए। वहीं प्रवीण गुप्ता (1/21), असेला गुणरत्ने (1/16) और ओबुस पिएनार (1/12) ने भी एक-एक विकेट लिया। इसके बाद मुकाबला सुपर ओवर में पहुंचा। इसमें टॉयम हैदराबाद ने सुपर ओवर में पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 गेंदों में केवल 4/2 रन बनाए। इसके आद केवल 5 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए थिसारा परेरा और डेनियल ने केवल तीन गेंदों में ही ये लक्ष्य हासिल कर लिया।

भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज में जीत की प्रबल दावेदार

मुम्बई। भारतीय टीम अब 6 अक्टूबर से बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में खेलने उतरेगी। इसका पहला मैच 6 अक्टूबर से शुरु होगा। टेस्ट सीरीज की तरह ही इसमें भी भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि दोनो ही टीमों के बीच अभी तक 14 टी20 मैच हुए हैं जिसमें बांग्लादेश ने केवल एक ही मैच जीता है। वहीं भारतीय टीम ने 13 मैच जीते हैं। दोनों ही टीमों के बीच अंतिम टी20 मुकाबला इसी साल जून में हुआ था जिसे भारतीय टीम ने जीता था। वहीं भारतीय टीम को अबतक केवल एक हार साल 2019 में मिली थी। यह मैच दिल्ली में हुआ था और भारतीय टीम ने इसमें 6 विकेट खोकर 148 रन बनाए थे। इसके बाद बांग्लादेश ने केवल तीन विकेट के नुकसान पर ही ये लक्ष्य प्राप्त कर लिया था। भारत और बांग्लादेश के बीच टी20 सीरीज में सबसे अधिक रन रोहित शर्मा के नाम हैं। रोहित ने 13 मैचों में 36.69 की औसत के साथ 477 रन बनाए हैं। रोहित हालांकि टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के कारण अब भारतीय टीम में नहीं हैं। वहीं, बांग्लादेश की ओर से सब्बीर रहमान ने भारत के खिलाफ 6 टी20 मैचों में सबसे अधिक 236 रन बनाए हैं। दोनो देशों के बीच टी20 सीरीज में सबसे अधिक 9 विकेट युजवेंद्र चहल ने लिए हैं। चहल ने 6 मैचों में यह विकेट लिए हैं। वहीं, बांग्लादेश के खिलाफ एक टी20 सीरीज में सबसे अधिक विकेट दीपक चाहर के नाम 8 विकेट हैं। दूसरी ओर बांग्लादेश की बात करें तो तेज गेंदबाज अल-अलीम-हुसैन ने भारतीय टीम के खिलाफ टी20 मैचों में सबसे अधिक 8 विकेट लिए हैं। यह विकेट उन्होंने 7 मैचों में लिए हैं। इस बार भारतीय टीम में रोहित के अलावा विराट कोहली और रविन्द्र जडेजा जैसे खिलाड़ियों के नहीं होने से युवाओं के पास बेहतर प्रदर्शन कर अपने को साबित करने का अवसर रहेगा।

ग्लोबल शतरंज लीग 2024

अर्जुन और प्रज्ञानानंद के बीच बहुप्रतीक्षित मुकाबला ड्रॉ

लंदन, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)।

टेक महिंद्रा ग्लोबल शतरंज लीग के दूसरे संस्करण के सबसे प्रतीक्षित खेलों में से एक पहले दिन हुआ। शतरंज ओलंपियाड में भारत की जीत में शामिल दो युवा सितारे गुरुवार को फ्रेंड्स हाउस में एक-दूसरे से भिड़े।

गंगा ग्रैंडमास्टर्स का प्रतिनिधित्व करने वाले अर्जुन एरिगैसी और अल्पाइन एसजी पाइपर्स के लिए खेल रहे आर. प्रज्ञानानंद ने अपना खेल बराबरी पर समाप्त किया। हालांकि, अल्पाइन एसजी पाइपर्स ने मैच 11-6 से जीत लिया।

अन्य मैचों में, अमेरिकन गैम्बिट्स ने अपग्रेड मुंबा मास्टर्स को 11-6 से हराया और पीबीजी अलास्का नाइट्स ने गत विजेता त्रिवेणी कॉन्टिनेंटल किंग्स को 15-3 से हराया। इस व्यापक जीत ने अलास्का नाइट्स को शुरुआती बढ़त हासिल करने में मदद की।

नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव, शखरियार ममीदारोव और निहाल सरीन की जीत ने अलास्का नाइट्स को पाइपर्स और मुंबा मास्टर्स से आगे निकलने में मदद की।

पाइपर्स की जीत रिचर्ड रैपॉर्ट और पूर्व महिला विश्व चैंपियन होउ यिफान द्वारा सुनिश्चित की गई, क्योंकि अन्य खेल ड्रा रहे। उन ड्रा में पांच बार के विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन और विश्वनाथन आनंद के बीच का मैच भी शामिल था; दोनों दिग्गजों ने दो विश्व खिताबों के लिए एक दूसरे से मुकाबला किया था। होउ ने प्रज्ञानानंद की बड़ी बहन आर. वैशाली को हराया, जबकि रैपॉर्ट ने परम मघसूदलू को हराया। काले मोहरों के साथ उन जीतों ने उनकी टीम को चार-चार अंक दिलाए (सफेद मोहरों के साथ जीत के लिए केवल तीन अंक हैं)।

अमेरिकन गैम्बिट्स और अपग्रेड मुंबा मास्टर्स के बीच मैच का फोकस मैक्सिम वचियर-लाग्रेव और हिकारू नाकामुरा के बीच के खेल पर था, जो ड्रॉ पर समाप्त हुआ।

अंगद विजाग ओपन गोल्फ में शीर्ष पर पहुंचे

विशाखापत्तनम। गोल्फर अंगद चीमा विजाग ओपन में शीर्ष पर पहुंच गये हैं। अंगद ने एक करोड़ रुपये की ईनामी राशि के विजाग ओपन के दूसरे दौर में 10 अंडर 61 का सर्वश्रेष्ठ कार्ड खेला। इससे वह नंबर एक स्थान पर पहुंच गये। पीजीटीआई रैंकिंग में अभी चौथे स्थान पर चल रहे अंगद का दो दौर के बाद कुल स्कोर 12 अंडर 130 का है जिससे वह अभी चार शॉट की बढ़त पर हैं। इस सत्र में अभी तक छह बार शीर्ष 10 में रहे अंगद ने पहले दौर में 69 का कार्ड खेला था।

यूरोपा लीग में यूनाइटेड और पोर्टो का मुकाबला 3-3 से बराबरी पर रहा

बुडापेस्ट, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में जारी यूरोपा लीग फुटबॉल में मैनचेस्टर यूनाइटेड और पोर्टो के बीच मुकाबला 3-3 से ड्रॉ रहा। वहीं इससे पहले टोटेनहम ने यूरोपा लीग के दो में से दो मैच जीत लिए थे। मार्कस रैशफोर्ड और रैसमस होजलुंड के गोलों से यूनाइटेड ने 2-0 की बढ़त हासिल की। वहीं हैरी मैगुएर ने स्टॉपेज-टाइम हैडर के जरिये पोर्टो यूनाइटेड की ओर से एक अंक बचाया। वहीं सैमू ने ब्रेक से पहले पोर्टो की ओर से बराबरी का गोल किया। ब्रूनो फर्नांडीस को दूसरा पीला कार्ड दिखाए जाने से पहले सैमू ने अपना दूसरा गोल कर पोर्टो को बढ़त दिला दी। पोर्टो जीत के करीब पहुंच गया था पर तभी मैगुएर ने क्रिश्चियन एरिक्सन के कॉर्नर पर हेडर के जरिये गोल कर यूनाइटेड को बराबरी पर ला दिया। इस मुकाबले में पहले हाफ के मध्य में ही मेहमान टीम ने बढ़त बना ली थी।

नेशंस लीग मैचों के लिए फ्रांस की टीम से बाहर हुए एमबाप्पे जांघ

पेरिस, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)।

फ्रांस के कप्तान काइलियन एमबाप्पे को इस महीने अपनी टीम के यूईएफए नेशंस लीग मैचों से बाहर रखा गया है, कोच डिडिएर डेसचैम्प्स ने टीम की घोषणा की।

रियल मैड्रिड के स्टार खिलाड़ी एमबाप्पे जांघ की चोट के कारण थोड़े समय के लिए मैदान से बाहर रहे और बुधवार को चैंपियंस लीग में लिली के खिलाफ 1-0 की आश्चर्यजनक हार में स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में नजर आए।

हालाँकि, 25 वर्षीय एमबाप्पे इजराइल और बेल्जियम के खिलाफ फ्रांस के खेलों में कोई भूमिका नहीं निभाएंगे, यह निर्णय स्पष्ट रूप से एमबाप्पे को आराम करने और अपनी फिटनेस पर काम करने का मौका देने के लिए लिया गया है।

आपके बताते चलें कि फ्रांस गुरुवार, 10 अक्टूबर को इजराइल से खेलेगा, जो मध्य पूर्व में सुरक्षा स्थिति के कारण बुडापेस्ट में स्थानांतरित किया गया था। 2021 में नेशंस लीग विजेता लेस ब्लेस, इसके बाद सोमवार, 14 अक्टूबर को ब्रुसेल्स में बेल्जियम से भिड़ेंगे।

ग्रुप ए2 में अपने पहले दो मुकाबलों के बाद फ्रांस के तीन अंक हैं, जिसमें छह अंकों के साथ इटली शीर्ष पर है।

फ्रांस की टीम इस प्रकार है

गोलकीपर- अल्फोंस एरियोला (वेस्ट हैम यूनाइटेड/इंग्लैंड), माइक मेगनन (एसी मिलान/आईटीए), ब्राइस सांबा (लेंस)।

डिफेंडर- जोनाथन क्लॉस (नाइस), लुकास डिग्ने (एस्टन विला/इंग्लैंड), वेस्ले फोफाना (चेल्सी/इंग्लैंड), थियो हर्नांडेज़ (एसी मिलान/आईटीए), इब्राहिमा कोनाटे (लिवरपूल/इंग्लैंड), जूल्स कोंडे (बार्सिलोना/ईएसपी), विलियम सलीबा (आर्सेनल/इंग्लैंड), डेयोट उपमेकानो (बायर्न म्यूनिख/जर्मनी)।

मिडफील्डर- एडुआर्डो कैमाविंगा (रियल मैड्रिड/ईएसपी), यूसुफ फोफाना (एसी मिलान/आईटीए), माटेओ गुएन्डौजी (लाजियो/आईटीए), मनु कोन (रोमा/आईटीए), ऑरेलियन टचौमेनी (रियल मैड्रिड/ईएसपी), वॉरेन ज़ैरे-एमरी (पेरिस सेंट-जर्मेन)।

फॉरवर्ड- ब्रैडली बारकोला, ओसमान डेम्बेले, रैंडल कोलो मुआनी (सभी पेरिस सेंट-जर्मेन), क्रिस्टोफर न्कुंकू (चेल्सी/इंग्लैंड), माइकल ओलिस (बायर्न म्यूनिख/जर्मनी), मार्कस थुरम (इंटर मिलान/इटली)।

महिला टी-20 विश्व कप : कप्तान फातिमा सना के आलराउंड प्रदर्शन की बदौलत पाक ने श्रीलंका को हराया

शारजाह, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)।

कप्तान फातिमा सना के आलराउंड प्रदर्शन की बदौलत पाकिस्तान ने गुरुवार रात शारजाह में आईसीसी महिला टी 20 विश्व कप के दूसरे मैच में श्रीलंका को 31 रन से हरा दिया।

पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 116 रन बनाए और फिर शानदार गेंदबाजी करते हुए श्रीलंका को 85/9 पर रोक दिया। पाकिस्तानी कप्तान सना (2/10) ने श्रीलंका की सलामी बल्लेबाज चमारी अट्टापट्टू को आउट करके महत्वपूर्ण शुरुआती सफलता हासिल की और पाकिस्तान को जीत की राह पर ले आईं। श्रीलंका के लिए केवल सलामी बल्लेबाज विशमी गुणारत्ने (34 गेंदों पर एक चौके की मदद से 20 रन) और नीलाक्षिका सिल्वा (25 गेंदों पर 22 रन) ही दोहरे अंक तक पहुंच सकीं। पाकिस्तान के लिए सना के अलावा सादिया इकबाल ने 17 रन देकर 3 विकेट लिए। यह एक ऐसा मैच था जिसमें गेंद का काफी दबदबा रहा, श्रीलंका के गेंदबाजों ने भी पाकिस्तान पर अंकुश लगाए रखा, लगातार विकेट लेते हुए बल्लेबाजी लाइनअप को सीमित कर दिया, हालांकि कप्तान सना ने बल्ले से भी कमाल करते हुए 20 गेंदों पर 30 रन बनाए और शीर्ष स्कोरर रहीं। श्रीलंका के तीन गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें चमारी ने 18 रन देकर 3 विकेट झटके। मैच में पाकिस्तान की नई कप्तान फातिमा सना ने शारजाह में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। लेकिन श्रीलंकाई गेंदबाजों ने लगातार विकेट लेते हुए पाकिस्तानी बल्लेबाजों को दबाव में रखा।

सुगंधिका कुमारी ने दोनों सलामी बल्लेबाजों गुल फिरोजा (4 गेंदों में 2 रन) और मुनीबा अली (14 गेंदों में 11 रन) को पावरप्ले में चलता किया। इसके बाद चमारी ने सिदरा अमीन (10 गेंदों में 12 रन) को और कविशा दिलहारी और उदेशिका प्रबोधनी ने क्रमशः ओमाइमा सोहेल (19 गेंदों में 18 रन) और निदा डार (22 गेंदों में 23 रन) को आउट कर पाकिस्तान के मध्यक्रम को तोड़ दिया।

इसके बाद कप्तान फातिमा ने आलिया रियाज को बल्लेबाजी क्रम में नीचे भेजा, जिससे उनकी स्थिति फिनिशर के रूप में सामने आई। वे पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करती हैं, लेकिन इस मैच में सातवें नंबर पर आईं। लेकिन चमारी ने लगातार गेंदों पर तुबा हसन और रियाज को आउट कर पाकिस्तान को परेशानी में डाल दिया। इसके बाद कप्तान सना ने सिर्फ़ 20 गेंदों पर 30 रन बनाए, जिसकी बदौलत पाकिस्तान ने 20 ओवर में सभी विकेट खोकर 116 रन का स्कोर खड़ा किया।

जवाब में श्रीलंका की टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 85 रन ही बना सकी। श्रीलंका के लिए विशमी गुणारत्ने (20) और नीलाक्षिका सिल्वा (22 रन) ही दोहरे अंक तक पहुंच सकीं। बाकी कोई भी बल्लेबाज दहाई तक नहीं पहुंच सका।

शंघाई मास्टर्स : बोपन्ना-डोडिग की जोड़ी दूसरे दौर में पहुंची

शंघाई। भारत के रोहन बोपन्ना और उनके क्रोएशियाई साथी इवान डोडिग ने एटीपी शंघाई मास्टर्स के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। बोपन्ना और डोडिग की जोड़ी ने शुक्रवार को यहां पाब्लो कैरेनो बुस्टा और पेड्रो मार्टिनेज पर सीधे सेटों में जीत दर्ज की पांचवीं वरीयता प्राप्त इंडो-क्रोएशियाई जोड़ी ने 63 मिनट तक चले शुरुआती दौर के मैच में 6-4, 6-3 से जीत दर्ज की। बोपन्ना और डोडिग ने आठ ब्रेक प्वाइंट में से तीन को भुनाया। उन्होंने अपने सर्विस गेम में चार ब्रेक मौके भी बचाए और मैच में केवल एक बार सर्विस गंवाई। सुमित नागल और रामकुमार रामनाथन दोनों के पहले दौर में बाहर होने से भारत की एकल चुनौती पहले ही समाप्त हो चुकी है। रामकुमार ने क्वालीफाइंग राउंड के माध्यम से मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई थी जबकि नागल को सीधे प्रवेश मिला था।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

आने वाले दशकों में बड़े स्तर पर भारतीयों का जीवन स्तर बदलेगा : सीतारमण

नई दिल्ली, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि भारत अगले पांच साल में अपने प्रति व्यक्ति आय को करीब दोगुना कर लेगा।

केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण ने शुक्रवार को राजधानी के ताज पैलेस होटल में आयोजित कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन (केईसी) के तीसरे संस्करण के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले 10 साल में सरकार द्वारा किए गए संरचनात्मक सुधारों से आने वाले दशकों में आम आदमी के जीवन स्तर में सबसे तेज वृद्धि होगी। हाल के दशक में भारत का महत्वपूर्ण आर्थिक प्रदर्शन पांच वर्षों में उसके 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था तक पहुंचने में साफ नजर आता है।

सीतारमण ने कहा कि भारत के बैंकिंग क्षेत्र की सुदृढ़ता और लचीलापन, परिसंपत्ति गुणवत्ता सुधार, खराब ऋणों के लिए बेहतर प्रावधान, निरंतर पूंजी पर्याप्तता और लाभप्रदता में वृद्धि पर निरंतर नीतिगत ध्यान द्वारा समर्थित है। उन्होंने कहा कि एनपीए अनुपात कई वर्षों के निचले स्तर पर है, बैंकों के पास अब कुशल ऋण वसूली तंत्र हैं। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करना कि वित्तीय प्रणाली स्वस्थ बनी रहे और चक्र लंबे समय तक चले, हमारी एक और मुख्य नीतिगत प्राथमिकता है। इस अवसर पर 15वें वित्त आयोग के अध्यक्ष एवं सांसद एनके सिंह भी मौजूद रहे। वित्त मंत्रालय के साथ साझेदारी में आर्थिक विकास संस्थान द्वारा आयोजित कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन (केईसी) का तीसरा संस्करण 4-6 अक्टूबर तक चलेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस सम्मेलन शामिल होंगे और इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करेंगे। वहीं, केंद्रीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर समापन भाषण देंगे, जबकि भूटान के वित्त मंत्री ल्योनपो लेके दोरजी भी सम्मेलन को संबोधित करेंगे।

न्यूज़ ब्रीफ

डाक विभाग और अमेजन ने लॉजिस्टिक्स सहयोग के लिए किया करार

नई दिल्ली 04 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत में लॉजिस्टिक्स और ई-कॉमर्स को मजबूत करने के उद्देश्य से संचार मंत्रालय के तहत डाक विभाग और अमेज़न सेलर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड ने शुक्रवार को एक करार किया। इन दोनों ने इसको लेकर एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। अमेज़न और डाक विभाग 2013 से पार्सल ट्रांसमिशन के लिए भारतीय डाक के नेटवर्क का उपयोग करते हुए एक साथ काम कर रहे हैं। अपनी गहरी पहुंच के साथ डाक विभाग और दुनिया की सबसे बड़ी ई-कॉमर्स कंपनियों में से एक अमेज़न एक साथ मिलकर लॉजिस्टिक क्षमताओं को बढ़ाकर, रोजगार सृजन का समर्थन करके और आर्थिक विकास में योगदान देकर भारत के बढ़ते ई-कॉमर्स क्षेत्र को सशक्त बनाना चाहते हैं।

यह समझौता एक दीर्घकालिक साझेदारी पर आधारित है, जिसमें अमेज़न भारत भर में पार्सल के प्रसारण और वितरण के लिए व्यापक डाक नेटवर्क का लाभ उठाता है।

महिंद्रा ने छोटे इलेक्ट्रिक वाणिज्यिक वाहन खंड में प्रवेश किया

मुंबई । घरेलू वाहन विनिर्माता कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) ने छोटे इलेक्ट्रिक वाणिज्यिक वाहन खंड में उतरने की घोषणा की। कंपनी ने दो टन से कम वजन वाले खंड में इलेक्ट्रिक चार-पहिया वाहन जियो को पेश किया है। इसकी कीमत 7.52 लाख रुपये से शुरू होती है। महिंद्रा लास्ट माइल मोबिलिटी की एक अधिकारी ने कहा कि इस खंड में डीजल की तुलना में इलेक्ट्रिक उत्पाद सात वर्ष की अवधि में ग्राहकों के लिए बढ़िया मूल्य देता है। उन्होंने कहा कि इस श्रेणी का एक प्रतिशत ही अभी इलेक्ट्रिक है जबकि तिपहिया श्रेणी में यह अनुपात लगभग 20 प्रतिशत है। हमारी आकांक्षा इस अनुपात को बढ़ाने की है। उन्होंने कहा कि पारंपरिक छोटे वाणिज्यिक वाहन खंड में कंपनी की जीतो के साथ पहले से ही 14-15 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी है। मिश्रा ने बताया कि कंपनी को इस मॉडल की लगभग 12,000 इकाइयों के ऑर्डर पहले ही मिल चुके हैं। यह एक बार चार्ज करने पर 160 किलोमीटर की दूरी तय करती है।

वेदांता की दूसरी तिमाही में एल्युमीनियम, जस्ता उत्पादन में वृद्धि

नई दिल्ली । खनन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी वेदांता लिमिटेड का जुलाई-सितंबर तिमाही में उसके एल्युमीनियम, जस्ता और लौह अयस्क उत्पादन में वृद्धि हुई है। हालांकि, तिमाही के दौरान इस्पात, विदेशों में खनन धातु और तेल व गैस का उत्पादन घटा। वेदांता ने बीएसई को दी सूचना में बताया कि दूसरी (जुलाई-सितंबर) तिमाही में एल्युमीनियम उत्पादन पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में तीन प्रतिशत बढ़कर 6,09,000 टन हो गया। जिंक इंडिया में बिक्री योग्य धातु उत्पादन 2,41,000 टन से बढ़कर 2,62,000 टन हो गया। जिंक इंटरनेशनल में खनन धातु उत्पादन 34 प्रतिशत घटकर 44,000 टन रह गया, जो दूसरी तिमाही में 66,000 टन था।इस बीच, तेल व गैस उत्पादन 22 प्रतिशत घटकर 1,04,900 बीओईपीडी (प्रतिदिन तेल समतुल्य बैरल) रह गया, जो तिमाही के दौरान औसत दैनिक सकल प्रचालित उत्पादन है, जो एक वर्ष पूर्व इसी तिमाही के 1,34,100 बीओईपीडी से कम है। विक्रय योग्य लौह अयस्क का उत्पादन एक वर्ष पूर्व की समान अवधि के 12 लाख टन से बढ़कर 13 लाख टन हो गया। कुल बिक्री योग्य इस्पात उत्पादन 22 प्रतिशत घटकर 2,96,000 टन रह गया तथा बिजली की बिक्री सात प्रतिशत बढ़कर 432.2 करोड़ इकाई हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर अवधि में 404.7 करोड़ इकाई थी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

भारत पर ...

इसके लिए भारत सरकार ने करीब 132.4 अरब डॉलर की भारी-भरकम राशि का भुगतान किया। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक देश है। यही वजह है कि अगर तेल की कीमतें बढ़ती हैं तो इससे भारत के खजाने पर विपरीत असर पड़ेगा और सरकार का बजट गड़बड़ाने का आशंका है। पश्चिम एशिया के हालात को देखते हुए मौजूदा संकट के लंबा खिंचने का डर है। ऐसी स्थिति में भारत सरकार की चिंता बढ़ना स्वाभाविक है।

कच्चे तेल ...

विशेषज्ञों का कहना है कि कच्चे तेल की कीमतों में 80 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल से ऊपर की कोई भी तेज वृद्धि तभी संभव है जब संघर्ष बढ़े और प्रमुख आपूर्ति मार्गों जैसे कि होर्मुज जलडमरूमध्य बाधित हो। वैश्विक तेल शिपमेंट के लिए यह एक महत्वपूर्ण मार्ग है।

एचपीसीएल के पूर्व अध्यक्ष एमके सुराना ने कहा, भारत को ईरान से सीधे कच्चे तेल की आपूर्ति लगभग शून्य है। भारत हाल के अंतरराष्ट्रीय संघर्षों में देखी गई ऐसी स्थिति में बहुत संतुलित और परिपक्व दृष्टिकोण अपनाने में सक्षम रहा है। इसलिए, भारत के लिए कच्चे तेल की आपूर्ति कोई मुद्दा नहीं हो सकता है, लेकिन कीमतों में उतार-चढ़ाव होगा, जिसमें क्षणिक उछाल और मासिक औसत कीमतें अधिक होंगी। 80 अमेरिकी डॉलर से ऊपर कच्चे तेल की औसत कीमतों में कोई भी वृद्धि केवल स्ट्रेट ऑफ होर्मुज जैसी रसद आपूर्ति लाइनों में गंभीर संघर्ष की स्थिति में ही अपेक्षित है। हालिया घटनाक्रमों से भारत की तेल आपूर्ति सीधे तो प्रभावित होने की आशंका कम है, लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं कि बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव से कच्चे तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं। ऐसा होने से अस्थायी मूल्य वृद्धि या मासिक औसत कीमतों में बढ़ोतरी दिख सकती है। मध्य पूर्व में अस्थिरता के कारण कच्चे तेल की कीमतें पहले ही बढ़ चुकी हैं। यदि इज़राइल ईरान के तेल और गैस से जुड़े बुनियादी ढांचे पर हमला करता है (जैसा करने की उसने धमकी दी है), तो इससे कीमतों में और उछाल आ सकता है। ईरान, हर दिन लगभग 33 लाख बैरल कच्चे तेल का उत्पादन करता है। इज़राइल की ओर से कार्रवाई की स्थिति में यह होर्मुज जलडमरूमध्य को अवरुद्ध करके जवाबी कार्रवाई कर सकता है, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति में बड़ी बाधा उत्पन्न हो सकती है। विशेषज्ञों ने कहा कि ऐसा परिदृश्य भारत के लिए एक चुनौती बन जाएगा, क्योंकि देश अपनी तेल जरूरत का 88 प्रतिशत आयात करता है और अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए तेल पर बहुत अधिक निर्भर करता है।

भारत के प्रमुख ऊर्जा विशेषज्ञ नरेंद्र तनेजा ने कहा, इस तनाव से वास्तविक समस्या बहुत अधिक बड़ी हो सकती है। हमारी अर्थव्यवस्था के साथ-साथ नीति निर्माताओं के लिए भी यह एक बड़ी चुनौती साबित होगी। भारत तेल की अपनी कुल आवश्यकताओं का 88 प्रतिशत आयात करता है। मुख्य रूप से भारत रूस, इराक, सऊदी अरब, अबू धाबी और अमेरिका से तेल खरीदता है। भारत अब भी काफी हद तक एक तेल आधारित अर्थव्यवस्था है।

पश्चिम एशिया में संघर्ष तेल की कीमतों के मामले में जोखिम बढ़ाता है। कमजोर वैश्विक मांग अनुमान, चीन की आर्थिक सुधार को लेकर अनिश्चितता और ओपेक देशों की ओर से कच्चे तेल के उत्पादन में कटौती को वापस लेने की संभावना भू-राजनीतिक तनाव के असर को कम कर सकती है। इसके अलावा, लीबिया जैसे देशों में तेल उत्पादन फिर से शुरू होने से कुछ राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें अब भी भारत की अर्थव्यवस्था और नीति निर्माताओं के लिए एक बड़ी चुनौती बनी रहेंगी।

तिरुपति प्रसाद....

भरोसा बढ़ेगा। एसजी ने कहा कि देश भर में भक्त हैं, खाद्य सुरक्षा भी है। मुझे एसआईटी के सदस्यों के खिलाफ कोई शिकायत नहीं मिली।

इस पर सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया कि एक स्वतंत्र एसआईटी बनाई जाए। इसमें सीबीआई और राज्य सरकार से दो-दो सदस्य रह सकते हैं। इसके अलाव एफएसएसएआई से भी एक सदस्य को इस समिति में रखा जाए। खाद्य पदार्थों की जांच के मामले में एफएसएसएआई सबसे विशेषज्ञ शीर्ष निकाय है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह करोड़ों लोगों की आस्था का सवाल है। ऐसे में वह नहीं चाहता कि यह राजनीतिक ड्रामा बन जाए। अगर एक स्वतंत्र निकाय होगा, तो विश्वास पैदा होगा। सर्वोच्च न्यायालय ने यह टिप्पणी करते हुए याचिका का निपटारा कर दिया कि यदि कोई बात हो तो आप जांच लंबित रहने तक फिर से न्यायालय का दरवाजा खटखटा सकते हैं।

पहले इस मामले की सुनवाई गुरुवार दोपहर 3:30 बजे होनी थी। तब मेहता ने जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ से कहा था कि यदि आप अनुमति दें तो क्या मैं शुक्रवार सुबह 10:30 बजे जवाब दे सकता हूं? पीठ ने अनुरोध को स्वीकार कर लिया और कहा कि वह शुक्रवार को मामले में सुनवाई करेगी। पीठ ने 30 सितंबर को मामले की सुनवाई करते हुए मेहता से यह तय करने में मदद करने को कहा था कि राज्य के नियुक्त एसआईटी की जांच जारी रहनी चाहिए या किसी स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराई जानी चाहिए।साथ ही सुनवाई के दौरान उच्चतम न्यायालय ने पूछा था कि यह दिखाने के लिए क्या सबूत हैं कि लड्डू बनाने में मिलावटी घी का इस्तेमाल किया गया था। हम कम से कम इतनी उम्मीद करते हैं कि देवताओं को राजनीति से दूर रखा जाएगा। अगर जांच के आदेश दिए गए थे तो प्रेस में जाने की क्या जरूरत थी? तिरुपति लड्डू विवाद पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने उच्चतम न्यायालय से कहा कि यह आस्था का मामला है। अगर मिलावटी घी का इस्तेमाल किया गया है तो यह अस्वीकार्य है।

सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश सरकार से पूछा कि प्रसाद के लड्डू बनाने में दूषित घी का इस्तेमाल किया गया था या नहीं? टीडीपी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने कहा कि लोगों ने शिकायत की थी कि लड्डू का स्वाद ठीक नहीं था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि लोगों को इसकी जानकारी नहीं थी, आपने सिर्फ बयान दिया है। इस बात का कोई सबूत नहीं है कि प्रसाद के लिए दूषित घी का इस्तेमाल किया गया था। इससे पहले आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने कहा था कि लड्डू में मिलावट का मामला तो भ्रष्टाचार का एक छोटा सा नमूना है। पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में लिए गए कई और फैसले भी हैं, जिनकी जांच की जानी चाहिए। यहां गुरुवार को एक रैली को संबोधित करते हुए पवन कल्याण ने कहा कि मैं लड्डू में मिलावट के लिए युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के प्रमुख वाईएस जगन मोहन रेड्डी को व्यक्तिगत रूप से दोषी नहीं ठहरा रहा हूं, बल्कि तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) बोर्ड भी इसके लिए दोषी है, जिसका गठन पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश सरकार से पूछा कि प्रसाद के लड्डू बनाने में दूषित घी का इस्तेमाल किया गया था या नहीं? टीडीपी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने कहा कि लोगों ने शिकायत की थी कि लड्डू का स्वाद ठीक नहीं था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि लोगों को इसकी जानकारी नहीं थी, आपने सिर्फ बयान दिया है। इस बात का कोई सबूत नहीं है कि प्रसाद के लिए दूषित घी का इस्तेमाल किया गया था।

सनातन धर्म ...

को बनाए रखते हुए धार्मिक परंपराओं की रक्षा करने में सहायक होगा। इसके साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर सनातन धर्म रक्षण बोर्ड बनाने की मांग पर जोर दिया है।

हाल ही में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने एक बयान दिया था कि पूर्व की जगन मोहन रेड्डी सरकार के दौरान तिरुमला स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में प्रसाद बनाने के लिए शुद्ध घी की जगह पशुओं की चर्बी का इस्तेमाल किया जाता था। इस बात का आरोप लगाते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने दावा किया था कि पिछली सरकार के दौरान तिरुमला लड्डू की गुणवत्ता बहुत ही घटिया हो गई थी। वो पूरी तरह से अपवित्र हो गया था। वो मंगलागिरी में आयोजित एनडीए की बैठक में जन सेना पार्टी के प्रमुख पवन कल्याण और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और सांसद दग्गुबाती पुरंदेश्वरी की मौजूदगी में बोल रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया था कि वाईएसआरसीपी सरकार के दौरान तिरुमाला में न केवल भक्तों को अन्न प्रसादम के रूप में घटिया भोजन दिया, बल्कि भगवान वेंकटेश्वर को चढ़ाए जाने वाले प्रसाद को बनाने के लिए घटिया गुणवत्ता वाली सामग्री का भी इस्तेमाल किया जाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हालांकि, अब प्रसादम और भोजन की गुणवत्ता में सुधार हुआ है और इसे बेहतर बनाने के लिए कई अन्य कदम उठाए जा रहे हैं। बता दें कि हर दिन तिरुमला पहाड़ी में भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन के लिए दुनियाभर से प्रतिदिन लाखों तीर्थयात्री दर्शन के लिए आते हैं। नायडू ने कहा कि तिरुमला और भगवान वेंकटेश्वर की पवित्रता की रक्षा करना हमारा परम कर्तव्य है। भगवान वेंकटेश्वर आंध्र प्रदेश के गौरव हैं, उन्हीं के दर्शन के लिए दुनियाभर से लोग प्रदेश भर में आते हैं।

भारत को भी...

के लिए सक्रिय रूप से कदम उठा रही है। एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने इज़राइल-ईरान संघर्ष से मिले सबक और आने वाले वर्षों में भारत की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भारतीय वायुसेना की आगामी योजनाओं का खुलासा किया।हाल ही में ईरान की तरफ से इज़राइल पर किए गए मिसाइल हमलों पर बोलते हुए एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने कहा कि भारत को भी इज़राइल जैसा आयरन डोम डिफेंस एयर सिस्टम चाहिए। उन्होंने कहा, हम आयरन डोम जैसा सिस्टम खरीद रहे हैं, लेकिन हमें उनकी और जरूरत है। अभी, हमें रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों की पहचान करनी चाहिए और उन्हें प्राथमिकता देनी चाहिए, क्योंकि हमारी संख्या सीमित है। उन्होंने कहा कि अगर भारत पर इज़राइल जैसा मिसाइल हमला होता है, तो भारत भी मिसाइलों को इंटरसेप्ट कर सकता है. लेकिन सभी मिसाइलों को नहीं रोक पाएंगे, क्योंकि इज़राइल के मुकाबले भारत का क्षेत्रफल ज्यादा है। लिहाजा हमें ये देखना है कि हम उसका डिप्लॉयमेंट कहां करेंगे। उन्होंने कहा कि हमें रूस से तीन एस400 एयर डिफेंस सिस्टम मिल चुके हैं, जो ऑपरेशनल हैं और अगले साल तक बाकी दो एस400 एयर डिफेंस सिस्टम की डिलीवरी हो जाएगी। उन्होंने कहा कि रूस-यूक्रेन जंग के चलते उनकी डिलीवरी में देरी हो रही है।

जब एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह से पूछा गया कि कि क्या इज़राइल लेबनान में हिज़्बुल्लाह प्रमुख को मार सकता है, तो भारत ऐसा क्यों नहीं करता? इस पर उन्होंने जवाब दिया कि हम बालाकोट में ऐसा कर चुके हैं, कहां किसको मार सकते हैं, वो मैं नहीं बताउंगा। भारत-चीन गतिरोध को लेकर उन्होंने कहा कि पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर कोई बदलाव नहीं हुआ है। लेकिन दोनों देशों के बीच तनाव बरकरार है। एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा कि चीन अपनी सीमा पर तेजी से इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ा रहा है और हमारे सामने दुश्मन की तैयारियों से बराबरी करने की चुनौती है और वह हम अपने इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाकर और अन्य तरीकों से कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूर्वी लद्दाख में ज्यादा एडवांस लैंडिंग ग्राउंड और नए एयरबेस बना रहे हैं।

अग्निवीरों को लेकर वायुसेना प्रमुख ने कहा कि अगर हमें 25 फीसदी से ज्यादा अग्निवीरों को परमानेंट करना पड़े, तो हम इसके लिए तैयार हैं, लेकिन यह फैसला सरकार को करना है। उन्होंने आगे कहा कि हमसे कोई रिकमंडेशन नहीं मांगी गई है। अब तक अग्निवीर वायु का फीडबैक बहुत अच्छा रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय वायुसेना सिर्फ इक्विपमेंट्स पर ही ध्यान नहीं देती है, बल्कि अपने कर्मियों के कौशल को निखारने पर भी ध्यान देती है। उन्होंने वायु शक्ति, तरंग शक्ति और गगन शक्ति जैसे अभ्यासों का ज़िक्र करते हुए कहा, हम विचारों का आदान-प्रदान करने और दूसरों से सीखने के लिए बहुत सारे अभ्यास करते हैं। अकेले गगन शक्ति अभ्यास में 7,000 से ज्यादा उड़ानें भरी गईं, जो युद्ध के लिए तैयार रहने की भारतीय वायुसेना की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

एयर चीफ मार्शल ने आत्मनिर्भरता की दिशा में भारतीय वायुसेना के कोशिशों को लेकर उन्होंने कहा कि भविष्य में पूरी तरह से भारत में ही विमान और हथियार प्रणाली विकसित करने की योजना है। उन्होंने कहा, हम तेजस, तेजस एमके2, एएमसीए, एस्ट्रा और बड़ी लंबी दूरी के हथियारों को विकसित करने जैसे प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। इनमें एमआरएसएएम और आकाश जैसी सतह से हवा में मार करने वाली गाइडेड मिसाइलें भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि 2047 तक संपूर्ण वायुसेना का विकास और उत्पादन भारत में ही हो, जिसमें ड्रोन और एयर डिफेंस सिस्टम जैसी स्वदेशी तकनीकों को डेवलप करने पर जोर दिया जाएगा।

वायुसेना प्रमुख ने कहा कि भारतीय वायुसेना के लिए एक बड़ी चुनौती फाइटर जेट्स के कम होते स्क्वाड्रनों के बीच फाइटर जेट्स की ताकत को बनाए रखना है। बता दें कि भारतीय वायुसेना में इस समय फाइटर जेट्स के स्क्वाड्रन की कमी से जूझ रही है। वर्तमान में भारतीय वायुसेना के पास 31 लड़ाकू स्क्वाड्रन हैं, और अगले डेढ़ दशक में इसके अधिकांश स्क्वाड्रन फेज आउट हो जाएंगे। जबकि भारत को 42 स्क्वाड्रन की जरूरत है। मिग-21 बाइसन और मिग-29 के स्क्वाड्रन क्रमशः 2025 और 2035 तक चरणबद्ध तरीके से रिटायर हो जाएंगे। 2019 में पाकिस्तान के खिलाफ बालाकोट स्ट्राइक करने वाले फ्रांसीसी लड़ाकू विमानों मिराज-2000 भी 2035 तक रिटायर कर दिए जाएंगे। एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने माना कि हम ट्रेनिंग और हमारे पास मौजूद संसाधनों को संरक्षित करने पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं, खास तौर पर इसलिए क्योंकि तेजस के प्रोडक्शन और डिलीवरी में देरी हो रही है। उन्होंने पिछली देरी से सीखने और मीडियम रोल फाइटर एयरक्राफ्ट कार्यक्रम जैसी योजनाओं को आगे बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमने अपनी जरूरतें बहुत स्पष्ट कर दी हैं और हम जवाबों का इंतजार कर रहे हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ये विमान भारत में ही बनाए जाने चाहिए।

हिंदू मुख्यमंत्री....

सीटों पर रहा है। पार्टी ने इस क्षेत्र में विशेष रूप से अपनी ध्यान केंद्रित किया और अपने उम्मीदवारों को मजबूती से खड़ा किया था। पार्टी नेताओं का मानना है कि जम्मू की सीटों पर बेहतर प्रदर्शन करके वे प्रदेश में पूर्ण बहुमत हासिल कर सकते हैं। यदि ऐसा होता है, तो पहली बार जम्मू कश्मीर में हिंदू मुख्यमंत्री बनने की संभावना बन सकती है।

जम्मू उत्तर से उम्मीदवार और भाजपा के वरिष्ठ नेता शाम लाल शर्मा ने चुनाव प्रचार के दौरान खुलकर कहा कि यदि महाराष्ट्र में मुस्लिम मुख्यमंत्री बन सकता है, तो जम्मू कश्मीर को भी हिंदू डोगरा समुदाय से मुख्यमंत्री मिलना चाहिए। यह बयान सियासी गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है और यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या भाजपा इस बार अपनी रणनीति में सफल होती है।

जम्मू के लोगों के साथ हमेशा से भेदभाव होते आए हैं। ऐसे में, हिंदू मुख्यमंत्री बनने से जम्मू के हितों की रक्षा के दावे किए जा रहे हैं जिससे जम्मू की आर्थिक स्थिति पर भी असर पड़ने कि संभावना है। भाजपा का कहना है कि यदि जम्मू क्षेत्र का कोई नेता मुख्यमंत्री बनता है, तो प्रदेश में संतुलन कायम होगा और विकास के नए रास्ते खुलेंगे। दरअसल, केंद्र सरकार ने 2019 में जम्मू कश्मीर के विशेष राज्य के दर्जे को हटा दिया था। जिसके बाद सरकार ने परिसीमन आयोग का गठन किया था। इससे पहले, जम्मू कश्मीर में 111 सीटें थीं, जिसमें 46 कश्मीर, 37 जम्मू और 4 लद्दाख के हिस्से में आती थीं, जबकि 24 सीटों को पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के लिए रखा गया था। इस बार जम्मू कश्मीर में 90 विधानसभा और 5 लोकसभा सीटें हैं। इनमें 43 सीटें जम्मू व 47 सीटें कश्मीर घाटी में हैं।

2002 के चुनाव में कांग्रेस, पीडीपी और अन्य छोटे दलों ने मिलकर सरकार बनाई थी, जिसमें महबूबा मुफ्ती ने मुख्यमंत्री पद संभाला। 2008 में त्रिशंकु परिणाम सामने आए और नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस ने मिलकर सरकार बनाई। 2014 में भाजपा ने जम्मू में 25 सीटें हासिल की थी और पीडीपी के साथ गठबंधन करके सरकार बनाई। हालांकि, अब स्थिति अलग है और भाजपा खुले तौर पर दावा कर रही है कि यदि उसे पूर्ण बहुमत मिलता है तो मुख्यमंत्री जम्मू से ही होगा। 8 अक्टूबर को विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित किए जाएंगे और तभी यह साफ होगा कि क्या जम्मू कश्मीर को पहला हिंदू मुख्यमंत्री मिलेगा। क्या भाजपा पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगी या फिर कांग्रेस और नेकां का गठबंधन राज्य की राजनीति को एक नई दिशा देगा? यह देखना दिलचस्प होगा।

वीर सावरकर...

दिया जाता है। क्योंकि उनके व्यक्तित्व के कई पहलू हैं।

कांग्रेस नेता शिंदे ने सावरकर की प्रशंसा करते हुए यह भी लिखा कि क्या हम सावरकर में दार्शनिक और वैज्ञानिक नहीं देख सकते? सावरकर वास्तविक सामाजिक, समानता और दलितों के उद्धार के लिए खड़े थे। वीर सावरकर को लेकर राहुल गांधी कई बार भाजपा और आरएसएस पर बेतुके बयान दे चुके हैं। ऐसे में शिंदे की आत्मकथा में सावरकर की प्रशंसा से कांग्रेस चौतरफा घिर चुकी है।

इससे पहले पिछले महीने शिंदे ने अपनी किताब फाइव डेकेड्स ऑफ पॉलिटिक्स के विमोचन के मौके पर भी कांग्रेस शासन में जम्मू-कश्मीर में कितना भयावह मंजर था इसका खुलासा किया था। उन्होंने कहा था, गृहमंत्री बनने से पहले मैं विजय धर (शिक्षाविद) के पास मिलने जाता था और उनसे सलाह भी मांगता था। उन्होंने मुझे ऐसी असली सलाह दी कि सुशील तू इधर-उधर मत भटक। लाल चौक में जाकर घूमना नहीं, बल्कि कुछ लोगों से मिलो और डल झील में घूमो।

एससीओ समिट....

इन शहरों में उनके व्यापारिक कार्यक्रम होंगे। पश्चिम एशिया के संकट पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, भारत ने कुछ दिन पहले एक बयान जारी कर गहरी चिंता व्यक्त की थी। हमने कहा कि हिंसा और स्थिति हमारे लिए गहरी चिंता का विषय है। हमने सभी संबंधित पक्षों से संयम बरतने और नागरिकों की सुरक्षा का पर जोर दिया था। हमारी राय में यह महत्वपूर्ण है कि हिंसक संघर्ष व्यापक क्षेत्रीय आयाम न ले ले। अभी तक इज़राइल, ईरान और अन्य देशों से उड़ानें संचालित की जा रही हैं। इसलिए लोगों के पास विकल्प है कि वे सुरक्षित जगहों पर जा सकते हैं।

उन्होंने बताया कि संकट में फंसे परिवारों ने भारत सरकार और हमारे दूतावासों से संपर्क किया है, लेकिन फिलहाल सरकार कोई निकासी प्रक्रिया नहीं चला रही है। लेबनान में हमारे करीब 3,000 लोग हैं, जिनमें से ज़्यादातर बेरूत में हैं। ईरान में, हमारे करीब 10,000 लोग हैं, जिनमें से करीब 5,000 छात्र हैं। इज़राइल में हमारे करीब 30,000 लोग हैं जिनमें से ज़्यादातर देखभाल करने वाले और कर्मचारी हैं।

पाकिस्तान दौरे पर गए जाकिर नाइक से जुड़े एक सवाल पर विदेश मंत्रालय ने कहा, हमने वे रिपोर्ट्स देखी हैं जिसमें जाकिर नाइक को पाकिस्तान में लाने की खबरें हैं। उसका गर्मजोशी से स्वागत किया भी किया गया है। हमारे लिए यह आश्चर्य की बात नहीं है कि एक भारतीय भगोड़े का पाकिस्तान में उच्च-स्तरीय स्वागत किया गया है। यह निराशाजनक और निंदनीय है लेकिन आश्चर्यजनक नहीं है, क्योंकि यह पाकिस्तान के चरित्र के अनुरूप है।

दुर्गा पूजा से ...

वह मंदिर से गए थे, तब मूर्तियां सही सलामत थीं, लेकिन अगले दिन जब लौटे तो उन्होंने पाया कि मूर्तियों के सिर काट दिए गए थे। बिजन पाल ने यह भी बताया कि क्षतिग्रस्त मूर्तियों की मरम्मत की कोशिश की जा रही है। सुजानगर उपजिला के कार्यकारी अधिकारी मोहम्मद रशेदुज्जमान ने इस घटना को अलग-थलग घटना बताने की कोशिश की। उन्होंने कहा, यह एक अलग घटना है। हम दोषियों की तलाश कर रहे हैं ताकि उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सके। साथ ही हर मंदिर की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय लोगों की एक समिति भी बनाई गई है।

सुजानगर उपजिला पूजा उत्सव परिषद के अध्यक्ष सुबोध कुमार नोटो ने हिंदू मंदिरों पर हुए इन लगातार दो हमलों पर चिंता जताई है। इस बीच, गुरुवार 3 अक्टूबर को ढाका डिवीजन के किशोरगंज में गोपीनाथ जीउर अखाड़ा दुर्गा पूजा मंडप में 7 हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियां तोड़ डाली गईं। इस्लामी कट्टरपंथियों ने दीवार फांदकर मूर्तियों के सिर तोड़ दिए। इस घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने स्थल का दौरा किया और नुकसान का जायजा लिया। इस तोड़फोड़ के विरोध में हिंदू समुदाय के लोगों ने उसी दिन एक विरोध मार्च निकाला, जो कई सड़कों से होते हुए जिला आयुक्त कार्यालय के सामने आकर खत्म हुआ।

जिला आयुक्त फौजिया खान और पुलिस अधीक्षक मोहम्मद हसन चौधरी ने हिंदुओं को आश्वासन दिया कि दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। गोपीनाथ जीउर अखाड़ा दुर्गा पूजा उत्सव समिति के अध्यक्ष लिटन सरकार ने इस घटना पर गहरी नाराजगी जताई और कहा, यहां पहले भी दुर्गा पूजा का आयोजन होता रहा है, लेकिन पहले कभी इस तरह की तोड़फोड़ नहीं हुई। जो लोग इस घटना के पीछे हैं, उनका मकसद सांप्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ना है। उन्हें तुरंत गिरफ्तार किया जाना चाहिए। जिला पूजा उत्सव समिति के अध्यक्ष नारायण दत्ता प्रदीप ने भी कहा, इस तोड़फोड़ से हिंदू समुदाय बहुत दुखी है। अब हर कोई डर के माहौल में है। अगर इस तरह की घटनाएं जारी रहती हैं, तो हम अपने धार्मिक त्य1हार कैसे मना पाएंगे?

पुलिस अधीक्षक ने जनता को भरोसा दिलाते हुए कहा है कि सुरक्षा एजेंसियां अपराधियों को पकड़ने के लिए पूरी सक्रियता से काम कर रही हैं। उन्होंने कहा, हम इस मामले में सख्त कदम उठा रहे हैं। दोषियों को जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा और हम उम्मीद करते हैं कि दुर्गा पूजा सुरक्षित और धूमधाम से मनाई जा सकेगी। जिला आयुक्त फौजिया खान की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट कार्यालय में एक इमरजेंसी मीटिंग बुलाई गई, जिसमें पुलिस, सेना और आरएबी के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। इस बैठक में हिंदू नेताओं ने दोषियों की गिरफ्तारी की मांग दोहराई। इस साल 2024 में किशोरगंज के 13 उपजिलों में कुल 363 दुर्गा पूजा मंडप बनाए जाने की योजना है। हाल की घटनाओं को देखते हुए जिला प्रशासन ने सभी पूजा मंडपों की सुरक्षा को और बढ़ा दिया है ताकि उत्सव शांतिपूर्ण और सुरक्षित रूप से मनाया जा सके।

हिंदुओं पर...

प्रस्ताव के अनुसार, साल 1971 में हुए नरसंहार में 28 लाख लोग मारे गए थे और इस दौरान दो लाख महिलाओं के साथ दुष्कर्म हुआ, जिनमें अधिकतर हिंदू महिलाएं शामिल थीं। उसके बाद से ही बांग्लादेश में हिंदू जनसंख्या में गिरावट जारी है और 1971 में जहां बांग्लादेश में हिंदू जनसंख्या 20 प्रतिशत थी, वो अब घटकर 8.9 प्रतिशत रह गई है। अब बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार गिरने और वहां नई कार्यवाहक बनने के बाद से अल्पसंख्यक हिंदुओं के खिलाफ हिंसा की घटनाएं बढ़ी हैं।

एक अन्य आयोजक पंकज मेहता ने कहा कि अब समय आ गया है, जब मानवाधिकार परिषद राजनीति को किनारे रखकर 1971 में बांग्लादेश में हुए नरसंहार को मान्यता दे। यह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद दूसरा सबसे बड़ा नरसंहार है। अमेरिका के तीन संगठन पहले ही इस नरसंहार को मान्यता दे चुके हैं, जिसमें पाकिस्तान के सुरक्षाबलों ने इस्लामी सहयोगियों के साथ मिलकर हिंदू अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया था।

एक अन्य आयोजक सुरजीत चौधरी ने भी अमेरिका की सरकार से अपील की कि बांग्लादेश सरकार हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा को रोकने के लिए दबाव बनाए। बांग्लादेश में कट्टरपंथी ताकतों का उभार चिंता का विषय है और इससे भारत को भी खतरा है। आयोजकों ने अमेरिका के लोगों से बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा रुकने तक बांग्लादेशी कपड़ों का बायकॉट करने की अपील की। बांग्लादेश के कुल निर्यात का 85 फीसदी कपड़ा ही है।

दावा किया जा रहा है कि बांग्लादेश में करीब दो लाख हिंदू हिंसा, लिंचिंग, अपहरण और जबरन नौकरी से इस्तीफा दिलाने जैसी प्रताड़ना झेल रहे हैं। बांग्लादेश में फिलहाल 1.3 करोड़ से 1.5 करोड़ हिंदू रह रहे हैं। 5 अगस्त 2024 को शेख हसीना की सरकार के सत्ता से बेदखल होने के बाद से हिंदुओं पर हजारों की तादाद में हमले हुए हैं।

नवरात्रि मे सिमटा है जीवन का हर पहलू

भारत में नवरात्रि को पर्व के रूप में मनाया जाता है। सबसे ज्यादा लोकप्रिय शारदीय नवरात्रि है, जोकि वर्तमान समय में पूरे देशभर में धूमधाम से मनाया जाता है। शायद ही किसी को पता हो कि एक वर्ष में 4 नवरात्रि होते हैं। प्रत्येक नवरात्रि के अलग-अलग महत्व होते हैं। देवी पुराण में ऐसा कहा गया है कि साल भर में मुख्य रुप से नवरात्र का त्योहार 2 बार आता है।

नवरात्र शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है- नव और रात्र। नव का अर्थ है नौ और रात्र शब्द में पुनः दो शब्द निहित हैं: रा+त्रि। रा का अर्थ है रात और त्रि का अर्थ है जीवन के तीन पहलू- शरीर, मन और आत्मा।

इंसान को तीन तरह की समस्याएं घेर सकती हैं- भौतिक, मानसिक और आध्यात्मिक। इन समस्याओं से जो छुटकारा दिलाती है वह रात्रि है। रात्रि या रात आपको दुख से मुक्ति दिलाकर आपके जीवन में सुख लाती है। इंसान कैसी भी परिस्थिति में हो, रात में सबको आराम मिलता है। रात की गोद में सब अपने सुख-दुख किनारे रखकर सो जाते हैं

साल में दो बार नवरात्र रखने का विधान है। चैत्र मास में शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से नौ दिन अर्थात नवमी तक, ओर इसी प्रकार ठीक छह महीने बाद आश्विन मास, शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से नवमी तक माता की साधना और सिद्धि प्रारम्भ होती है। दोनों नवरात्रों में शारदीय नवरात्रों को ज्यादा महत्व दिया जाता है। नवरात्र के नौ दिनों में यज्ञ और हवन का सिलसिला चलता रहता है। ये यज्ञ संसार में दुख और दर्द के हर तरह के प्रभाव को दूर कर देते हैं। नवरात्रि के हर दिन का अपना महत्व और प्रभाव है और उस दिन के अनुरूप ही यज्ञ और हवन किए जाते हैं। जीवन में हमें बुरे और अच्छे दोनों तरह के गुण प्रभावित करते हैं।

नवरात्र हमें यह सिखाते हैं कि किस तरह इंसान अपने अंदर की मूलभूत अच्छाइयों से नकारात्मकता पर विजय प्राप्त कर सकता है और स्वयम् के अलौकिक स्वरूप से साक्षात्कार कर सकता है। जिस तरह मां के गर्भ में नौ महीने पलने के बाद ही एक जीव का निर्माण होता है ठीक वैसे ही ये नौ दिन हमें अपने मूल रूप, अपनी जड़ों तक वापस ले जाने में अहम भूमिका अदा करते हैं। इन नौ दिनों का ध्यान, सत्संग, शांति और ज्ञान प्राप्ति के लिए उपयोग करना चाहिए।

हिन्दू पंचाग के अनुसार चैत्र यानि मार्च-अप्रैल में मां दुर्गा के पहले नवरात्र पर 9 दिन आराधना जाती है, जिन्हें वासंतीय नवरात्र कहा जाता है। अश्विन मास यानि सितम्बर-अक्टूबर में आने वाले नवरात्र को मुख्य नवरात्र कहा जाता है, जिसे जनमानस शारदीय नवरात्र के नाम से जानता है। शारदीय नवरात्र के बाद से ही देश भर में त्योहारों की धूम मच जाती है। शारदीय नवरात्र के समापन पर ही दशहरे का त्योहार मनाया जाता है जो कि अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक है। इसके अलावा एक वर्ष के भीतर 2 गुप्त नवरात्रि भी मनाई जाती है जो गृहस्थों के लिए नहीं होती है। यह दोनों नवरात्रि आषाढ़ यानि जून-जुलाई और दूसरा माघ यानि जनवरी-फरवरी में आते हैं।

इस प्रकार से साल में चार नवरात्रि आती हैं। जिसमें जनसामान्य के लिए बासंतिक और शारदीय नवरात्रि ही प्रमुख है। दो गुप्त नवरात्रों में ऋषि मनीषि साधना और आराधना करते हैं।

अजमेर की प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्या ने बताया कि पंचांग के अनुसार, आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि का आरंभ 3 अक्टूबर की सुबह 12:19 मिनट से होगा और इसका समापन अगले दिन 4 अक्टूबर की सुबह 2:58 मिनट पर होगा। उदया तिथि के अनुसार, शारदीय नवरात्रि गुरुवार 3 अक्टूबर 2024 से आरंभ होंगी और इस पर्व का समापन शनिवार 12 अक्टूबर 2024 को होगा। शक्ति स्वरूपा मां दुर्गा की आराधना के लिए नवरात्रा सर्वोत्तम समय माना जाता है। भगवान राम ने नवरात्र में मां भगवती की आराधना से देवी को प्रसन्न कर विजयादशमी के दिन रावण का संहार किया था।

नौ दिन तक चलने वाले पर्व नवरात्रि के तीन-तीन दिन तीन देवियों को समर्पित होते हैं। ये तीन देविया हैं- मां दुर्गा (शौर्य की देवी), मां लक्ष्मी (धन की देवी) और मां सरस्वती (ज्ञान की देवी)। इन नौ दिनों में बाकी सारे क्रियाकलापों से ऊपर समारोह और व्रत को प्राथमिकता दी जाती है। हर शाम को डांडिया और गरबा जैसे धार्मिक नृत्य के जरिए मां दुर्गा की पूजा की जाती है।

यह उत्सव आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की प्रथमा तिथि को आरंभ होता है। इस दौरान नौ ग्रहों की प्रतिष्ठा की जाती है। 8वें और 9वें दिन मां दुर्गा की पूजा के साथ विजयाष्टमी और महानवमी मनाई जाती है। इस दौरान 700 श्लोकों वाली दुर्गा शप्तशती जिसे देवी महात्म्य के नाम से भी जाना जाता है, का पाठ किया जाता है साथ ही दुर्गा चालीसा और देवी को समर्पित विभिन्न मंत्रों एवं श्लोकों के जरिए उन देवियों की आराधना की जाती है जिन्होंने दुष्टों का संहार किया।

पहले तीन दिन शक्ति और ऊर्जा की देवी मां दुर्गा को समर्पित होते हैं।

दूसरे तीन दिनः इन तीन दिनों में शांति और धन-सौभाग्य की देवी मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है।

तीसरे दो दिनः नवरात्र के 7वें और 8वें दिनों में मां सरस्वती की पूजा-अर्चना की जाती है जो ज्ञान और आध्यात्म की प्रतीक हैं। ज्ञान एवम् आध्यात्म सांसारिक मोह-माया से हमारी मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करते हैं। आठवें दिन यज्ञ किया जाता है।

महानवमीः इस रंगबिरंगे, ऊर्जा से भरपूर पर्व का समापन महानवमी को होता है। इस दिन कन्या पूजा की जाती है। नौ कुंवारी कन्याओं को भोजन कराया जाता है। इन नौ कन्याओं की पूजा मां के नौ रूप मानकर की जाती है।

आश्विन मास में शुक्लपक्ष कि प्रतिपदा से प्रारम्भ होकर नौ दिन तक चलने वाले नवरात्र शारदीय नवरात्र कहलाते हैं। नव का शाब्दिक अर्थ नौ है और इसे नव अर्थात नया भी कहा जाता है। शारदीय नवरात्रों में दिन छोटे होने लगते है। मौसम में परिवर्तन शुरू हो जाता है। प्रकूति सर्दी की चादर में लिपटने लगती है। ऋतु के परिवर्तन का प्रभाव लोगों को प्रभावित न करे, इसलिए प्राचीन काल से ही इन दिनों में नौ दिनों के उपवास का विधान है।

दरअसल, इस दौरान उपवासक संतुलित और सात्विक भोजन कर अपना ध्यान चिंतन और मनन में लगकर स्वयं को भीतर से शक्तिशाली बनाता है। इससे न वह उत्तम स्वास्थ्य प्राप्त करता है बल्कि वह मौसम के बदलाव को सहने के लिए आंतरिक रूप से खुद को मजूबत भी करता है।नवरात्रों में माता के नौ रुपों की आराधना की जाती है। माता के इन नौ रुपों को हम देवी के विभिन्न रूपों की उपासना, उनके तीर्थो के माध्यम से समझ सकते है।

नवरात्र का वैज्ञानिक आधार

नवरात्रि हिंदुओं के पवित्र त्योहारों में से एक है। इन 9 दिनों में नौ-दुर्गा की पूजा-अर्चना की जाती है। साल में दो बार चैत्र नवरात्रि और शारदीय नवरात्रि के रूप में मां दुर्गा के नौ रूपों की अराधना की जाती है। इस दौरान घर-घर में भजन-कीर्तन आदि का आयोजन होता है। शारदीय नवरात्रि को पूर्वी भारत में दुर्गापूजा और पश्चिमी भारत में डांडिया के रूप में मनाया जाता है।

नवरात्र शब्द से 'नव अहोरात्रों (विशेष रात्रियां) का बोध' होता है। इस समय शक्ति के नव रूपों की उपासना की जाती है क्योंकि 'रात्रि' शब्द सिद्धि का प्रतीक माना जाता है। भारत के प्राचीन ऋषि-मुनियों ने रात्रि को दिन की अपेक्षा अधिक महत्व दिया है। यही कारण है कि दीपावली, होलिका, शिवरात्रि और नवरात्र आदि उत्सवों को रात में ही मनाने की परंपरा है। यदि, रात्रि का कोई विशेष रहस्य न होता तो ऐसे उत्सवों को रात्रि न कह कर दिन ही कहा जाता। जैसे- नवदिन या शिवदिन। लेकिन हम ऐसा नहीं कहते।

नवरात्र के वैज्ञानिक महत्व को समझने से पहले हम नवरात्र को समझ लेते हैं। मनीषियों ने वर्ष में दो बार नवरात्रों का विधान बनाया है- विक्रम संवत के पहले दिन अर्थात चैत्र मास शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा (पहली तिथि) से नौ दिन अर्थात नवमी तक। इसी प्रकार इसके ठीक छह मास पश्चात् आश्विन मास शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से महानवमी अर्थात विजयादशमी के एक दिन पूर्व तक नवरात्र मनाया जाता है। लेकिन, फिर भी सिद्धि और साधना की दृष्टि से शारदीय नवरात्रों को ज्यादा महत्व-पूर्ण माना गया है। इन नवरात्रों में लोग

अपनी आध्यात्मिक और मानसिक शक्ति संचय करने के लिए अनेक प्रकार के व्रत, संयम, नियम, यज्ञ, भजन, पूजन, योग-साधना आदि करते हैं। यहां तक कि कुछ साधक इन रात्रियों में पूरी रात पद्मासन या सिद्धासन में बैठकर आंतरिक त्राटक या बीज मंत्रों के जाप द्वारा विशेष सिद्धियां प्राप्त करने का प्रयास करते हैं। नवरात्रों में शक्ति के 51 पीठों पर भक्तों का समुदाय बड़े उत्साह से शक्ति की उपासना के लिए एकत्रित होता है और जो उपासक इन शक्ति पीठों पर नहीं पहुंच पाते वे अपने निवास स्थल पर ही शक्ति का आह्वान करते हैं।

हालांकि आजकल अधिकांश उपासक शक्ति पूजा रात्रि में नहीं बल्कि पुरोहित को दिन में ही बुलाकर संपन्न करा देते हैं। यहां तक कि सामान्य भक्त ही नहीं अपितु, पंडित और साधु-महात्मा भी अब नवरात्रों में पूरी रात जागना नहीं चाहते और ना ही कोई आलस्य को त्यागना चाहता है। आज कल बहुत कम उपासक ही आलस्य को त्याग कर आत्मशक्ति, मानसिक शक्ति और यौगिक शक्ति की प्राप्ति के लिए रात्रि के समय का उपयोग करते देखे जाते हैं।

जबकि मनीषियों ने रात्रि के महत्व को अत्यंत सूक्ष्मता के साथ वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य में समझने और समझाने का प्रयत्न किया। अब तो यह एक सर्वमान्य वैज्ञानिक तथ्य भी है कि रात्रि में प्रकृति के बहुत सारे अवरोध खत्म हो जाते हैं। हमारे ऋषि-मुनि आज से कितने ही हजारों-लाखों वर्ष पूर्व ही प्रकृति के इन वैज्ञानिक रहस्यों को जान चुके थे। आप अगर ध्यान दें तो पाएंगे कि अगर दिन में आवाज दी जाए, तो वह दूर तक नहीं जाती है, किंतु यदि रात्रि में आवाज दी जाए तो वह बहुत दूर तक जाती है। इसके पीछे दिन के कोलाहल के अलावा एक वैज्ञानिक तथ्य यह भी है कि दिन में सूर्य की किरणें आवाज की तरंगों और रेडियो तरंगों को आगे बढ़ने से रोक देती हैं।

रेडियो इस बात का जीता-जागता उदाहरण है। आपने खुद भी महसूस किया होगा कि कम शक्ति के रेडियो स्टेशनों को दिन में पकड़ना अर्थात सुनना मुश्किल होता है जबकि सूर्यास्त के बाद छोटे से छोटा रेडियो स्टेशन भी आसानी से सुना जा सकता है। इसका वैज्ञानिक सिद्धांत यह है कि सूर्य की किरणें दिन के समय रेडियो तरंगों को जिस प्रकार रोकती हैं ठीक उसी प्रकार मंत्र जाप की विचार तरंगों में भी दिन के समय रुकावट पड़ती है। इसीलिए ऋषि-मुनियों ने रात्रि का महत्व दिन की अपेक्षा बहुत अधिक बताया है। मंदिरों में घंटे और शंख की आवाज के कंपन से दूर-दूर तक वातावरण कीटाणुओं से रहित हो जाता है।

यही रात्रि का तर्कसंगत रहस्य है। जो इस वैज्ञानिक तथ्य को ध्यान में रखते हुए रात्रियों में संकल्प और उच्च अवधारणा के साथ अपनी शक्तिशाली विचार तरंगों को वायुमंडल में भेजते हैं, उनकी कार्यसिद्धि अर्थात मनोकामना सिद्धि, उनके शुभ संकल्प के अनुसार उचित समय और ठीक विधि के अनुसार करने पर अवश्य होती है।

नवरात्र के पीछे का वैज्ञानिक आधार यह है कि पृथ्वी द्वारा सूर्य की परिक्रमा काल में एक साल की चार संधियां हैं जिनमें से मार्च व सितंबर माह में पड़ने वाली गोल संधियों में साल के दो मुख्य नवरात्र पड़ते हैं। इस समय रोगाणु आक्रमण की सर्वाधिक संभावना होती है। ऋतु संधियों में अक्सर शारीरिक बीमारियां बढ़ती हैं। अतः उस समय स्वस्थ रहने के लिए तथा शरीर को शुद्ध रखने के लिए और तन-मन को निर्मल और पूर्णतः स्वस्थ रखने के लिए की जाने वाली प्रक्रिया का नाम 'नवरात्र' है।

ज्योतिषाचार्या नीतिका शर्मा
अजमेर

नवरात्रि में नौ दिन या नौ रात को गिना जाना चाहिए?

ज्योतिषाचार्या नीतिका शर्मा ने बताया कि अमावस्या की रात से अष्टमी तक या पड़वा से नवमी की दोपहर तक व्रत नियम चलने से नौ रात यानी 'नवरात्र' नाम सार्थक है। चूंकि यहां रात गिनते हैं इसलिए इसे नवरात्र यानि नौ रातों का समूह कहा जाता है। रूपक के द्वारा हमारे शरीर को नौ मुख्य द्वारों वाला कहा गया है और, इसके भीतर निवास करने वाली जीवनी शक्ति का नाम ही दुर्गा देवी है।

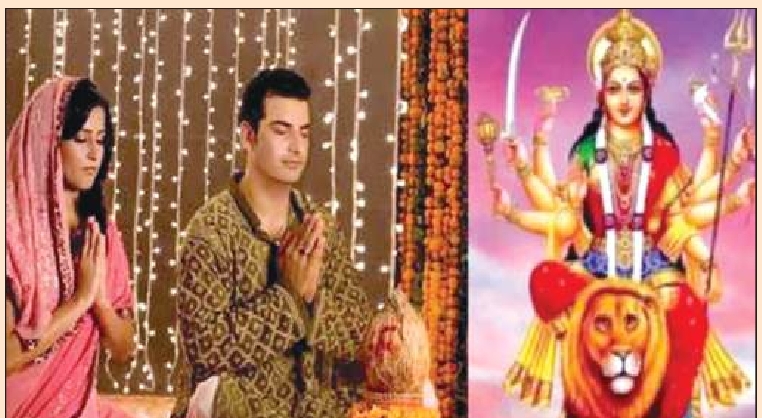

इन मुख्य इन्द्रियों में अनुशासन, स्वच्छ्ता, तारतम्य स्थापित करने के प्रतीक रूप में, शरीर तंत्र को पूरे साल के लिए सुचारू रूप से क्रियाशील रखने के लिए नौ द्वारों की शुद्धि का पर्व नौ दिन मनाया जाता है। इनको व्यक्तिगत रूप से महत्व देने के लिए नौ दिन, नौ दुर्गाओं के लिए कहे जाते हैं।

हालांकि शरीर को सुचारू रखने के लिए विरेचन, सफाई या शुद्धि प्रतिदिन तो हम करते ही हैं किन्तु अंग-प्रत्यंगों की पूरी तरह से भीतरी सफाई करने के लिए हर 6 माह के अंतर से सफाई अभियान चलाया जाता है जिसमें सात्विक आहार के व्रत का पालन करने से शरीर की शुद्धि, साफ-सुथरे शरीर में शुद्ध बुद्धि, उत्तम विचारों से ही उत्तम कर्म, कर्मों से सच्चरित्रता और क्रमशः मन शुद्ध होता है, क्योंकि स्वच्छ मन मंदिर में ही तो ईश्वर की शक्ति का स्थायी निवास होता है।

द कश्मीर फाइल्स के बाद विवेक अग्निहोत्री की द दिल्ली फाइल्स करेगी डबल धमाका

फिल्म मेकर विवेक रंजन अग्निहोत्री हमेशा अपनी फिल्मों के जरिए सुर्खियां बटोरने के लिए जाने जाते हैं। वो अपनी फिल्मों के जरिए विवादित मुद्दों को उठाते हैं और हलचल पैदा कर देते हैं। द ताशकंद फाइल्स, द कश्मीर फाइल्स और द वैक्सीन वॉर जैसी सफल फिल्में बनाने के बाद, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म मेकर अपनी अगली फिल्म द दिल्ली फाइल्स के साथ एक और दिलचस्प कहानी कहने के लिए तैयार हैं। इस फिल्म ने अपने अनाउंसमेंट के बाद से ही खबरों में जगह बनाई हुई है। इसके अलावा फिल्ममेकर ने इसे अनोखा बनाने के लिए अपनी टीम के साथ मिलकर एक लंबी और गहन रिसर्च की है।

अग्निहोत्री ने इस फिल्म के लिए प्रोड्यूसर अभिषेक अग्रवाल के साथ फिर से हाथ मिलाया है, जिन्होंने द कश्मीर फाइल्स की मेकिंग में अहम भूमिका निभाई थी। इस फिल्म को काफी तारीफ मिली थी और इसने बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छा परफॉर्म किया था। अब मेकर्स ने फिल्म द दिल्ली फाइल्स की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है, जो दो पार्ट्स में बनाई जाएगी। ऐसे में उन्होंने खुलासा किया है कि द दिल्ली फाइल्स – द बंगाल चैप्टर

15 अगस्त, 2025 को रिलीज होगी।विवेक रंजन अग्निहोत्री ने सोशल मीडिया पर द दिल्ली फाइल्स – द बंगाल चैप्टर का एक दिलचस्प पोस्टर साझा करते हुए इसकी रिलीज की तारीख की घोषणा की है। साथ ही उन्होंने कैप्शन में लिखा है, अपने कैलेंडर पर मार्क करें 15 अगस्त, 2025।

कई सालों के रिसर्च के बाद द दिल्ली फाइल्स की कहानी एक पार्ट के लिए बहुत शक्तिशाली है। हम आपके लिए द बंगाल चैप्टर लाने के लिए उत्साहित हैं – दो पार्ट में से पहला, जो हमारे इतिहास के एक अहम चैप्टर से पर्दा उठाता है। विवेक रंजन अग्निहोत्री ने अपनी फिल्म के लिए गहराई से रिसर्च करने के लिए लंबी यात्रा तय की है। वो केरल से लेकर कोलकाता और दिल्ली तक अलग-अलग जगहों पर गए और जानकारी इकट्ठा की। उन्होंने 100 से ज्यादा किताबें और 200 से ज्यादा लेख पढ़े, जो उनकी फिल्म की पटकथा को मजबूत बनाने में मदद करेंगे। इसके अलावा उन्होंने और उनकी टीम ने 20 राज्यों में यात्रा की और 7000 से ज्यादा रिसर्च पेजेज और 1000 से ज्यादा आर्काइव आर्टिकल्स की स्टडी की है, जो उनकी फिल्म को और भी प्रभावी बनाने में मदद करेंगे।

अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2: द रूल का काउंट डाउन शुरू, नवंबर के दूसरे सप्ताह ट्रेलर होगा रिलीज!

सुकुमार द्वारा निर्देशित अल्लू अर्जुन स्टारर पुष्पा 2: द रूल भारतीय सिनेमा की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है. इस एक्शन फिल्म की शूटिंग जोरों पर चल रही है और मेकर्स 6 दिसंबर, 2024 को रिलीज के लिए तैयारी कर रहे हैं. मेकर्स ने हाल ही में मेकर्स ने 75 डेज टू पुष्पा पोस्टर जारी किया और सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया. रिपोर्ट्स के मुताबिक अब ट्रेलर की रिलीज डेट भी सामने आ गई है। तो आइए जानते हैं कब हो सकता है पुष्पा 2 का ट्रेलर रिलीज.खबरों के मुताबिक सुकुमार और अल्लू अर्जुन, माइथ्री प्रोडक्शन के साथ नवंबर के दूसरे सप्ताह में पुष्पा 2 का ट्रेलर जारी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं. पुष्पा 2 का जबरदस्त तरीके से प्रमोशन किया जा रहा है और मेकर्स नवंबर के दूसरे वीक में ट्रेलर के साथ अपनी दुनिया को अपने दर्शकों के लिए खोलने की योजना बना रहे हैं. प्लान ये है कि 6 दिसंबर को रिलीज के लिए 3 सप्ताह का जबरदस्त प्रमोशन किया जाएगा. रिपोर्ट्स के मुताबिक पुष्पा 2 में भी जबरदस्त एक्शन सीन्स होंगे. पुष्पा: द राइज हिंदी में भी ब्लॉकबस्टर साबित हुई इसीलिए दर्शकों को सीक्वल से उम्मीदें भी बढ़ गई हैं हालांकि फिल्म के टीजर को दर्शकों का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। अल्लू अर्जुन के साथ सुकुमार ड्रामा और एक्शन का जबरदस्त तड़का लगाने को तैयार हैं। हाल ही में देवरा के मेकर्स ने पुष्पा 2 का टीजर देवरा की स्क्रीनिंग के बीच दिखाते हुए दर्शकों को जबरदस्त सरप्राइज दिया है, इस सरप्राइज को देखकर दर्शक काफी खुश हुए. सोशल मीडिया पर थिएटर का एक वीडियो वायरल है जिसमें पुष्पा 2 का टीजर सामने आने पर दर्शक झूम उठे और पूरा थिएटर तालियों से गूंज उठा.सुकुमार निर्देशित इस फिल्म में अल्लू अर्जुन लीड रोल में हैं उनके साथ फिल्म में रश्मिका मंदाना और फहद फासिल भी खास रोल में हैं। फिल्म 6 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

मौनी रॉय ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान पहनी अतरंगी ड्रेस

टीवी से बॉलीवुड तक का सफर तय करने वाली एक्ट्रेस मौनी रॉय किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने लंदन फैशन वीक के दौरान की फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनके आउटफिट को देखकर लोगों ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया है। यूजर्स उनके इस ड्रेस की तुलना बोरे से करने लगे हैं।एक्ट्रेस मौनी रॉय अपने स्टनिंग फैशन स्टेटमेंट्स के कारण सोशल मीडिया पर चर्चाएं बटौरती रहती हैं।

उनका लुक इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है। एक्ट्रेस भले ही इन दिनों किसी टीवी सीरियल में नहीं दिखाई दे रही हैं, लेकिन आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोज से फैंस का अटेंशन अपनी ओर खींच लेती हैं।अब हाल ही में एक्ट्रेस मौनी रॉय ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान की फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने अतरंगी आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें उनके लुक को देखकर लोग दंग रह गए हैं।बताते चलें कि मौनी रॉय के हर एक लुक का दीदार करने के लिए फैंस उनकी तस्वीरों का बेसब्री से इंतजार करते हैं लेकिन इस बार उन्होंने कुछ ऐसा कर दिया है, जिसकी वजह से यूजर्स ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया है।मौनी रॉय ने अपनी फोटोज क्लिक करवाते हुए ब्लैक एंड व्हाइट कलर का आउटफिट पहना हुआ है, जिसकी फोटोज और वीडियोज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। वहीं, लोगों ने उनका ये लुक देखकर मजाक उड़ाना शुरू कर दिया है।एक यूजर ने कॉमेंट करते हुए लिखा है- ये बोरा क्यूं पहन लिया। दूसरे ने लिख- मेरा कंबल वापिस करो। तीसरे यूजर ने लिखा है- गरीब का कंबल चुरा लिया तुम्हें शर्म नहीं आती क्या। वहीं, अन्य यूजर ने उनके इस लुक को चटाई बता दिया।बता दें कि एक्ट्रेस ने अपने इस आउटलुक को कंप्लीट करने के लिए डार्क मेकअप किया है। साथ ही उन्होंने आंखों में काजल लगा कर कजरारी निगाहों से फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लिया है।

श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव स्टारर हॉरर कॉमेडी स्त्री 2 के थिएटर में 50 दिन पूरे

स्त्री 2 लगातार अपने बॉक्स ऑफिस कलेक्शन सो सबको हैरानी में डाल रही है। हाल ही में फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 50 दिन पूरे कर लिए हैं। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 619।66 करोड़ रुपये की कमाई की है। बुधवार को फिल्म ने 2।10 करोड़ रुपये कमाए और कुल मिलाकर फिल्म ने लगभग 620 करोड़ रुपये की शानदार कमाई कर ली है। स्त्री 2 बॉक्स ऑफिस पर इतनी बड़ी कमाई करने वाली पहली घरेलू हिंदी फिल्म बन गई है और इसने पठान, जवान, गदर 2 और इस साल की सबसे बड़ी रिलीज को पछाड़ दिया है।ट्रेड एक्सपर्ट तरण आदर्श ने अपने एक्स अकाउंट पर बॉक्स ऑफिस पर स्त्री 2 के शानदार प्रदर्शन को शेयर किया। उन्होंने लिखा- स्त्री2 50 दिनों की शानदार कमाई का जश्न मना रही है। न केवल बड़े शहरों में बल्कि टियर-2 और टियर-3 शहरों में भी दर्शकों के बीच स्त्री 2 का क्रेज बरकरार है। फिल्म के प्रोडक्शन हाउस मैडोक फिल्म्स ने लिखा-खौफ और हंसी की हाफ सेंचुरी सदी! यह स्त्री जल्दी खत्म होने वाली नहीं है! स्त्री 2 ने अपने 50वें दिन सबसे ज्यादा सिनेमाघरों में चलने का रिकॉर्ड बनाया। आप सभी के प्यार और सपोर्ट के लिए धन्यवाद। आज ही अपनी टिकट बुक करें। स्त्री 2 की पूरी स्टार कास्ट इस शानदार सफलता से बेहद खुश है। इस फिल्म ने साबित कर दिया है कि कंटेंट ही सबसे बड़ा है। फिल्म 2018 में रिलीज हुई स्त्री का सीक्वल है।स्त्री 2 का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन बढ़ता ही जा रहा है।

श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव स्टारर हॉरर कॉमेडी फिल्म स्त्री 2 ने 15 अगस्त से अपनी रिलीज के बाद से ही अब तक थिएटर्स में अपना कब्जा जमा रखा है। जवान, पठान और बाहुबली 2 समेत इंडियन फिल्म इंडस्ट्री की सभी फिल्मों का रिकॉर्ड तोडने के बाद स्त्री 2 ने अपने 50 दिन पूरे कर लिए हैं और अभी भी हम दर्शकों के बीच इसका क्रेज देख सकते हैं।वर्कफ्रंट की बात करें तो श्रद्धा कपूर अपनी फिल्म स्त्री 2 की सफलता का आनंद ले रही हैं। स्त्री 2 घरेलू बॉक्स ऑफिस पर खलबली मचाते हुए अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई है।

जूनियर एनटीआर की फिल्म देवरा का दबदबा बरकरार

बॉक्स ऑफिस पर लगाई डबल सेंचुरी

जूनियर एनटीआर ने देवरा पार्ट 1 के साथ सिल्वर स्क्रीन पर 6 सालों के बाद सोलो हीरो के तौर पर कमबैक किया है. इस फिल्म के साथ जाह्नवी कपूर और सैफ अली खान ने भी अपना तेलुगु डेब्यू किया, जिससे फिल्म की चर्चा और बढ़ गई. प्रमुख तेलुगु निर्देशकों में से एक, कोराताला शिवा द्वारा निर्देशित, इस फिल्म की बंपर ओपनिंग हुई थी. हालांकि इसके बाद से बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की कमाई में उतार-चढ़ाव जारी है. चलिए यहां जानते हैं इस फिल्म ने रिलीज के 6ठे दिन यानी पहले बुधवार को कितना कलेक्शन किया है?देवरा पार्ट 1 रिलीज होने के बाद से ही बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है. फिल्म को क्रिटिक्स और ऑडियंस से मिक्स्ड रिव्यू मिला था बावजूद इसके इस फिल्म ने पहले दिन धमाकेदार ओपनिंग की. देवरा पार्ट 1 ने 82.5 करोड़ के पहले दिन के कलेक्शन के साथ विजय थलापति की गोट को काफी पीछे छोड़ दिया. ओपनिंग डे के बाद फिल्म की कमाई में थोड़ी गिरावट भी देखी गई हालांकि फिर भी ये अच्छा कलेक्शन कर रही है. वहीं 2 अक्टूबर को

गांधी जयंती की छुट्टी के मौके पर तो फिल्म की कमाई में जबरदस्त तेजी देखी गई और इसने छप्परफाड़ कारोबार किया है.देवरा पार्ट 1 के पहले दिन से अब तक के कलेक्शन की बात करें तो फिल्म ने ओपनिंग डे पर 82.5 करोड़ की कमाई की थी. दूसरे दिन फिल्म का कारोबार 38.2 करोड़ रुपये रहा. तीसरे दिन देवरा पार्ट 1 ने 39.9 करोड़ कमाए. चौथे दिन फिल्म ने 12.75 करोड़ का कलेक्शन किया जबकि पांचवें दिन की कमाई 14 करोड़ रही. वहीं अब देवरा पार्ट 1 की रिलीज के छठे दिन यानी पहले बुधवार की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं.सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक देवरा पार्ट 1ळ ने रिलीज के छठे दिन यानी पहले बुधवार को 20.50 करोड़ का कलेक्शन किया है.इसी के साथ देवरा पार्ट 1 की 6 दिनों की कुल कमाई अब 207.85 करोड़ रुपये हो गई है.देवरा पार्ट 1 की कमाई में सोमवार को गिरावट देखी गई थी लेकिन फिर इसके कलेक्शन में मंगलवार को तेजी आई और बुधवार को गांधी जयंती की छुट्टी पर तो फिल्म की जैसे लॉटरी ही लग गई और इसने छप्परफाड़ कमाई की. देवरा पार्ट 1ने रिलीज के छठे दिन 20 करोड़ से ज्यादा के कलेक्शन के साथ केजीएफ 2 के छठे दिन की कमाई (19.14) के रिकॉर्ड को मात दे दी है. 300 करोड़ की लागत से बनी इस फिल्म ने अपने आधे से ज्यादा बजट तो वसूल कर लिया है अब देखने वाली बात होगी कि क्या ये फिल्म दूसरे वीकेंड तक अपना पूरी लागत वसूल कर पाती है या नहीं.

आईफा उत्सवम में पारुल यादव ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया

अभिनेत्री पारुल यादव इस साल के आईफा उत्सवम में पारंपरिक सौंदर्य मानकों को चुनौती देते हुए एक चिक शॉर्ट हेयरस्टाइल की शुरुआत करने वाली पहली अभिनेत्री के रूप में सुर्खियों में आई हैं। अपनी ट्रेंडसेटिंग शैली के लिए जानी जाने वाली, यादव देश भर की युवा महिलाओं के लिए एक प्रेरणा के रूप में काम करती हैं, जो लगातार अपने साहसिक और अभिनव फैशन विकल्पों का प्रदर्शन करती हैं।एक ऐसे कार्यक्रम में जहां कई लोग पूरी तरह से कपड़ों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, यादव के बालों का परिवर्तन अलग है, जिसमें सुरुचिपूर्ण हाइलाइट्स हैं जो उनके लुक को बढ़ाते हैं। एक शानदार गुलाबी गाउन पहने, उन्होंने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और उन्हें उत्सव में सबसे अच्छे कपड़े पहनने वाले उपस्थित लोगों में से एक के रूप में पहचाना गया।यादव की आगामी परियोजनाओं के बारे में अपडेट के लिए बने रहें, आधिकारिक घोषणाएं जल्द ही होने की उम्मीद है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

दिन फ़ायदेमन्द साबित होगा और आप किसी पुरानी बीमारी में काफ़ी आराम महसूस करेंगे। आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएँ। आपके ज़हन में काम का दबाव होने के बावजूद आपका प्रिय आपके लिए ख़ुशी के पलों को लाएगा। अपने बॉस को घर पर बुलाने के लिए अच्छा दिन नहीं है। आज जितना हो सके लोगों से दूर रहें। लोगों को वक्त देने से बेहतर है अपने आपको वक्त दें। वैवाहिक जीवन के लिए अच्छा दिन है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपने बच्चे का प्रदर्शन आपको बहुत ख़ुशी देगा। दीर्घावधि निवेश से बचिए और अपने दोस्तों के साथ बाहर जाकर कुछ ख़ुशी के पल बिताएँ। अपने दोस्तों को अपने उदार स्वभाव का ग़लत फ़ायदा न उठाने दें। अपने प्रिय की नाराज़गी के बावजूद अपना प्यार ज़ाहिर करते रहें। सहकर्मी आपको काफ़ी सहयोग देंगे और कार्यक्षेत्र में विश्वास की नींव पर नए रिश्तों की शुरुआत होगी। यात्रा के मौक़ों को हाथ से नहीं जाने देना चाहिए। आज आपका जीवनसाथी आपकी सेहत के प्रति असंवेदनशील हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

अपनी बीमारी के बारे में चर्चा करने से बचें। ख़राब तबियत से ध्यान हटाने के लिए कोई और दिलचस्प काम करें। क्योंकि इस बारे में आप जितनी ज़्यादा बातें करेंगे, उतनी ही ज़्यादा तकलीफ़ आपको होगी। आपका कोई दोस्त आपसे आज बड़ी रकम उधार मांग सकता है, अगर आप उनको यह रकम देते हैं तो आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। मतभेद के चलते व्यक्तिगत संबंधों में दरार पड़ सकती है। वैवाहिक जीवन में चीज़ें हाथ से निकलती हुई मालूम होंगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपके पास ख़ुद के लिए पर्याप्त समय होगा, तो मौक़े का फ़ायदा उठाएँ और अच्छी सेहत के लिए पैदल सैर पर जाएँ। दूसरों की कमियाँ ढूंढने का ग़ैर–ज़रूरी काम रिश्तेदारों की आलोचना का रुख़ आपकी ओर मोड़ सकता है। बेहतर रहेगा कि आप अपनी यह आदत बदल दें। जो लोग अब तक सिंगल हैं उनकी मुलाकात आज किसी खास से होने की संभावना है लेकिन बात को आगे बढ़ाने से पहले यह जरुर जान लें कि कहीं वो शख्स किसी के साथ रिश्ते में न हो। कुछ लोगों को कार्यक्षेत्र में तरक़्क़ी मिलेगी। आपके जीवनसाथी का मिज़ाज आज बढ़िया है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

दोस्त आपका परिचय किसी ख़ास इंसान से कराएंगे, जो आपकी सोच पर गहरा प्रभाव डालेगा। अपने परिवार को बताकर और अपने कामों से जताकर महसूस कराते रहें कि आप उनकी कितनी परवाह करते हैं। इससे उन्हें ख़ुशी मिलेगी और इस ख़ुशी को दोगुना करने के लिए उनके साथ अच्छा वक़्त बिताएँ। आज प्यार की मदहोशी में हक़ीक़त और फ़साना मिलकर एक होते मालूम होंगे। इसे महसूस करें। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आपकी कोई चल संपत्ति चोरी हो सकती है इसलिए जितना हो सके इनका ध्यान रखें। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख–दुःख के भागीदार बनें दूसरों को ऐसा काम करने के लिए बाध्य न करें, जो आप स्वयं न करना चाहें। यह ऐसा दिन है जब आप ख़ुद को समय देने की कोशिश करते रहेंगे लेकिन आपको अपने लिए समय नहीं मिल पाएगा। जीवनसाथी से बिना पूछे योजना बनाएंगे, तो उनकी ओर से नकारात्मक प्रतिक्रिया मिल सकती है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है लेकिन इस मेहमान की किस्मत की वजह से आज आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। जीवनसाथी और बच्चों से अतिरिक्त स्नेह और सहयोग मिलेगा। अपने प्रिय से दूर होने के बावजूद आप उसकी मौजूदगी महसूस करेंगे। साझीदारी की परियोजनाएँ सकारात्मक परिणाम से ज़्यादा परेशानियाँ देंगी। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। आज आपको सच्चे प्यार का एहसास होगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दोस्तों के साथ शाम अच्छी रहेगी लेकिन ज़्यादा खाने से बचें जो व्यापारी अपने कारोबार के सिलसिले में घर से बाहर जा रहे हैं वो अपने धन को आज बहुत संभालकर रखें। धन चोरी होने की संभावना है। किसी पारिवारिक भेद का खुलना आपको चकित कर सकता है। अपने प्रेम–प्रसंग के बारे में इधर–उधर ज़्यादा बातें न करें। आपके पास आज अपनी क्षमताओं को दिखाने के मौक़े होंगे। खाली वक्त का आज आप सदुपयोग करेंगे और उन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे जो बीते दिनों पूरे नहीं हो पाए थे। आपको और आपके जीवनसाथी को वैवाहिक जीवन में कुछ निजता की ज़रूरत हे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आर्थिक पक्ष अच्छा रहेगा लेकिन इसके साथ ही आपको यह ध्यान भी रखना होगा कि आप अपने पैसे को व्यर्थ में खर्च न करें। तनाव का दौर बरक़रार रहेगा, लेकिन पारिवारिक सहयोग मदद देगा। सैर–सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। उन सहकर्मियों का ख़ास ध्यान रखें, जो उम्मीद के मुताबिक़ चीज़ न मिलने पर जल्दी ही बुरा मान जाते हैं। आज आपके पास खाली समय होगा और इस समय का इस्तेमाल आप ध्यान योग करने में कर सकते हैं। आपको आज मानसिक शांति का अहसास होगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आप अपना धन धार्मिक कार्यों में लगा सकते हैं जिससे आपको मानसिक शांति मिलने की पूरी संभावना है। बच्चे भविष्य की योजनाएँ बनाने की अपेक्षा घर के बाहर ज़्यादा समय बिताकर आपको निराश कर सकते हैं। आज आप कुछ अलग क़िस्म के रोमांस का अनुभव कर सकते हैं। अपने चारों ओर होने वाली गतिविधियों का ध्यान रखें, क्योंकि आपके काम का श्रेय कोई दूसरा ले सकता है। बढ़िया खाने, महक और ख़ुशी के साथ आप अपने जीवनसाथी के साथ बेहतरीन समय बिता सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

जिन लोगों ने जमीन खरीदी थी और अब उसे बेचना चाहते हैं उन्हें आज कोई अच्छा खरीदार मिल सकता है और जमीन बेचकर उन्हें अच्छा धन लाभ हो सकता है। आपको अपना बाक़ी वक़्त बच्चों के संग गुज़ारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ ख़ास ही क्यों न करना पड़े। आज आपको निराशा हाथ लग सकती है, क्योंकि मुमकिन है कि आप अपने प्रिय के साथ सैर–सपाटे पर न जा पाएँ। अंजान लोगों से बात करना ठीक है लेकिन उनकी विश्वसनियता जाने बिना उनको अपने जीवन की बातें बताकर आप अपना वक्त ही जाया करेंगे और कुछ नहीं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

बेकार की बात पर बहस करके अपकी ऊर्जा ज़ाया न करें। बिना बताये आज कोई देनदार आपके अकाउंट में पैसे डाल सकता है जिसके बारे में जानकर आपको अचंभा भी होगा और खुशी भी। बच्चों को पढ़ाई पर ध्यान लगाने और भविष्य के लिए योजना बनाने की ज़रूरत है। आज आपको प्यार का जवाब प्यार और रोमांस से मिलेगा। आपके पास आज अपनी क्षमताओं को दिखाने के मौक़े होंगे। इस राशि के जातक खाली वक्त में आज किसी समस्या का समाधान निकालने की कोशिश कर सकते है।

शनिवार का पंचांग

दिनांक : 05 अक्टूबर 2024 , शनिवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आश्विन , शुक्ल पक्ष
तिथि : तृतीया अहोरात्र
नक्षत्र : स्वाति रात्रि 09:33 तक
योग : विष्कुंभ अहोरात्र
करण : तैतिल रात्रि 06:44 तक
चन्द्रराशि : तुला
सूर्योदय : 06:07 , सूर्यास्त 06:01 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:09 , सूर्यास्त 06:06 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:02, सूर्यास्त 05:59 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:58, सूर्यास्त 05:53 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रात: 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : चन्द्रघंटा पूजनम्

❊ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❊
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

आध्यात्मिकता समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का मार्ग : मुर्मू

आबूरोड, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आध्यात्मिकता को समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का मार्ग बताते हुए कहा है कि आज विश्व के अनेक हिस्सों में व्याप्त अशांति के वातावरण और मानवीय मूल्यों का हो रहे ह्रास के समय में आध्यात्मिकता एक स्वस्थ और शांतिपूर्ण समाज की स्थापना में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

श्रीमती मुर्मू शुक्रवार को सिरोही जिले के आबूरोड़ में आध्यात्मिकता से स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज विषय पर ब्रह्माकुमारी संस्थान में आयोजित वैश्विक शिखर सम्मेलन में बोल रही थीं। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिकता न केवल व्यक्तिगत विकास का साधन है बल्कि यह समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का मार्ग भी है। जब हम अपने भीतर की स्वच्छता को पहचान पाने में सक्षम होंगे, तभी हम एक स्वस्थ और शांतिपूर्ण समाज की स्थापना में अपना योगदान दे सकेंगे। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिकता का अर्थ है, अपने भीतर की शक्ति को पहचान कर अपने आचरण और विचारों में शुद्धता लाना है। शांति केवल बाहर ही नहीं बल्कि हमारे मन की गहराई में स्थित होती है। जब हम शांत होते हैं, तभी हम दूसरों के प्रति सहानुभूति और प्रेम का भाव रख सकते हैं। उन्होंने कहा कि अध्यात्म से जुड़ाव हमें, समाज और विश्व को देखने का एक अलग सकारात्मक दृष्टिकोण प्रदान करता है। यह दृष्टिकोण हममें सभी प्राणियों के प्रति दया और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता का भाव उत्पन्न करता है।

राष्ट्रपति ने कहा कि आज जब हम ग्लोबल वार्मिंग और पर्यावरण प्रदूषण के विपरीत प्रभावों से जूझ रहे हैं तब इन चुनौतियों का सामना करने के लिए सभी संभव प्रयास करने चाहिए। मनुष्य को यह समझना चाहिए कि वह इस धरती का स्वामी नहीं है बल्कि पृथ्वी के संरक्षण के लिए जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारी जैसे संस्थानों से यह अपेक्षा की जाती है कि आध्यात्मिकता के बल पर लोगों को स्वच्छ और स्वस्थ जीवन जीने के लिए जागरूक करते रहेंगे। आध्यात्मिकता हमारे निजी जीवन को ही नहीं, बल्कि समाज और धरती से जुड़े अनेक मुद्दों जैसे सतत विकास एवं पर्यावरण संरक्षण और सोशियल जस्टिस को भी शक्ति प्रदान करती है। आध्यात्मिक मूल्यों का तिरस्कार करके केवल भौतिक प्रगति का मार्ग अपनाना अंततः विनाशकारी ही सिद्ध होता है। श्रीमती मुर्मू ने कहा कि स्वच्छ मानसिकता के आधार पर ही समग्र स्वास्थ्य संभव होता है। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिकता का मतलब धार्मिक होना या सांसारिक कार्यों का त्याग कर देना नहीं है।

आध्यात्मिकता का अर्थ है, अपने भीतर की शक्ति को पहचान कर अपने आचरण और विचारों में शुद्धता लाना हैं। उन्होंने कहा कि स्वच्छता सिर्फ बाहरी नहीं हमारे विचारों में भी होनी चाहिए। सामाजिक, मानसिक, भावनात्मकता आपस में जुड़े हुए हैं। अगर आत्मा स्वच्छ और स्वस्थ हो तो सब कुछ सही हो जाता है।

स्वच्छ और स्वस्थ जीवन की राहों का निर्माण अध्यात्म में निहित : बागडे

आबू रोड़, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने शुक्रवार को आबू रोड में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की मौजूदगी में अध्यात्म से स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज विषयक ग्लोबल समिट में भाग लिया।

श्री बागडे ने सिरोही जिले के आबू रोड़ में आयोजित इस समिट पर वैश्विक परिचर्चा में अपने विचार रखते हुए कहा कि अध्यात्म भारत की वह सुदृढ़ परंपरा है जिसके जरिए जीवन की उत्कर्ष राहों का निर्माण किया जाता रहा है। उन्होंने कहा कि अध्यात्म जीवन की नैतिकता है। स्वच्छ और स्वस्थ जीवन की राहों का निर्माण अध्यात्म में निहित शक्ति ही है। उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपरा की चर्चा करते हुए अध्यात्म से जुड़े मानवीय मूल्यों की भी विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि अध्यात्म भारतीय जीवन का अंग है। हमारी संस्कृति में व्यक्ति की बजाय मनुष्य बनने पर जोर दिया गया है। मनुष्य बनने का अर्थ है, अपने लिए नहीं सम्पूर्ण समाज के लिए जीना। यही भारतीय संस्कृति है, जिससे स्वच्छ और स्वस्थ समाज का निर्माण किया जा सकता है।

राज्यपाल ने इससे पहले आबू रोड स्थित ब्रह्मकुमारी आश्रम के जैविक खेती उद्यान राजऋषि आदर्श वाटिका का अवलोकन किया। उन्होंने वहां रसायन रहित खेती, फल, सब्जी आदि के उत्पादन की सराहना की। उन्होंने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग एवं रासायनिक खेती के उत्पादनों से असाध्य रोगों से बचाव का उपाय जैविक खेती ही है। इसके लिए सभी मिलकर प्रयास करें। इससे पहले उन्होंने वहां पौधरोपण भी किया।

हरियाणा में मतदान आज

राज्य की जनता करेगी 1031 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला

चंडीगढ़, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)। पांच साल के बाद वोट देकर अपनी सरकार चुनने की जिस घड़ी का इंतजार हरियाणा की जनता को था, वह आ गई है और आज शनिवार को विधानसभा चुनाव का मतदान है जिसमें 1031 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला होगा।

हरियाणा के मुख्य चुनाव अधिकारी पंकज अग्रवाल के अनुसार कुल 2,03,54,350 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे। प्रदेश की सभी 90 विधानसभा क्षेत्रों में कुल 1031 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे है और मतदान के लिए 20,632 पोलिंग बूथ बनाएं गए है। मतदान सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक होगा। श्री अग्रवाल ने बताया कि 2,03,54,350 मतदाताओं में 1,07,75,957 पुरूष, 95,77,926 महिलाएं और थर्ड जेंडर 467 मतदाता है। 18 से 19 आयु वर्ग के 5,24,514 युवा मतदाता है। इसी प्रकार, 1,49,142 दिव्यांग मतदाता है। जिसमें से 93,545 पुरुष व 55,591 महिला व छह थर्ड जेंडर मतदाता है। उन्होंने बताया 85 वर्ष से अधिक आयु के 2,31,093 मतदाता हैं। जिसमें से 89,940 पुरुष व 1,41,153 महिला मतदाता है। इसके अलावा, 100 वर्ष की आयु से अधिक के मतदाताओं की संख्या 8,821 है। जिसमें से 3,283 पुरुष व 5,538 महिला मतदाता है। इसके अतिरिक्त, 1,09,217 सर्विस मतदाता है। जिसमें से 1,04,426 पुरुष व 4791 महिला मतदाता है। प्रत्याशियों में 930 पुरूष व 101 महिलाएं उम्मीदवार चुनाव लड रही है। कुल 1031 उम्मीदवारों में से 464 निर्दलीय उम्मीदवार हैं।

CHIEF ELECTORAL OFFICER, HARYANA

चुनाव बहुकोणीय है। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के अलावा चुनावी मैदान में जननायक जनता पार्टी–आजाद समाज पार्टी, गठबंधन, इंडियन नेशनल लोकदल–बहुजन समाज पार्टी गठजोड़ और आम आदमी पार्टी भी हैं। मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस में माना जा रहा है। जहां भाजपा नॉन–स्टॉप हरियाणा व भरोसा दिलसे, भाजपा फिर से के नारे के साथ हैट्रिक लगाने की उम्मीद कर रही है, वहीं कांग्रेस भाजपा जा रही है, कांग्रेस आ रही है और हाथ बदलेगा हालात के नारों के साथ सत्ता में वापसी का दावा कर रही है। अन्य दल भी किंगमेकर बनने से लेकर अपने बूते सरकार बनाने तक के दावे कर रहे हैं। छोटे दलों, रिश्तेदारों के एक–दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ने से लेकर बागियों सहित बड़ी संख्या में निर्दलीय प्रत्याशियों के मैदान में होने से राजनीतिक दलों के प्रत्याशियों का खेल बिगाड़ने की संभावनाओं के कारण कई सीटों पर मुकाबला कड़ा व रोचक हो गया है। जिन सीटों पर लोगों की नजर रहेगी उनमें कुरुक्षेत्र जिले की लाड़वा (मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी यहां से प्रत्याशी हैं), सोनीपत जिले की गढ़ी सांपला किलोई (पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष भूपेन्द्र सिंह हुड्डा प्रत्याशी हैं) जींद जिले की उचाना कलाँ (पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला यहाँ से प्रत्याशी हैं) और जुलाना (काँग्रेस ने पहलवान विनेश फोगाट को टिकट दिया है), हिसार (यहाँ अमीरतम महिला प्रत्याशी सावित्री जिंदल भाजपा से बगावत कर चुनाव लड़ रही हैं जबकि उनके पुत्र नवीन जिंदल लोकसभा चुनाव में भाजपा के टिकट पर जीतकर सांसद बने हैं), सिरसा जिले की डबवाली जहां चौटाला कुनबे से तीन सदस्य – कांग्रेस के अमित सिहाग, भाजपा से इनेलो गए आदित्य चौटाला और जजपा से दिग्विजय चौटाला आपस में भिड़ रहे हैं), एलानाबाद 2019 के विधानसभा चुनाव में यह एकमात्र सीटी थी, जिस पर इनेलो को जीत हासिल हुई थी। किसान आंदोलन के समर्थन में अभय सिंह चौटाला ने इस्तीफा दिया था और फिर उपचुनाव में जीते थे), भिवानी जिले की तोशाम (हाल ही में अपनी मां किरण चौधरी के साथ कांग्रेस छोड़कर भाजपा में गई बंसीलाल परिवार की श्रुति चौधरी का मुकाबला उनके चचेरे भाई अनिरुद्ध चौधरी से है) और अंबाला शहर और अंबाला छावनी (शहर से जहां पूर्व मंत्री निर्मल सिंह कांग्रेस प्रत्याशी हैं, उनकी बेटी चित्र सरवारा छावनी से कांग्रेस से बगावत कर निर्दलीय चुनाव लड़ रही हैं और पूर्व गृह मंत्री अनिल विज को टक्कर दे रही हैं) आदि हैं।

ट्रैक्टर की छतरी से पुलिस ने जब्त की 10 लाख रुपए की नकदी

पानीपत, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के पानीपत में जिले में पुलिस ने खोजकीपुर गांव के पास यमुना पुल पर एक ट्रैक्टर की छतरी से 10 लाख रुपए की नकदी बरामद की है। ट्रैक्टर चालक उत्तर प्रदेश की ओर से आया था। 500–500 के नोटों की 20 गड्डी बनाकर ट्रैक्टर की छतरी में रखे थे। ट्रैक्टर पर सवार युवक समालखा के रहने वाले थे। पुलिस 64 वाहनों से एक करोड़ 80 लाख रुपये से ज्यादा नकदी बरामद कर चुकी है। जिला पुलिस की विभिन्न टीमें जिले व प्रदेश से लगती सीमाओं पर नाकाबंदी कर जांच में लगी हुई हैं।

एसपी लोकेंद्र सिंह ने सभी डीएसपी व थाना प्रभारियों को अपने अपने क्षेत्र में गश्त करने के निर्देश दिए हैं। मुखबिरों को भी अलर्ट पर रखा गया है।

दूसरी ओर, चुनाव में शहर में शराब का बड़े स्तर पर खेल चल रहा है। इसको लेकर आबकारी एवं कराधान व पुलिस टीमें जिले में सिविल ड्रेस में गश्त कर रही हैं। दो दिन में आठ युवक अवैध रूप से शराब ले जाते हुए पकड़े जा चुके हैं। शुक्रवार सुबह भी दो युवकों को सेक्टर 13–17 में शराब की पेट्टियों के साथ पकड़ा गया है।

शहर में एक शराब के ठेके को सील किया गया है। बताया जा रहा है कि शराब ठेकों पर 10 रुपये के नोट पर देसी व 20 रुपये के नोट पर अंग्रेजी शराब की बोतल की बिक रही है। पुलिस ने शहर में वाहनों की जांच के लिए भी 45 नाके लगाए हैं। वाहनों की जांच की जा रही है।

राजस्थान में नशे के खिलाफ युवाओं का प्रदेशव्यापी अभियान

जयपुर, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)। पंजाब के बाद अब नशा राजस्थान में भी अपने पैर पसार रहा है और इसके खिलाफ युवाओं की आवाज बुलंद एवं जागरुक करने के लिए प्रदेश में इसके विरुद्ध युवाओं का प्रदेशव्यापी नशा मुक्ति अभियान (अवेकन) चलाया जा रहा है।

नशे से ज्यादा प्रभावित पंजाब से लगते श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ जिलों में इसके असर को देखते हुए राजस्थान में कांग्रेस के युवा नेता अभिषेक चौधरी ने प्रदेशव्यापी युद्ध नशे के विरुद्ध (अवेकन) अभियान की शुरुआत की है। श्री चौधरी ने बताया कि शहीदे आजम भगत सिंह की जयंती पर जयपुर में इस अभियान की शुरुआत की गई और महात्मा गांधी की जयंती दो अक्टूबर पर श्रीगंगानगर में इस अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित किए गए। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने जब पहली बार आजादी को लेकर आंदोलन किया था तब उन्होंने कहा था कि जब तक लोग नशा नहीं छोड़ेंगे तब तक वे देश और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियां नहीं समझ पाएंगे। इसलिए देश को पहले नशे से आजादी की जरूरत है। ऐसे में इस अभियान में नुक्कड़ नाटक के जरिए नशे के खिलाफ रचनात्मक संदेश का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसी तरह मशाल जुलूस के माध्यम से नशे के खिलाफ युवाओं की आवाज बुलंद की जा रही हैं और युवाओं को नशे के कुप्रभाव के बारे में अवगत कराकर उन्हें जागरुक किया जा रहा है।

श्री चौधरी ने बताया कि नशा मुक्ति के इस अभियान को लेकर वह हर एक जिले, गांव, कस्बे में जाएंगे और रचनात्मक तरीके के कार्यक्रमों के जरिए बच्चों से लेकर युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों को नशे के खिलाफ जागरूक करेंगे। इसी कड़ी में अब तक वह राजधानी जयपुर और नशे से सबसे ज्यादा प्रभावित इलाके श्रीगंगानगर में कई कार्यक्रम कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने के लिए राज्य सरकार ने 290 करोड रुपए जारी किए लेकिन सरकार और सिस्टम की गैर जिम्मेदारी के चलते सिर्फ 90 करोड रुपए ही खर्च हो पाए और वह भी सिर्फ खानापूर्ति के कार्यक्रमों में खर्च हुए। जिसके कारण अलग अलग तरीके के नशे का जाल इतने बड़े स्तर पर फैल चुका है कि अब सरकार अकेले इससे नहीं लड़ सकती। ऐसे में अब समाज के प्रत्येक व्यक्ति को नशे के खिलाफ खड़ा होना होगा तभी नशे के खिलाफ लड़ाई जीती जा सकती है। ऐसे में युवाओं को साथ लेकर लोगों को जागरुक करने का काम किया जा रहा है।

राज्य सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कर रही है काम : दिया कुमारी

जयपुर, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में हमारी डबल इंजन की सरकार महिलाओं को आगे बढ़ाने, मजबूत बनाने, आर्थिक रूप से संबल प्रदान करने और आत्मनिर्भर बनाने के लिए काम कर रही है।

दिया कुमारी शुक्रवार को लघु उद्योग भारती महिला संगठन जयपुर की ओर से जवाहर कला केन्द्र के शिल्पग्राम में चार से छह अक्टूबर तक आयोजित स्वयंसिद्धा हस्तशिल्प प्रदर्शनी–2024 का शुभारम्भ करने के अवसर पर मुख्य अतिथि के रुप में बोल रही थी। उन्होंने कहा कि लघु उद्योग भारती से आयोजित इस प्रदर्शनी में महिला हस्तशिल्पियों को मंच प्रदान कर सम्बल प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज के दौर में पर्यटन की दृष्टि से नवाचार करते हुए होम स्टे आदि को बढ़ावा दिया जाना आवश्यक है।

उन्होंने प्रदर्शनी में विभिन्न वर्गों की महिलाओं द्वारा तैयार दैनिक घरेलू उपयोग के सामान, सजावट के सामान, तथा अन्य कलात्मक उत्पादों का विभिन्न स्टाल्स पर अवलोकन कर सराहा और इन कुटीर उद्योग एवं महिला उद्योग शिल्पकारों का उत्साहवर्धन किया। इस मौके लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष घनश्याम ओझा ने कहा कि ये हस्तशिल्प के उत्पादन जितने कालात्मक हैं उतने ही भावनात्मक भी है। उन्होंने सभी को इन उत्पादन को खरीदकर इनका प्रोत्साहन करने का आह्वान किया। लघु उद्योग भारती महिला संगठन की प्रदेश उपाध्यक्ष अंजू सिंह ने बताया कि देश के छह राज्यों से स्वयंसिद्धा हस्तशिल्प प्रदर्शनी में देश भर के प्रसिद्ध शिल्पकारों, कुटीर उद्योग एवं महिला उद्योगों के उत्पादनों को प्रदर्शित किया गया है।

हिसार में नकाबपोश युवकों ने पेट्रोल छिड़कर लगा दी खड़ी गाड़ी में आग

हिसार, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के हिसार जिले के गांव बालसमंद में बाइक पर सवार होकर आए दो नकाबपोश युवकों ने घर के बाहर खड़ी गाड़ी को पेट्रोल डालकर आग लगा दी। यह घटना सीसीटीवी में रिकॉर्ड हुई है। दोनों युवक बाइक पर सवार होकर आए थे। दोनों ने अपने चेहरे पर नकाब लगाया हुआ था। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। शुक्रवार सुबह डीएसपी संजीव कुमार ने मौके का निरीक्षण किया।

पुलिस को दी शिकायत में बालसमंद निवासी भारत ने बताया कि वह अपनी गाड़ी को टैक्सी के तौर पर चलाता है। पिछले तीन साल से टैक्सी चला कर परिवार का भरण पोषण करता था। वीरवार को चुनाव प्रचार के आखिरी दिन भाजपा प्रत्याशी भव्य बिश्नोई के प्रचार में गाड़ी लेकर गया था। रात को करीब 9 बजे वापस आकर गाड़ी को घर के पास खड़ा किया। इसके बाद वह घर जाकर सो गया। रात को करीब 12 बजे अचानक उसकी गाड़ी में आग लगने की जानकारी मिली। जब मौके पर जाकर देखा तो गाड़ी पूरी तरह जल चुकी थी।

वैशाली पुलिस की अनूठी पहल

त्योहारों में घर लौटने वाले यात्रियों के लिए मुफ्त बस सेवा शुरू

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। वैशाली जिले में पुलिस प्रशासन ने एक सराहनीय कदम उठाया है, जिससे त्योहारों के दौरान घर लौटने वाले यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। पुलिस कप्तान हरकिशोर राय की अगुवाई में हाजीपुर जंक्शन से दो अलग-अलग मार्गों पर नि:शुल्क रात्रि बस सेवा की शुरुआत की गई है, जिससे देर रात ट्रेन या बस से उतरने वाले यात्रियों को सुरक्षित उनके घरों तक पहुंचाया जा सके।

जानकारी के मुताबिक, यह पहल खासकर उन यात्रियों को ध्यान में रखकर शुरू की गई है, जो प्रदेश से त्योहारों के समय अपने घर लौटते हैं और अक्सर देर रात हाजीपुर जंक्शन या बस स्टैंड पर पहुंचते हैं। पुलिस द्वारा संचालित इन बसों में हथियारबंद पुलिसकर्मी भी तैनात रहेंगे, जिससे यात्रियों को किसी प्रकार का खतरा महसूस न हो। इस सेवा से लोगों के बीच बढ़ते अपराध, जैसे नशाखुरानी या जहरखुरानी गिरोह से बचाने में मदद मिलेगी, जो यात्रियों को नशा देकर लूटपाट करते हैं।

पहली बस हाजीपुर जंक्शन से रामाशीष चौक, पासवान चौक, जंदाहा होते हुए महुआ के रास्ते से वापस हाजीपुर जंक्शन पहुंचेगी। दूसरी बस हाजीपुर जंक्शन से अनजान पीर चौक, लालगंज, मौना, गोरौल, भगवानपुर होते हुए फिर से हाजीपुर लौटेगी। इन बसों के मार्ग में कई महत्वपूर्ण पड़ाव शामिल किए गए हैं, जहां से यात्रियों को सुरक्षित उनके गंतव्य तक छोड़ा जाएगा।

इस मुफ्त बस सेवा के साथ-साथ, बसों में हथियारबंद पुलिसकर्मी मौजूद रहेंगे, ताकि यात्रियों को किसी भी असुरक्षित स्थिति का सामना न करना पड़े। इसके अलावा पुलिस द्वारा पूरे जिले में मुख्य मार्गों पर पेट्रोलिंग भी की जा रही है, ताकि अपराधियों पर नजर रखी जा सके और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

वैशाली पुलिस द्वारा की गई इस पहल को लोगों ने काफी सराहा है। यह सेवा विशेष रूप से त्योहारों के दौरान शुरू की गई है, लेकिन भविष्य में इसकी उपयोगिता को देखते हुए इसे स्थायी रूप से लागू करने पर भी विचार किया जा रहा है। पुलिस की इस मुहिम से न सिर्फ यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी, बल्कि पुलिस और जनता के बीच विश्वास और सहयोग भी बढ़ेगा।

भीषण हादसे में तीन लोगों की मौत, बाइक से जा रहे थे तीनों

तेज रफ्तार वाहन ने रौंदा

पटना (एजेंसियां)। पटना के फतुहा स्थित मकसूदपुर गांव में शुक्रवार की सुबह सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पूरे गांव में अफरातफरी मच गई। सूचना पाकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना फतुहा थाने को दी। सूचना मिलते ही फतुहा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों लोगों के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

फतुहा थाना प्रभारी ने बताया कि शुक्रवार की सुबह एक मोटरसाइकिल पर तीन व्यक्ति पूरब दिशा की तरफ से आ रहे थे। अचानक सामने से आ रही एक अज्ञात वाहन ने मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही तीनों सड़क पर गिर पड़े। बताया जा रहा है कि पीछे से आ रही तेज रफ्तार वाहन ने तीनों को कुचल दिया। इस हादसे में तीनों लोगों की मौत मौके पर ही हो गए। घटना के बाद वाहन तेजी से मौके से फरार हो गया।

थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक व्यक्ति की पहचान पिता गंगा राय 50 वर्ष, उनके पुत्र राहुल कुमार 25 वर्ष एवं अन्य एक ठेकेदार जिसकी उम्र लगभग 30 वर्ष बताई जा रही है, जो मकसूदपुर के रहने वाले थे। बताया जा रहा है कि तीनों एक ही मोटरसाइकिल से मकान बनाने के लिए ईंट खरीदने किसी भट्ठे पर जा रहे थे। इसी क्रम में तेज रफ्तार वाहन ने मकसूदपुर के नजदीक तीनों को कुचल दिया। हादसा इतना भीषण था कि तीनों की मौके पर ही मौत हो गई।

सीएम नीतीश ने कर दिया एलान

विजया दशमी से पहले बाढ़ पीड़ितों को मिलेंगे सात-सात हजार रुपये

दरभंगा (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बड़ा एलान किया है। उन्होंने कहा है बाढ़ पीड़ितों को सात-सात हजार रुपये दिए जाएंगे। शुक्रवार दोपहर दरभंगा के इंडोर स्टेडियम में बाढ़ पीड़ितों के लिए तैयार किये जा रहे फूड पैकेट का जायजा लिया और उपस्थित जिलाधिकारी सहित सम्बंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश जारी किया है। उन्होंने अधिकारियों को जल्द से जल्द बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री पहुचाने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विजया दशमी से पहले बाढ़ पीड़ितों के बैंक खाते में सहायता राशि भेजने का निर्देश दिया।

इंडोर स्टेडियम फूड पैकेजिंग का जायजा लेने के बाद मुख्यमंत्री किरतपुर कुशेस्वरस्थान प्रखंड के बाढ़ग्रस्त इलाके का दौड़ा करने निकल गए हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर बिहार के समाज कल्याण मंत्री मदन सहनी ने भी बाढ़ पीड़ितों को सात-सात हजार रुपये देने की बात कही है। यह पैसा दुर्गा पूजा से पहले नौ अक्टूबर तक पीड़ितों को खाता में ट्रांसफर कर दिया जायेगा। मंत्री सहनी ने बताया कि लगभग 50 हजार पीड़ितों के बीच सात-सात हजार रुपये भेजे जाएंगे।

मुजफ्फरपुर में बाढ़ पर प्रशासन की पैनी नजर, गंडक खतरे के निशान के पार

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर जिले में बाढ़ के खतरे को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह से सतर्क है और लगातार निगरानी कर रहा है। बागमती नदी के जलस्तर में मामूली गिरावट देखी गई है, जबकि गंडक और बूढ़ी गंडक नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। इस कारण नए क्षेत्रों में पानी भरने की स्थिति बन रही है, जिससे जिला प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट पर है।

हाल ही में नेपाल से छोड़े गए पानी का प्रभाव उत्तर बिहार की नदियों पर देखने को मिल रहा है। बागमती नदी के जलस्तर में कमी आई है, लेकिन गंडक और बूढ़ी गंडक नदियों में जलस्तर बढ़ता जा रहा है। केंद्रीय जल आयोग के आंकड़ों के अनुसार, मुजफ्फरपुर के कटौझा में बागमती नदी 71 सेंटीमीटर खतरे के निशान से ऊपर बह रही है, जबकि गंडक नदी रेवाघाट में 35 सेंटीमीटर ऊपर है। हालांकि बूढ़ी गंडक का जलस्तर अभी खतरे के निशान से नीचे है, परंतु इसमें भी लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे निचले इलाकों में मुश्किलें बढ़ रही हैं।

जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन ने बताया कि प्रशासन हाई अलर्ट मोड पर काम कर रहा है। प्रभावित क्षेत्रों में लोगों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए हर संभव उपाय किए जा रहे हैं।

जिले के जिन इलाकों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है, वहां के लोगों के लिए कम्युनिटी किचन की व्यवस्था की गई है, ताकि भोजन की कोई कमी न हो। साथ ही स्वच्छ पानी की आपूर्ति के लिए पीएचईडी के पानी टैंकर भी लगाए गए हैं।

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि गंडक नदी का जलस्तर फिलहाल खतरे के निशान पर है, लेकिन स्थिति नियंत्रण में है।

बूढ़ी गंडक का जलस्तर भी लगातार मॉनिटर किया जा रहा है और बागमती नदी के कैचमेंट क्षेत्र में अभी भी पानी जमा है, जिससे कुछ राहत मिलती दिख रही है। प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि हालात पर पूरी तरह नजर रखी जा रही है और जरूरत पड़ने पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

इस पहल से जिला प्रशासन यह सुनिश्चित कर रहा है कि बाढ़ प्रभावित लोगों को सभी आवश्यक सेवाएं मिलें और किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए तैयारी पूरी है।

मुजफ्फरपुर में नवरात्रि के दूसरे दिन श्रद्धालुओं में उत्साह, माता के दर्शन के लिए उमड़ी भीड़

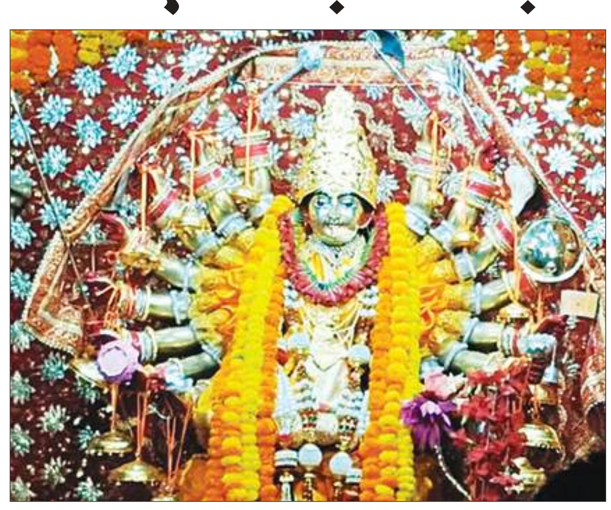

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। देश भर में नवरात्रि का पर्व बड़े धूमधाम और आस्था के साथ मनाया जा रहा है। नौ दिनों तक चलने वाले इस महापर्व में माता दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है। आज नवरात्रि के दूसरे दिन देवी दुर्गा के ब्रह्मचारिणी स्वरूप का पूजन हो रहा है। इसे लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के प्रमुख मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। अहले सुबह से ही भक्तजन माता के दर्शन के लिए लाइन में लगे दिखे।

मुजफ्फरपुर के प्रसिद्ध राजराजेश्वरी देवी मंदिर में नवरात्रि के दूसरे दिन विशेष पूजन और दर्शन का आयोजन हो रहा है। मंदिर के प्रधान पुजारी मिथिलेश तिवारी के अनुसार, यह मंदिर अपने आप में अत्यधिक धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व रखता है, जिसके कारण नवरात्र के दौरान यहां दूर-दूर से श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। भक्त यहां अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए विशेष रूप से माता दुर्गा का पूजन करते हैं। मान्यता है कि यहां की पूजा अर्चना से भक्तों के सभी दुख दूर हो जाते हैं।

नवरात्रि को देखते हुए मंदिर में विशेष तैयारियां की गई हैं। सुबह पांच बजे मंदिर के पट खुलने के साथ ही भक्तों का आना शुरू हो गया और रात 11 बजे तक यह सिलसिला चलता रहेगा। इस दौरान भक्तों की सुविधा के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। महिला और पुरुष श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग लाइनें बनाई गई हैं, ताकि किसी को भी दर्शन के दौरान कठिनाई का सामना न करना पड़े। मंदिर प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एनसीसी के जवानों को तैनात किया है, जो उपद्रवी तत्वों पर नजर रख रहे हैं। इसके साथ ही, पूरे मंदिर परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, ताकि सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा सकें। इस प्रकार, श्रद्धालु बिना किसी डर या असुविधा के श्रद्धा और भक्ति के साथ माता के दर्शन कर सकते हैं।

पंडित मिथिलेश तिवारी ने बताया कि नवरात्रि के दौरान माता के ब्रह्मचारिणी स्वरूप का पूजन अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन माता के दर्शन और पूजा करने से भक्तों के सारे कष्ट और परेशानियां समाप्त हो जाती हैं और उनके जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

मुजफ्फरपुर के मंदिरों में आस्था और विश्वास का ऐसा माहौल है कि श्रद्धालु सच्ची श्रद्धा के साथ माता दुर्गा से अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति की प्रार्थना करते हैं। नवरात्रि के दौरान पूरे जिले में भक्तों का उत्साह चरम पर है। यह पर्व यहां के लोगों के लिए धार्मिक और सांस्कृतिक रूप से विशेष महत्व रखता है।

ढाई करोड़ घूस लेने के फेर में एनआईए के डीएसपी गिरफ्तार

बिहार में जदयू नेत्री के बेटे से मांगी थी रिश्वत

पटना (एजेंसियां)। बिहार के गया जिले से बड़ी खबर सामने आ रही है। 20 लाख रुपए घूस लेते एनआईए के डीएसपी समेत दो एजेंट को सीबीआई ने गिरफ्तार किया है। यह मामला जदयू के पूर्व एमएलसी मनोरमा देवी से संबंधित है। गया शहर के एपी कॉलोनी स्थित जदयू के पूर्व एमएलसी मनोरमा देवी के घर पर पिछले 19 सितंबर को एनआईए की टीम ने छापेमारी की थी। छापेमारी के दौरान 4.3 करोड़ रुपए नगद और कई हथियार बरामद किया गया था। एनआईए पटना शाखा के डीएसपी अजय प्रताप सिंह के नेतृत्व में छापेमारी की गई थी।

डीएसपी द्वारा नक्सली मामले में फंसाने की धमकी देकर 2.5 करोड़ रुपए रिश्वत की मांग की गई थी। रमैया कंस्ट्रक्शन के मालिक रॉकी यादव ने एनआईए के डीएसपी अजय प्रताप सिंह कर खिलाफ रिश्वत मांगने का आरोप लगाया था। इसकी शिकायत सीबीआई से की थी। जांच में इस शिकायत की पुष्टि होने के बाद सीबीआई की टीम ने गया से डीएसपी के दो एजेंट को रिश्वत के 20 लाख रुपए के साथ गुरुवार को देर रात गिरफ्तार किया है। वहीं पटना से एनआईए के डीएसपी अजय प्रताप सिंह को गिरफ्तार किया है।सीबीआई के द्वारा डीएसपी के घर सहित यूपी तक के रिश्तेदारों के घरों पर भी छापेमारी की गई।

जदयू के पूर्व एमएलसी मनोरमा देवी के पीए रविंद्र यादव ने एनआईए छापेमारी के पीछे किसी राजद के कद्दावर नेता के होने की आशंका जताया है। नक्सल गतिविधि में फंसाने और रॉकी यादव को राहत देने के नाम पर 2.5 करोड़ रुपए की रिश्वत मांगी गई थी।इसी के तहत रिश्वत की पहली किस्त 20 लाख रुपए लेने डीएसपी के दो एजेंट को गया से सीबीआई की टीम ने गिरफ्तार किया है। सीबीआई की टीम में 6 एसपी और 4 डीएसपी रैंक के अधिकारी शामिल थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com